लखनऊ, शुक्रवार
17.05.2024
वर्ष: 16
अंक: 32 पृष्ठ: 08
मूल्य: 02 रूपया
स्थापित: वर्ष 2009
RNI-UPHIN/2009/28265

संकल्प परिवर्तन का

नवसत्ता

16 वां वर्ष विश्वास का

www.navsatta.com लखनऊ व रायबरेली से एक साथ प्रकाशित तथा समस्त उत्तर भारत में प्रसारित हिन्दी दैनिक

चार जून के बाद इंडिया गठबंधन टूट कर बिखर जाएगा खटाखट खटाखट : पीएम मोदी

संवाददाता

प्रतापगढ़, 16 मई (नवसत्ता) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए विपक्ष पर चुटकी ली। उन्होंने कहा कि चार जून के बाद इंडिया गठबंधन टूट कर बिखर जाएगा खटाखट खटाखट। पराजय के बाद बलि के बकरे को खोजा जाएगा खटाखट खटाखट। शहजादे चाहे लखनऊ या दिल्ली वाले हों, ये शहजादे गर्मी की छुट्टी पर विदेश निकल जाएंगे खटाखट खटाखट। किसी ने बताया कि टिकट बुक कराने के लिए भी बोल दिया है। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस पिछड़ों का आरक्षण समाप्त करना चाहती है। यह कार्य कर्नाटक से शुरू भी कर दिया है। ये लोग पिछड़ों का आरक्षण लेकर मुसलमानों को देना चाहते हैं। कांग्रेस के शहजादे कह रहे हैं, सबकी जांच कराएंगे। कांग्रेस कर्नाटक का यह फार्मूला पूरे देशभर में लागू करना चाहती है। ओबीसी से विश्वासघात करने वाली सपा इस पर चुप बैठी है। सपा और कांग्रेस की तुष्टीकरण की राजनीति यहीं पर नहीं रुकी। ये लोग मोदी के खिलाफ वोट जिहाद की अपील कर रहे हैं। कांग्रेस के शहजादे कहते हैं कि वह सत्ता में आएंगे तो रामलला को फिर टेंट में भेज देंगे और राम मंदिर में ताला लगवा देंगे, लेकिन, मोदी ऐसा नहीं होने देगा। हमारे रहते ऐसा नहीं हो सकता। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस देश के विकास का मजाक बना रही है। सपा और कांग्रेस का मानना है कि देश का विकास अपने आप हो जाएगा। हमने शौचालय बनवाए तो सपा कांग्रेस ने कहा इससे क्या होगा। भाजपा ने पक्का घर गरीबों को दिया तो कहा कि क्या होगा। वर्षो शासन करने के बावजूद देश के पचासी फीसदी घरों में नल से जल नहीं आता था।

हमने 14 करोड़ गरीबों तक पीने का पानी पहुंचाया। उन्होंने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि अमेठी से भगाए गए हैं और अब रायबरेली से भी भगाए जाएंगे। देश चलाना सोने की चम्मच लेकर पैदा हुए बच्चों का खेल नहीं है। यह आपसे नहीं हो पाएगा। चार जून के बाद मोदी सरकार तो बनेगी ही बनेगी, लेकिन और भी बहुत कुछ होने वाला है।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में शॉर्ट सर्किट से लगी आग

नई दिल्ली - राजधानी दिल्ली में आए दिन शॉर्ट सर्किट से आग लगने की घटनाएं सामने आ रही हैं। दिल्ली बीजेपी प्रदेश कार्यालय में आज शाम अचानक आग लग गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। इसके बाद 15 मिनट में आग पर काबू पा लिया गया। वहीं, राहत की बात है कि आग लगने की घटना में किसी भी व्यक्ति के घायल होने की खबर नहीं है। बताया जा रहा है कि दिल्ली भाजपा प्रदेश कार्यालय में अचानक से शाम करीब 4ञ्15 बजे बिजली मीटर बॉक्स में शॉर्ट सर्किट हो गया, जिसके चलते आग लग गई। कार्यालय स्टाफ ने मौके पर एनडीएमसी के बिजली कर्मचारी और फायर ब्रिगेड को घटना की सूचना दी। जहां टीमों ने 15 मिनट के अंदर ही आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया। इसके बाद दिल्ली भाजपा प्रदेश कार्यालय के परिसर की बिजली फिलहाल काट दी गई है। हालांकि, बिजली मीटर बॉक्स को ठीक करने के बाद पहले जैसा ही बिजली कनेक्शन शुरू कर दिया जाएगा। वहां मौजूद लोगों ने बताया कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने के समय लोग घटनास्थल पर ही मौजूद थे। इसलिए तुरंत समय पर बिजली काट दिया गया। इसके कारण से आग ज्यादा नहीं फैल सकी। फिर बिजली विभाग के कर्मचारियों ने तुरंत आग पर काबू पा लिया।

पीएम मोदी अपने लिए नहीं अमित शाह के लिए मांग रहे वोट : सीएम केजरीवाल

बीजेपी की सबसे बड़ी हार होने वाली है :अखिलेश

संवाददाता

लखनऊ, 16 मई (नवसत्ता) आम आदमी पार्टी अध्यक्ष व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आज लखनऊ में थे। उन्होंने यहां सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस की। उन्होंने कहा कि देश से जो आंकड़े आ रहे हैं, उनमें 4 जून को इंडिया गठबंधन की सरकार बन रही है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक बार फिर पीएम नरेंद्र मोदी और बीजेपी पर हमला बोला है। उन्होंने गुरुवार को लखनऊ में समाजवादी वार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ एक संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि वो लखनऊ चार बातें सामने रखने आए हैं। पहली-प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने लिए नहीं अमित शाह के लिए वोट मांग रहे हैं। दूसरी-अगर ये लोग जीत गए तो योगी आदित्यनाथ को 2-3 महीने में सीएम पद से हटा दिया जाएगा। तीसरी-ये जीत गए तो इनकी पूरी तैयारी है कि ये संविधान बदलकर एससी,एसटी, ओबीसी का आरक्षण खत्म कर देंगे। चौथी-देश भर से जो आंकड़े आ रहे हैं वो दिखा रहे हैं कि 4 जून को इंडिया गठबंधन की सरकार बनने वाली है। हालांकि स्वाति मालीवाल मामले में पूछे गए सवाल पर उन्होंने चुप्पी साध ली। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि 400 पार सीट लाकर देश से आरक्षण को खत्म करना चाहते हैं। बाबा साहब अंबेडकर ने जो संविधान बनाया था, उसे तार-तार करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी 220 से कम सीटें जीत रहे हैं। महाराष्ट्र, बंगाल, यूपी, बिहार, झारखंड, पंजाब और हरियाणा में इनकी सीटें कम हो रही है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि इस बार सबसे बड़ी हार बीजेपी की होने वाली है। हारने के बाद ये झूठ की यूनिवर्सिटी खोलेंगे। वाइस चांसलर और डीन पहले से रिटायर होकर वहां नियुक्त हो जाएंगे। बीजेपी किसी के सगे नहीं हैं और वो झूठे मुकदमे लगाने वाला गैंग है। उधर स्वाति मालीवाल मामले में मीडिया के सवाल पर अरविंद केजरीवाल ने चुप्पी साध ली। इस पर आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि पूरा देश हतप्रभ है दुखी है आज तक पीड़ित है मणिपुर में जब करगिल युद्ध लड़ने वाले सिपाही की पत्नी को निवस्त्र करके घुमाया गया, हजारों महिलाओं के साथ दरिंदगी हुई भारत के प्रधानमंत्री चुप रहे।

दो जून को करना होगा आत्मसमर्पण : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली- उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली आबकारी नीति कथित घोटाले के मामले में गिरफ्तारी के बाद एक जून तक अंतरिम जमानत पर 10 मई को तिहाड़ जेल से रिहा हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के चुनावी सभा के एक कथित बयान अगर लोगों ने झाड़ू को वोट दिया तो मुझे वापस जेल नहीं जाना पड़ेगा पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की आपत्ति पर गुरुवार को कहा उसका आदेश बिल्कुल स्पष्ट है कि उन्हें दो जून को आत्मसमर्पण करना होगा। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और दीपांकर दत्ता की पीठ ने स्पष्ट किया कि उसने केजरीवाल के मामले को अपवाद नहीं बनाया है। उन्हें अंतरिम जमानत पर रिहा किया जाना उचित है।पीठ ने आगे कहा, हमारा आदेश बहुत स्पष्ट है। हमने एक समय सीमा तय की है कि अमुक तारीख के दौरान को वह जमानत पर हैं और जिस तारीख को उन्हें आत्मसमर्पण करना है (दो जून को, केजरीवाल को आत्मसमर्पण करना होगा)। यह शीर्ष अदालत का आदेश है।

सपा और कांग्रेस इन माफिया और डकैतों की संरक्षक रही है

बांदा- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के बयानों पर तगड़ा पलटवार किया है। उन्होंने कहा है कि केजरीवाल की बुद्धि जेल जाने के बाद फिर गई है। अन्ना हजारे के सपनों पर पानी फेरने वाले केजरीवाल अब मेरा नाम लेकर बातें कर रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि अन्ना ने जिस कांग्रेस के खिलाफ आंदोलन किया था, केजरीवाल ने उसे ही अपने गले का हार बना लिया है। सीएम योगी गुरुवार को यहां तिंदवारी में हमीरपुर-महोबा लोकसभा सीट के लिए चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यहां से पार्टी प्रत्याशी पुष्पेन्द्र सिंह चंदेल के लिए जनता से वोट की अपील की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि जेल जाकर उन्हें पता चल गया है कि अब वह कभी जेल के बाहर नहीं आने वाले हैं। उन्होंने अन्ना हजारे के सपनों पर पानी फेरने का काम किया है। इस पाप के लिए अन्ना हजारे उन्हें कभी माफ नहीं कर सकते। आम आदमी पार्टी ने सत्ता में पहुंचकर अपने ईद-गिर्द भ्रष्टाचारियों का जमावड़ा लगा दिया है। अन्ना दुखी होते होंगे कि मेरे आंदोलन की उपज किस प्रकार की राजनीति करते हैं। केजरीवाल के जेल में होने से दिल्लीवासी खुश थे कि कम से कम उनकी खांसी बंद थी, अब ये फिर से दिल्ली वालों को खांसने के लिए मजबूर कर देंगे। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि तिंदवारा विधानसभा देश का इतिहास लिखने वाला क्षेत्र है। इस विधानसभा ने प्रदेश को मुख्यमंत्री और देश को प्रधानमंत्री भी दिया है। जब यहां कार्यक्रम करने के लिए मुझसे कहा गया तो मैं खुद को रोक नहीं पाया। उन्होंने कहा कि आज से 10 साल पहले का बुंदेलखंड और आज के बुंदेलखंड में जमीन आसमान का अंतर है। पहले यहां माफिया हावी थे, खनन माफिया, भू माफिया, जंगल माफिया और डकैतों का आतंक था। सपा और कांग्रेस इन माफिया और डकैतों की संरक्षक रही है। ये लोग ऐसे तत्वों को यहां से जनप्रतिनिधि बनाकर भेजते थे, फिर यही माफिया और डकैत जनता का शोषण करते थे और संसाधनों पर डकैती डालते थे। प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर बुंदेलखंड के युवाओं को पलायन करना पड़ता था, बेटियों, बहनों को मीलों दूर सिर पर मटकी रखकर पानी लाने को मजबूर होना पड़ा।

के. कविता की याचिका पर सीबीआई को नोटिस

एजेंसी

नई दिल्ली, 16 मई (नवसत्ता) ईडी ने कोर्ट को बताया कि धनशोधन मामले में अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी के खिलाफ जल्द ही अभियोजन शिकायत दाखिल करेंगे। इधर के कविता की याचिका पर कोर्ट ने सीबीआई को नोटिस जारी किया है। दिल्ली हाई कोर्ट ने उत्पाद शुल्क नीति मामले में बीआरएस नेता के कविता द्वारा दायर जमानत याचिका पर सीबीआई को नोटिस जारी किया। अदालत ने विस्तृत सुनवाई के लिए 24 मई की तारीख तय की है। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को लोकसभा चुनाव में प्रचार के लिए अंतरिम जमानत देना कोई अपवाद नहीं है और इस फैसले के 'आलोचनात्मक विश्लेषण' का स्वागत है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल को दी गई अंतरिम जमानत के संबंध में दिए गए कुछ बयानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केजरीवाल के वकील के दावों तथा जवाबी दावों पर विचार करने से इनकार कर दिया।

ईडी की ओर से सॉलसिटर जनरल तुषार मेहता ने चुनावी रैलियों में दिए गए केजरीवाल के इन भाषणों पर विरोध जताया कि अगर जनता आम आदमी पार्टी को वोट देती है तो उन्हें दो जून को जेल वापस नहीं जाना पड़ेगा। पीठ ने मेहता से कहा, यह उनका मानना है।

हम कुछ नहीं कह सकते। कोर्ट ने दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में केजरीवाल को एक जून तक अंतरिम जमानत दी थी। अदालत ने उन्हें दो जून को आत्मसमर्पण करने को कहा है। केजरीवाल को इस मामले में 21 को गिरफ्तार किया गया था।

महिला आयोग ने बिभव कुमार को भेजा समन

एजेंसी

नई दिल्ली, 16 मई (नवसत्ता) राष्ट्रीय महिला आयोग ने राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के साथ मारपीट करने के मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निजी सचिव बिभव कुमार को तलब किया है।

महिला आयोग ने बृहस्पतिवार को श्री बिभव कुमार के कार्यालय को भेजे एक पत्र में उन्हें कल , सुबह 11 बजे आयोग के समक्ष पेश होने को कहा है। आयोग ने कहा है कि अगर निर्धारित समय पर वह आयोग के समक्ष पेश होने में विफल रहते हैं तो प्रावधानों के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आयोग में अवर सचिव शालिनी रस्तोगी ने पत्र में कहा है कि आयोग ने सुश्री मालीवाल के साथ मारपीट के समाचारों पर स्वतञ् संज्ञान लिया है।

आयोग के कहा है कि समाचारों के अनुसार राज्यसभा सांसद एवं दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष स्वाति मालीवाल के साथ दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निजी सचिव बिभव कुमार ने हिंसक हमला किया है।

कोविशील्ड की तरह अब कोवैक्सीन टीके के भी साइड इफेक्ट आये सामने

एजेंसी

नई दिल्ली, 16 मई (नवसत्ता) कोरोना महामारी के वक्त पूरी दुनिया मानो जैसे थम सी गई थी। इससे बचाव के लिए देश में बड़े पैमाने पर लोगों ने कोविशील्ड और कोवैक्सीन टीके लगवाए थे। लेकिन अब इन दोनो टीकों के साइड इफेक्ट सामने आने लग गए हैं। कोरोना महामारी के वक्त पूरी दुनिया मानो जैसे थम सी गई थी। इससे बचाव के लिए देश में बड़े पैमाने पर लोगों ने कोविशील्ड और कोवैक्सीन टीके लगवाए थे। लेकिन अब इन दोनो टीकों के साइड इफेक्ट सामने आने लग गए हैं। कोविशील्ड बनने वाली ब्रिटिश कंपनी एस्ट्राजेनिका ने पिछले दिनों वहां की एक अदालत में स्वीकार किया था कि उसके टीके से कुछ लोगों में गंभीर बीमारी हो सकती है। वहीं दूसरी तरफ बात करें कोवैक्सीन की तो अब उसके भी साइड इफेक्ट सबके सामने आने लग गए हैं। एक रीप्रोट के मुताबिक एक साल बाद तक काफी

लोंगो में इसके साइड इफेक्ट देखने को मिल रहे हैं। इनता ही नहीं इसका सबसे ज्यादा प्रभाव किशोर लड़कियों पर पड़ा है। जिसमें कुछ साइड इफेक्ट बेहद गंभीर किस्म के थे। इन वैक्सीन को लेकर एक 'ऑब्जर्वेशनल स्टडी' की गई थी जिसमें टीका लगवाने वाले एक तिहाई लोगों में 'एडवर्स इवेंट्स ऑफ स्पेशल इंट्रेस्ट' यानी एईएसआई पाया गया। यह स्टडी रिपोर्ट स्प्रिंगर लिंक जर्नल में प्रकाशित हुई है। बता दें कि ये स्टडी बनारस हिंदू विश्वविद्याल की संखा शुभ्रा चक्रबर्ती और उनकी टीम ने किया है। इस रिपोर्ट के अनुसार टीका लगवाने वाले अधिकतर लोगों में एक साल तक साइड इफेक्ट देखा गया। हालांकि, इस स्टडी में 1024 लोगों को शामिल किया गया। इन सभी लोगो से फॉलोअफ चेकअप के लिए संपर्क किया गया था। स्टडी में 304 किशोरों यानी करीब 48 प्रतिशत में 'वायरल अपर रेस्पेरेट्री ट्रैक इंफेक्शन्स' देखा गया। इसके अलावा 10.5 फीसदी किशोरों में 'न्यू-ऑनसेट स्कीन एंड सबकुटैनियस डिसऑर्डर', 10.2 जनरल डिसऑर्डर यानी आम परेशानी, 4.7 फीसदी में नर्वस सिस्टम डिसऑर्डर यानी नसों से जुड़ी परेशानी पाई गई। इसी तरह 8.9 फीसदी युवा लोगों में आम परेशानी, 5.8 फीसदी में मुस्कुलोस्केलेटल डिसऑर्डर यानी मांसपेशियों, नसों, जोड़ों से जुड़ी परेशानी और 5.5 में नर्वस सिस्टम से जुड़ी परेशानी देखी गई। रिपोर्ट के मुताबिक कोवैक्सीन का साइड इफेक्ट युवा महिलाओं में भी देखा गया।

लेक्ट्रिक्स ईवी ने की फ्यूचरइलेक्ट्रा के साथ साझेदारी

नई दिल्ली, 16 मई (नवसत्ता) इलेक्ट्रिक वाहन ईवी उद्योग में शीर्ष 10 कंपनियों में से एक, लेक्ट्रिक्स ईवी ने इलेक्ट्रिक मोबिलिटी क्षेत्र की दूरदर्शी कंपनी फ्यूचरइलेक्ट्रा के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की है। कंपनी ने आज यहां कहा कि यह गठबंधन भारत की गतिशीलता के स्थायी और सुलभ भविष्य की यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। फ्यूचरइलेक्ट्रा इलेक्ट्रिक मोबिलिटी क्षेत्र को सभी लोगों और व्यवसायों के लिए समावेशी और अनुकूलित बनाकर इस क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध है। एंड-टू-एंड समाधान प्रदान करने पर ध्यान देने के साथ, फ्यूचरइलेक्ट्रा का लक्ष्य अधिक पर्यावरण अनुकूल अधिक कुशल भविष्य में योगदान देते हुए इलेक्ट्रिक परिवहन में बदलाव को तेज गति से आगे बढ़ाना है। इस साझेदारी के हिस्से के रूप में, एसएआर ग्रुप की इलेक्ट्रिक मोबिलिटी इकाई, अपने अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लिए प्रसिद्ध लेक्ट्रिक्स ईवी, एक वर्ष के दौरान फ्यूचरइलेक्ट्रा को अपने अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की 2500 इकाइयों की आपूर्ति करेगी।

नव्य-भव्य धाम काशी ने विशिष्ट संस्कृति और परंपराओं को जीवंत रखा है

विश्वनाथ के दरबार में 139 देश के भक्तों ने लगाई हाजिरी

संवाददाता

वाराणसी, 16 मई (नवसत्ता) काशी हमेशा से विदेशी पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र रही है। धर्म, अध्यात्म और संस्कृति को जानने की जिज्ञासा विदेशी पर्यटकों को सात समुद्र पार से काशी खींच लाती है। नव्य भव्य श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के विस्तारित होने के बाद धाम में आने वाले श्रद्धालुओं के देशों के भक्तों की संख्या बढ़ गई है। बाबा के दरबार में 139 देशों के भक्तों ने पिछले दो सालो में हाज़री लगाई है। काशी को इतिहास से भी प्राचीन लिविंग सिटी का दर्जा प्राप्त है। सुप्रसिद्ध यूरोपियन लेखक और साहित्यकार मार्क ट्वेन ने काशी की कथाओं और आध्यात्मिक परंपरा पर मंत्रमुग्ध हो कर लिखा है,÷बनारस इतिहास से भी पुराना है, परंपरा से भी पुराना है, किंवदंतियों

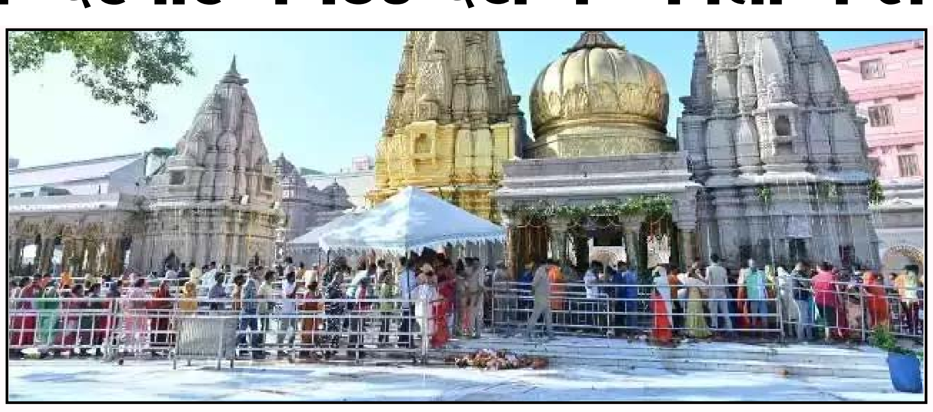

से भी पुराना है और इन सभी को जोड़कर तुलना करें तो इनकी संयुक्त आयु से भी दोगुना पुराना होने की प्रतीति देता है। धरोहरों और विरासत को सदियों से संजो के रखने वाली काशी ने विशिष्ट संस्कृति और परंपराओं को जीवंत रखा है। विदेशी सैलानियों को काशी का यही कौतूहल खींच कर लाता है। विदेशी सैलानियों में एक बड़ी संख्या में सैलानी श्रीकाशी विश्वनाथ जी के दर्शन करने भी आते हैं। श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र ने बताया कि धाम के लोकार्पण के बाद लगभग 25 महीनों में बाबा के दरबार में 139 देशों के भक्तों ने हाजिरी लगाई है। वहीं यदि संख्यात्मक आंकड़ों की बात करें तो वर्ष 2019 के मुकाबले वर्ष 2023 में केवल श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन करने वाले विदेशी सैलानियों की संख्या में ही चार गुने से भी अधिक की वृद्धि हुई है। यहां यह उल्लेखनीय है कि अनेक गैर सनातन मतावलंबी काशी आते हैं, परंतु मंदिर में दर्शन नहीं करने जाते। अतः श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के सीईओ द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों में ऐसे सैलानियों की गिनती इस संख्या में सम्मिलित नहीं है। इसी प्रकार बड़ी संख्या में सारनाथ होते हुए बौद्ध परिपथ के विदेशी पर्यटक भी इस संख्या में सम्मिलित नहीं हैं।

तंत्र, शाक्त, क्रिया योग, जैन, अघोरपंथ के बड़े आश्रमों एवं साधना स्थलों पर सीधे पहुंचने वाले इन विद्याओं के विदेशी साधक भी इस आंकड़े में सम्मिलित नहीं हैं। काशी की दुनिया से अच्छी कनेक्टिविटी, सुरक्षा, मूल-भूत ढांचा में सुधार से बढ़ी सुविधाओं ने काशी में पर्यटकों का रुझान और बढ़ा दिया है। विदेशी सैलानी काशी के मंदिरों, धरोहर और संस्कृति को देखने ही नहीं आते बल्कि काशी को जीने भी आते हैं। विदेशी पर्यटक हिंदी, संस्कृत, संगीत और मंत्रो को सीखने के लिए काशी में कई दिनों तक रहते भी हैं।

ब्रिटिश फैशन कंपनी एएसओएस के प्रोडक्ट भारत में बेचेगा रिलायंस रिटेल

एजेंसी

नई दिल्ली, 16 मई (नवसत्ता) ब्रिटेन की मशहूर ऑनलाइन फैशन कंपनी एएसओएस के प्रोडक्ट भारत में बेचने के लिए रिलायंस रिटेल ने एक दीर्घकालीन साझेदारी की है। लाइसेंसिंग समझौते के तहत, रिलायंस रिटेल भारत में सभी ऑनलाइन और ऑफलाइन चैनलों पर एएसओएस के प्रोडक्ट्स ग्राहकों को उपलब्ध कराएगा। एएसओएस दुनिया भर के युवा फैशन-प्रेमियों के बीच खासा लोकप्रिय है। कंपनी के प्रोडक्ट 200 से अधिक बाजारों में उपलब्ध हैं। साझेदारी पर खुशी जाहिर करते हुए रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड की निदेशक ईशा अंबानी ने कहा, हम अपने फैशन परिवार में एएसओएस का स्वागत करते हैं, वैश्विक फैशन

रुझानों को भारत के बाजारों तक लाने के हमारे समर्पण में यह एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह साझेदारी भारत के प्रमुख खुदरा बाजारों में हमारी मजबूत स्थिति को दिखाती है, साथ ही यह सुनिश्चित करती है कि हमारे ग्राहकों की पहुंच अत्याधुनिक फैशन तक हो, वो फैशन जो वे चाहते हैं। एएसओएस के सीईओ जोस एंटोनियो रामोस ने कहा, रिलायंस रिटेल के साथ मिलकर, हम भारत में ग्राहकों के लिए अपने कुछ फैशन-आधारित ब्रांड लाने के लिए उत्साहित हैं - जिसमें एएसओएस डिज़ाइन भी शामिल है, जो इस पूरी दुनिया में सबसे बड़े ब्रिटिश फैशन ब्रांडों में से एक है। रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड (रिलायंस रिटेल), आरआईएल (रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड) समूह के तहत सभी खुदरा कंपनियों की होल्डिंग कंपनी है। रिलायंस रिटेल कुल 18,836 से अधिक स्टोर और डिजिटल ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों का एक एकीकृत ओमनी-चैनल नेटवर्क संचालित करती हैं। रिलायंस रिटेल ने अपनी न्यू कॉमर्स पहल के माध्यम से 30 लाख से अधिक व्यापारियों के साथ साझेदारी की है।

मोदी जी की राजनीति केवल हिन्दू मुसलमान, जनता के असल मुद्दे नहीं: प्रियंका गांधी

गाँधी जी के सत्य अहिंसा से धर्म हमने सीखा, धर्म की राजनीति नहीं की

संवाददाता

रायबरेली, 16 मई (नवसत्ता)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की महासचिव श्रीमती प्रियंका गांधी ने आज सरेनी विधानसभा में चौदहमिल, दो सड़का, सरेनी कनहा, भोजपुर में नुक्कड़ सभाएं किया। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गाँधी जी नें सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि आपके प्रत्याशी मेरे भाई राहुल गाँधी जी हैं। मेरी माता जी ने पिछले20 सालों से आपकी सेवा की है। आप सबको पता है कि माता जी के कार्यकाल में रायबरेली का कितना विकास हुआ है। विभिन्न उद्योग धंधों की यहां पर स्थापना की गई। यहां रेल कोच फैक्ट्री लगी, एनटीपीसी की स्थापना हुई। सेल आदि तमाम ऐसे बड़े-बड़े कारखाने लगाए गए। मेरे बड़े भाई पहले अमेठी के सांसद थे उन्होंने अमेठी में बहुत काम कराया। और मेरे पूरे परिवार के कार्यकाल में यहां बहुत बड़े-बड़े विकास के कार्य हुए हैं आपने स्वयं देखा है कि किस तरह से इस पूरे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था बदली आपने खुद देखा कैसे लालगंज में जब रेल कोच फैक्ट्री बनी तो लोग उसके विरोध में उठ खड़े हुए थे। उसके ऊपर प्रश्न उठाने लगे थे लेकिन उससे मिलने वाले रोजगार ने लोगों को चुप कर दिया। क्योंकि लालगंज के रेल कोच फैक्ट्री से न केवल लोगों को रोजगार मिला बल्कि आसपास के लोगों की अर्थव्यवस्था भी मजबूत हुई छोटे-छोटे दुकानें बनी,अस्पताल बने तमाम ऐसी चीज बनी जिससे आप सभी का फायदा हुआ। आप रायबरेली वासियों में जो राजनीति समझ है उसकी एक अलग ही सभ्यता रही है हमेशा से। उस सभ्यता की शुरुआत आप नें ही करवाई। क्योंकि आप सबसे अधिक जागरूक रहे हैं। आपने 100 साल पहले ही आपके यहां के किसानों ने अंग्रेजों के खिलाफ आंदोलन किया था। आप सब जो

राजनीतिक चेतना,जो जागरूकता रही है उसने हमारे परिवार की जवाबदेही तय कराई। जिससे दोनों के बीच में संवाद का रिश्ता बना रहा और वह रिश्ता सिर्फ राजनीतिक रिश्ता नहीं बल्कि प्रेम आदर समर्थन समर्पण रिश्ता रहा है। और इस वजह से जो जो सांसद इस क्षेत्र का रहा चाहे इंदिरा जी जैसी हस्ती हों, प्रधानमंत्री हों सब जानते थे कि आपके प्रति वह जवाबदेह हैं। उनके जवाबदेही आपके लिए है। उन्हें आपके लिए काम करना है और तभी आपसे वोट लेना है। वह जानते थे कि अगर वह काम नहीं करेंगे तो आप नाराज भी होंगे और हो सकता है कि आप उनका समर्थन न करें। इसलिए हमेशा हमारे परिवार के नेताओं ने आपके प्रति जवाबदेही निभाई है। अक्सर यह होता है जब नेता को सत्ता मिल जाती है तो उसके अंदर अहंकार हो जाता है और उस अहंकार से वह अपना कार्य नहीं करता है और वह जनता के बीच में आना बंद कर देता है। जनता की समस्याओं को सुनता नहीं, जनता की समस्याओं का निवारण नहीं करते। यहां पर आपकी राजनीतिक समझ नें नेताओं को आपके प्रति जवाबदेह बनाया और काम के बदले आपसे वोट मांगा। आपकी ताकत आपके मतदान में है।आपने तो एक बार इंदिरा जी को हरा दिया क्योंकि आपको उनकी एक नीति पसंद नहीं आई जो आपके लिए सही नहीं है तो आपने उन्हें चुनाव हरा दिया। इंदिरा जी नाराज नहीं हुई बल्कि आत्म चिंतन करके अपनी गलती स्वीकारी और फिर 3 साल बाद आपके सामने आई तो आपने फिर से उन्हें पूर्ण समर्थन दिया उन्हें जिताया। भारत के लोकतंत्र का मतलब ही है कि जनता के प्रति जवाबदेही हो।

अगर आज आप देखे तो महंगाई अपने चरम पर है लोगों के पास रोजगार नहीं है किसानों की आय कम हो गई है। आप आपनी जिंदगी की जरूरत के सामान आप नहीं खरीद पा रहे हैं। खेती किसानी के सामानों पर जीएसटी का टैक्स डालकर किसानों को कर्ज के बोझ से दबा दिया गया है आप अपने बच्चों को बहुत मुश्किल से पढ़ा लिखा कर रोजगार के लायक बनाते हैं। फिर भी मोदी सरकार आज के युवाओं को रोजगार देने में असमर्थ है। पिछले 10 वर्ष की सरकार में आपको ना रोजगार मिला न महंगाई से निजात। बल्कि आपके ऊपर और भी बोझ डाल दिया गया। विकास के नाम पर आपसे सरकार बनाने की बात की थी इनमें से कोई भी कार्य पूरा नहीं किया गया। सिर्फ आपको झूठ के भरोसे ठगा गया। पिछले 40 सालों में अगर पिछले 10 सालों को देखें तो इस 10 साल की भाजपा सरकार में बेरोजगारी अपने चरम पर है। पहले खेती से रोजगार होता था वह रोजगार भी खत्म हो गया है महंगाई के कारण और इन सब के बाद आवारा पशुओं की समस्या जिससे खड़ी फसलों को नुकसान हो जाता है।

और सरकार के ऊपर जूँ तक नहीं रेंगती है। महंगाई और बेरोजगारी पर मोदी जी के मुंह से शब्द नहीं निकलता है। आज ये लोग धर्म के नाम पर राजनीति करते हैं। हम गाँधी के बताये गये सत्य अहिंसा के धर्म को जी के बताए गए सत्य हिंसा का पालन करने वाले लोग हैं द्य महात्मा गाँधी जी पुरे जीवन इसी का पालन करते रहे। जब उन्हें गोली लगी उनके मुँह से हे राम निकला.... इससे बड़ा धर्म क्या धर्म क्या होगा।

स्वाति मालीवाल मामले पर बोलीं - मैं हमेशा ही महिलाओं के साथ हूं

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने स्वाति मालीवाल से हिंसा मामले पर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि इसमें दो बाते हैं। पहला, अगर महिलाओं के साथ कुछ गलत होता है तो हम उनके साथ खड़े हैं। मैं हमेशा महिलाओं के साथ ही खड़ी रहती हूं चाहें वे किसी भी पार्टी की हों। दूसरा आप आपस में चर्चा करेगी... वो आपस में निर्णय लेंगे। ये उन पर है। वहीं, उन्होंने कहा कि कांग्रेस अमेठी और रायबरेली दोनों ही सीटों पर जीत दर्ज कर रही है। जनता हमारे साथ है।

प्रियंका गांधी ने कहा कि चुनाव की शुरुआत में भाजपा अबकी बार 400 पार... का नारा दोहराती थी पर अब वो ऐसा नहीं करते हैं। चार चरणों के चुनाव के बाद अब वो इसकी बात भी नहीं कर रहे हैं।

प्रियंका गांधी ने इंडिया गठबंधन के प्रधानमंत्री के चेहरे पर कहा कि जब मौका आएगा तो इसका भी निर्णय हो जाएगा। ये चुनाव महंगाई, बेरोजगारी, मध्यम वर्ग की दिक्कतों और किसानों के मुद्दे पर लड़ा जा रहा है। भाजपा के नेताओं को इन मुद्दों पर बात करनी चाहिए।

आरजेएपीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक सिंह रघुवंशी ने थामा कांग्रेस का दामन

संवाददाता

रायबरेली, 16 मई (नवसत्ता)। राष्ट्रीय जन अधिकारी पार्टी यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक सिंह रघुवंशी ने अपने सैकड़ो समर्थको के साथ प्रियंका गांधी की उमरन में आयोजित जनसभा में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजा कुं. अजयपाल सिंह ऊंचाहार विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी अतुल सिंह की उपस्थिति में कांग्रेस का दामन थामा और रायबरेली व अमेठी में कांग्रेस की जीत की हुंकार भरी। बुधवार को ऊंचाहार विधानसभा के उमरन में आयोजित कांग्रेस की जनसभा में राष्ट्रीय जन अधिकारी पार्टी यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक सिंह रघुवंशी ने अपने समर्थकों प्रदेश अध्यक्ष अजय बाजपेयी, कोषाध्यक्ष सुशील निषाद, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सिब्बू प्रदेश उपाध्यक्ष जैद आदि सैकड़ो समर्थकों के साथ कांग्रेस का दामन थामा। इस मौके पर प्रियंका गांधी ने सभी का स्वागत करते हुए रायबरेली एवं अमेठी में प्रत्याशियों को विजय दिलाने हेतु हुंकार भरी।

राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक सिंह रघुवंशी ने अपने उद्बोधन में कहा कि 102 छोटी पार्टीयों का गठबन्धन 2019 के लोकसभा में बनाया गया था। उस गठबन्धन की सभी पार्टियों ने राहुल गांधी को अपना-अपना समर्थन दिया है। उन्होने कहा कि निश्चित ही यहां से कांग्रेस बड़े अंतर से जीत कर देश में अपनी सरकार बनायेगी और राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाया जायेगा।

इस अवसर पर प्रियंका गांधी ने कांग्रेस को समर्थन देने वाली सभी पार्टियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आप लोगों के आने से कांग्रेस को मजबूती मिलेगी।

रायबरेली पहुंची सोनिया गांधी, आज प्रियंका, राहुल और अखिलेश यादव के साथ दिखेंगी एक मंच पर

संवाददाता

रायबरेली, 16 मई (नवसत्ता)। सोनिया गांधी रायबरेली पहुंच गई हैं। शुक्रवार को वह रायबरेली आईटीआई के पास होने वाली रैली को संबोधित करेंगी। इस रैली में उनके साथ मंच पर राहुल गांधी, सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी और अखिलेश यादव होंगे। यह पहला मौका होगा जब सोनिया गांधी अखिलेश यादव के साथ मंच शेयर करेंगी।

जिले की राजनीति के लिए शुक्रवार का दिन ऐतिहासिक होगा, क्योंकि यह पहली बार हो रहा है, जब एक ही दिन दिग्गजों का जमावड़ा लग रहा है। चुनावी बाजी कौन मरेगा, यह चार जून को पता चलेगा, लेकिन इस दिन सियासी तपिश जरूर बढ़ जाएगी।

ऊंचाहार विधानसभा क्षेत्र के दौलतपुर जहां एक सप्ताह में दूसरी बार गृहमंत्री अमित शाह आएंगे। उनकी मौजूदगी में सपा विधायक डॉ. मनोज कुमार पांडेय भाजपा की सदस्यता ले सकते हैं। वहीं शहर के राजीव गांधी स्टेडियम शिवाजी नगर में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और सपा मुखिया अखिलेश यादव संयुक्त रूप से जनसभा करके सियासी तपिश ब?ाएंगे। वैसे तो रायबरेली में पांचवें चरण का चुनाव 20 मई को है। 18 मई को शाम पांच बजे प्रचार थम जाएगा, लेकिन शुक्रवार का दिन इस चुनाव का सबसे महत्वपूर्ण दिन है।

भाजपा व कांग्रेस पार्टी के मध्य कांटे की टक्कर, जनता करेगी हार जीत का फैसला

संवाददाता

लालगंज-रायबरेली, 16 मई (नवसत्ता)। देश में लोकसभा का चुनाव गतिमान है जिसमे रायबरेली की सीट वीआईपी मानी जा रही है क्योंकि भाजपा से जिले के उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह तथा कांग्रेस पार्टी से राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी चुनावी मैदान में है।

अपनी-अपनी पार्टी के प्रत्याशी को चुनाव में जीत दिलाने के लिए भाजपा व कांग्रेस के राष्ट्रीय स्तर के कई दिग्गज नेताओं का जमावड़ा रायबरेली में है जो लगातार जनसभा, नुक्कड सभा घर-घर जाकर व रोड शो के माध्यम से अपने अपने प्रत्याशी को चुनाव जितवाने के लिए एड़ी से चोटी तक जोर लगा रहे है।

किस प्रत्याशी के सिर बंधेगा जीत का सेहरा ये तो आने वाली 20 मई

को जनता तय करेगी, फिलहाल जनता की अदालत में सभी प्रत्याशी अपना अपना पक्ष प्रस्तुत कर रहे है।

लालगंज तहसील में अधिवक्ताओं व उनके पास गांव-गांव से आने वाले वादकारियों से भी चुनावी हालचाल जानने का प्रयास किया गया कि रायबरेली लोकसभा के चुनाव में किस प्रत्याशी के सिर जीत का सेहरा बंधेगा उपस्थित अधिवक्ताओं ने अलग अलग पार्टी के कार्यों का गुणगान करते हुए अपनी-अपनी राय व्यक्त किया जिसमें अधिकतर अधिवक्ता भाजपा व कांग्रेस के पक्ष में दिखे तथा उनका मानना है कि भाजपा व कांग्रेस पार्टी के मध्य कांटे की टक्कर है इनमे कोई भी प्रत्याशी चुनाव जीत सकता है। चुनावी चर्चा में राजेश पासवान, केडी त्रिवेदी, शिवशंकर पांडे, अशोक शुक्ला, आनंद सिंह, ज्ञानेंद्र, रामसुंदर वैश्य, आशुतोष, धनंजय आदि मौजूद रहे।

दो सगे भाइयों को 10-10 साल की जेल

संवाददाता

झांसी,16 मई (नवसत्ता)। अपर सत्र न्यायाधीश विजय कुमार वर्मा-प्रथम की अदालत ने जानलेवा हमला करने का आरोप सिद्ध होने पर दो सगे भाइयों को 10-10 साल के कारावास की सजा सुनाई। अभियुक्तों ने प्रधान चुनाव की रंजिश में वारदात को अंजाम दिया था। न्यायालय ने आठ साल पुराने मामले में फैसला सुनाया।

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता देवेंद्र पांचाल ने बताया कि ग्राम अंबावाय निवासी रवि ने 17 जनवरी 2016 को सीपरी बाजार थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें बताया था कि 30 दिसंबर 2015 को वह अपनी रिश्तेदारी कुंडलपुर पिछोर से अपने घर अंबावाय आ रहा था। उसके साथ बाइक पर गांव का ही अनिल भी था। शाम तकरीबन साढ़े चार बजे जैसे ही वह रेलवे क्रॉसिंग पार कर तिराहे पर पहुंचे, वहां गांव के ही दो सगे भाई महेंद्र सिंह व राजकुमार लाठी, सरिया व तमंचा लिए हुए खड़े मिले। पहुंचते ही उन्होंने गाली-गलौज करते हुए हमला कर दिया। जब वह बचकर भागे तो विपक्षियों ने एक राय होकर तमंचे से उस पर फायर कर दिया। घटना में साथी अनिल भी घायल हो गया था। इसके बाद भी वह नहीं माने, उन्होंने लाठी-सरिये से भी हमला किया। इसके बाद वह जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से भाग गए। विपक्षियों ने हमला ग्राम प्रधान के चुनाव की रंजिश के चलते किया था।

न्यायालय ने पूरे मामले की सुनवाई के बाद अभियुक्त महेंद्र सिंह व राजकुमार को 10-10 साल के कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 20-20 हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया।

टीचर्स सेल्फ केयर ने किया ब्लाक टीम का गठन

संवाददाता

रायबरेली, 16 मई (नवसत्ता)। टी.एस.सी.टी. जिला कार्यकारिणी रामबरेली की एक बैठक जिला संयोजक अनुराग मिश्र के आवास पर सम्पन्न हुई। जिसमें रायबरेली जनपद के सात विकास खंडो के संयोजक एवं प्रवक्ता का मनोनयन किया गया। टी.एस.सी.टी. उत्तर प्रदेश के बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षकों के सहयोग से चलने वाली संस्था है।

जिसमें टीम के किसी शिक्षक की मृत्यु पर पूरे प्रदेश के शिक्षको द्वारा मात्र 25 रूपये का सहयोग मृत शिक्षक के नामिनी के बैंक अकॉउंट मे सीधे भेजा जाता है।

माह अप्रैल 2024 में ऐसे 7 शिक्षकों का सहयोग टीम द्वारा किया गया। जिसमें प्रत्येक परिवार को 56

लाख रुपये से अधिक का सहयोग प्राप्त हुआ।

इस संस्था का निर्माण प्रयागराज के शिक्षक श्री विवेकानन्द जी द्वारा 26 श्रनसल 2020 को किया गया था, टीम द्वारा अब तक 169 परिवारों को लगभग 53 करोड़ से अधिक की मदद की जा चुकी है। आज इसी क्रम में टी.एस.सी.टी. को प्रत्येक शिक्षक तक पहुंचाने की दिशा में रायबरेली जनपद के क्रमशः सात ब्लाक मे टीम का गठन किया गया जो निम्नलिखित है - डलमऊ -संयोजक राघवेंद्र वर्मा व प्रवक्ता निशांत पांडे गौरा- संयोजक अश्विनी शर्मा व प्रवक्ता चंद्रशेखर, सलोन- संयोजक अमरेश सिंह व प्रवक्ता विवेक मिश्र शिवगढ़- संयोजक सुनील कुमार व प्रवक्ता अनिल कुमार, सताव संयोजक आशीष पटेल व प्रवक्ता आशीष कुमार, महाराजगंज संयोजक विनोद कनौजिया व प्रवक्ता श्रीकांत यादव, छतोह- संयोजक राकेश सोनकर व प्रवक्ता अनवर अली।

इस मौके पर जिला संरक्षक अवध किशोर मिश्र , संयोजक अनुराग मिश्र जिला मीडिया प्रभारी शशांक त्रिवेदी धीरज श्रीवास्तव, हनी गुलाटी, संगीता अग्रहरि,जिला प्रवक्ता अखिलेश चौरसिया उपस्थित रहे।

केंद्रीय बल के घेरे में रहेंगे संवेदनशील बूथ

अमेठी,16 मई (नवसत्ता)। आगामी 20 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव में मतदान को लेकर जिले में 12 कंपनी केंद्रीय बल ने डेरा डाल दिया है। साथ ही एक कंपनी व एक प्लाटून पीएसी पहुंच गई है। सहारनपुर और अन्य जिलों की पुलिस का भी आना शुरू हो गया है। डीएम निशा अनंत व एसपी अनूप कुमार सिंह ने केंद्रीय बल के जवानों व अधिकारियों के साथ गौरीगंज में पैदल भ्रमण किया। चुनाव के लिए 12 कंपनी केंद्रीय बल के अलावा एक कंपनी पीएसी के जवान बुधवार को यहां आ गए हैं। जिला प्रशासन द्वारा चिन्हित संवेदनशील बूथ पूरी तरह केंद्रीय बलों के सुरक्षा घेरे में रहेंगे। संवेदनशील मतदान केंद्रों पर चुनाव केंद्रीय सुरक्षा बलों की निगरानी में कराया जाएगा। जवाहर नवोदय विद्यालय में ईवीएम रखी जाएंगी और यहीं पर मतगणना होगी। ईवीएम की सुरक्षा व मतगणना तीन सुरक्षा घेरों में संपन्न कराई जाएगी।

सस्ते सफर के चक्कर में जान जोखिम में डाल रहे वाहन चालक

संवाददाता

झांसी,16 मई (नवसत्ता)। चार पहिया वाहनों में गैस किट लगाने की दुकानें जगह-जगह खुली हैं। सस्ते सफर के चक्कर में चार पहिया वाहन चालक अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं। पुराने वाहनों में बिना रजिस्ट्रेशन कराए गैस किट लगाई जा रही हैं, जो तेज वाहन दौड़ाने पर शॉर्ट सर्किट के चलते वाहनों में आग लगने का कारण बन रही हैं। गैस किट लगाने के अलग-अलग रेट हैं। रजिस्ट्रेशन के साथ गैस किट लगाने का खर्च 56 हजार रुपये तक है और बिना रजिस्ट्रेशन कराए 21 हजार रुपये तक में किट लगाई जा रही है। आरटीओ में रजिस्ट्रेशन का ठेका भी दुकानदार ले रहे हैं। हालांकि कुछ दुकानदारों को आरटीओ ने अधिकृत किया है, लेकिन इसकी आड़ में तमाम दुकानदार इसे धंधा बनाए हुए हैं। गैस किट लगे वाहन पेट्रोल-डीजल की अपेक्षा 10 से 15 किलोमीटर अधिक दौड़ते हैं। इसलिए वाहन चालक गैस किट को पसंद कर रहे हैं, लेकिन गैस किट लगवाते समय भी सुरक्षा पर ध्यान नहीं दे रहे।

कंपनी फिटेड गैस किट लगे वाहन खरीदने के बजाय पुराने वाहनों में ही चलताऊ गैस किट लगवा रहे हैं, जिनके कम समय में ही शॉर्ट सर्किट से फटने की आशंका बनी रहती है। इस तरह के कई मामले सामने आ चुके हैं। परशुराम चौक के निकट एक दुकानदार ने बताया कि आरटीओ में रजिस्ट्रेशन कराने के साथ सीएनजी किट लगाने का खर्च करीब 56 हजार रुपये है, जबकि बिना रजिस्ट्रेशन कराए यही किट 36 हजार रुपये में लग जाएगी। इसके अलावा एलपीजी की किट मात्र 21 हजार रुपये में लगेगी। इस किट से घरेलू सिलिंडर से भी वाहन चलाया जा सकता है।

मोदी सरकार देश के गरीबों के लिए काम कर रही है: केशव मौर्य

संवाददाता

ऊंचाहार-रायबरेली, 16 मई (नवसत्ता)। उत्तर प्रदेश सरकार के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कांग्रेस पर जुबानी हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस के दलाल गरीबों को मिलने वाली योजनाओं में धांधली करते हैं। ये बाते उन्होंने लोकसभा उम्मीदवार दिनेश प्रताप सिंह के समर्थन में आयोजित एक जनसभा के दौरान कही। गुरुवार को विधानसभा क्षेत्र के किशुनदासपुर मे आयोजित जनसभा में पहुंचे उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शिरकत की। जहाँ लोकसभा उम्मीदवार दिनेश प्रताप सिंह ने उन्हें भगवान राम की प्रतिमा भेंट की। मौजूद जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र में मोदी व प्रदेश की योगी सरकार मिलकर रायबरेली का विकास करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री राजीव गांधी कहते थे कि अगर दिल्ली से विकास के लिए एक रुपया चलता है तो वो गांव तक आते आते 15 पैसे बचता है। इसलिए कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने गरीबों को सरकार बनने पर जो दस किलो राशन देने की बात कही है। उसमें साढ़े आठ किलो राशन कांग्रेस के दलाल खा जायेंगे। महज डेढ़ किलो राशन ही गरीब तक पहुंचेगा। उन्होंने बीजेपी के लोकसभा उम्मीदवार दिनेश प्रताप सिंह को बहुमत से जिताने की अपील की। उन्होंने कहा है कि भाजपा की मोदी सरकार देश के गरीबों के लिए काम कर रही है। गरीबों को उनका हक पहुंचा रही है। किसानों को किसान सम्मान निधि देकर उनके उपज का उचित मूल्य दे रही है। उन्होंने कहा कि इस बार भाजपा की सरकार बनने पर पुनः जो लोग आवास से वंचित रह गए हैं। उन गरीबों का आशियाना भाजपा सरकार अवश्य बनायेगी। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष रंजना चौधरी, पूर्व प्रत्याशी अंजली मौर्य जितेंद्र बहादुर सिंह, जितेंद्र सिंह सेमरा पवन सिंह, विनायक सिंह, हरिकेश मौर्य, धनराज यादव, शैलेंद्र गुप्ता, सोनू सिंह देवेंद्र सिंह समेत हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

लाइसेंस-शस्त्र 24 को करें प्राप्त : नगर मजिस्ट्रेट

संवाददाता

रायबरेली, 16 मई (नवसत्ता)। नगर मजिस्ट्रेट/प्रभारी अधिकारी (आयुध) बाबू राम ने बताया है कि मा0 उच्च न्यायालय, लखनऊ में योजित रिट याचिका संख्या सी-9426 ऑफ 2023 मंसूर अहमद बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित आदेश 28 अक्टूबर 2023 एवं दिनेश कुमार पुत्र स्व0 मैकूलाल निवासी पूरे बबुरिहा थाना फुरसतगंज जनपद अमेठी द्वारा वरासत के आधार पर प्राप्त लाइसेंस/शस्त्र प्राप्त करने हेतु मा0 न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश गैंगस्टर एक्ट, रायबरेली वाद संख्या-845/2022 अन्तर्गत धारा 14 (1) यूपीजी एक्ट, थाना कोतवाली नगर, रायबरेली में पारित आदेश 14 अगस्त 2023 के अनुपालन हेतु आयुध अधिनियम नियमावली 2016, के चैप्टर में आयुधों के डिस्पोजल के सम्बन्ध में दी गयी प्रक्रिया एवं प्राविधानों को दृष्टिगत रखते हुए जिला मजिस्ट्रेट के आदेश 29 अप्रैल 2024 के अन्तर्गत 04 सदस्यीय कमेटी गठित की गयी है तथा उक्त अनुज्ञापियों एवं अन्य अनुज्ञापियों के शस्त्र रिलीज किए जाने हेतु 24 मई 2024 तिथि निर्धारित की गया है। गठित कमेटी में नगर मजिस्ट्रेट, पुलिस क्षेत्राधिकारी नगर रायबरेली, संयुक्त निदेशक अभियोजन एवं अतुल गुप्ता निवासी 8/24 सत्यनगर थाना कोतवाली नगर रायबरेली है।

नगर मजिस्ट्रेट ने कहा है कि उक्त कमेटी 24 मई 2024 को प्रातः 11.00 बजे एस0 विलायत अली एण्ड सन्स कैपरगंज, रायबरेली, सील शस्त्र व्यावसायिक दुकान को खुलवाकर कमेटी की उपस्थिति में वीडियोग्राफी के साथ दुकान में जमा आयुधों को उनके वैध अनुज्ञापियों के पक्ष में रिलीज कराने एवं शेष बचे आयुधों को स्थानांतरित कराये जाने की कार्यवाही सुनिश्चित करायेगी। तत्पश्चात शस्त्र व्यवसायिक दुकान को पुनः सीज कर दिया जाए। इसके अतिरिक्त कमेटी द्वारा शस्त्र रिलीज करते समय अनुज्ञापियों से इस आशय का शपथ पत्र भी प्राप्त किया जायेगा कि शस्त्र किसी अभियोग में वांछित नहीं हैं।आयुध अधिनियम की धारा 21 की उपधारा-6 में यह प्राविधानित किया गया है, उल्लेखनीय है कि उक्त दोनो प्रकरण न्यायालय के आदेशों के अनुपालन से आच्छादित है तथा मंसूर अहमद उर्फ मसरूर अहमद द्वारा योजित अवमानना याचिका संख्या सीएपीएल नं0 1696 ऑफ 2024 में मा0 न्यायालय द्वारा आदेश 10 मई 2024 पारित करते हुए नियत तिथि 30 मई 2024 के पूर्व अनुपालन आख्या प्रस्तुत किए जाने के आदेश पारित किए गए है। ऐसी स्थिति में उक्त प्रकरण का समयबद्ध निस्तारण किया जाना अति आवश्यक है।

बिना मान्यता चल रहे स्कूल पर जड़ा ताला

सिंहपुर-अमेठी,16 मई (नवसत्ता)। मान्यता नहीं होने के आरोप में बीईओ ने एक निजी विद्यालय में ताला जड़ दिया। स्कूल में पढ़ रहे करीब 50 बच्चों को प्राथमिक विद्यालय, रुकुनपुर और प्राथमिक विद्यालय दांदूपुर में नामांकित करने के निर्देश दिए हैं। यह एक बानगी भर है। क्षेत्र में कई ऐसे स्कूल हैं जिनकी मान्यता कक्षा पांच तक है, जबकि इंटर तक वहां पढ़ाई हो रही है। खंड शिक्षा अधिकारी हरिओम तिवारी को रुकुनपुर मजरे जुगराजपुर में निजी विद्यालय का संचालन बिना मान्यता के होने की सूचना मिली। खंड शिक्षा अधिकारी ने बताया कि बुधवार को स्कूल का निरीक्षण करते हुए ताला खुलवाने पर स्कूल संचालित होता पाया गया। विभागीय टीम को देखकर शिक्षण कार्य में लगे प्रबंधक, शिक्षक कर्मचारी भाग निकले। इसके बाद टीम ने विद्यालय के मुख्य गेट पर बाहर से ताला लगा कर सील कर दिया।

रुकुनपुर में कार्रवाई के दायरे में आया यह स्कूल सिर्फ एक बानगी है, अभी भी क्षेत्र में कई विद्यालय बिना मान्यता के संचालित हो रहे हैं। अहोरवा भवानी राजा फत्तेपुर, शिवरतनगंज के आसपास कई विद्यालय कक्षा पांच की मान्यता लेकर इंटर तक संचालित हो रहे हैं। अवैध रूप से संचालित हो रहे इन विद्यालयों पर विभाग कब कार्रवाई करेगा कुछ पता नहीं है।

मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ने मांगे भाजपा के लिए वोट

संवाददाता

लालगंज-रायबरेली, 16 मई (नवसत्ता)। लालगंज के प्रतिष्ठित सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में प्रबुद्ध वर्ग सभा में मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला और सीधी लोकसभा से बीजेपी प्रत्याशी राजेश मिश्रा ने पहुंचकर मोदी सरकार की दस साल की उपलब्धियों का हवाला देते हुए कहा कि 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने में हमारी सरकार संकल्पबद्ध है, अबकी बार 400 पार के नारे को देश की जनता सच साबित करनें जा रही है।

रायबरेली की सीट भी भाजपा के खाते में जा रही है। मोदी जी ने ऐसे ऐसे कार्य किए है जो दूसरे के बस की बात नहीं है, मोदी सरकार के कार्यो से आज भारत का नाम विश्व में आर्थिक व सामरिक दृष्टिकोण से ऊंचा हो गया। भारत विश्व की महाशक्ति बनकर उभर रहा है, कांग्रेस विघटनकारी व संविधान को तोड़ने

वाली पार्टी है इस बार रायबरेली की जनता कमल का फूल खिलने जा रही है। इस मौके पर विहिप के प्रांतीय उपाध्यक्ष रामगोपाल त्रिपाठी ,विद्यालय के प्रबंधक व विश्व हिंदू परिषद के जिला संरक्षक रमाशंकर बाजपेई प्रधानाचार्या मधु शर्मा, त्रिलोकीनाथ शर्मा, जिला अध्यक्ष अजय पांडे जिला मंत्री नीरज बाजपेई, आदर्श बाजपेई, समीर मिश्रा, दीपेन्द्र रस्तोगी श्याम नारायण साहू, गौरव शुक्ल संजीव शुक्ला, संजय मिश्रा आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन विहिप के जिलाकार्याध्यक्ष रुपेश अवस्थी ने किया।

केजरीवाल ने किया है अन्ना के सपनों को तोड़ने का काम : योगी आदित्यनाथ

संवाददाता

आजमगढ़, कौशाम्बी, बांदा, फतेहपुर, 16 मई (नवसत्ता) मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में धुआंधार प्रचार किया। सीएम योगी आजमगढ़ और लालगंज लोकसभा सीट पर प्रधानमंत्री के साथ प्रचार अभियान में साथ दिया। वहीं कौशाम्बी, हमीरपुर-महोबा और फतेहपुर सीटों पर चुनाव प्रचार की कमान अपने हाथ में लेते हुए कांग्रेस, सपा, बसपा और आम आदमी पार्टी पर जमकर निशाना साधा। सीएम योगी ने सपा, कांग्रेस को ललकारते हुए कहा कि आजमगढ़ को बदनाम करने वाले लोग आज बेनकाब हो चुके हैं। वहीं कौशाम्बी में उन्होंने सपा-कांग्रेस के गठबंधन को नरकगामी और पाप का प्रतीक बताया। हमीरपुर-महोबा सीट की रैली में सीएम के निशाने पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल रहे। योगी ने कहा कि केजरीवाल जबसे जेल से बाहर आए हैं उनकी बुद्धि फिर गई है। उन्होंने अन्ना हजारे के सपनों को तोड़ने का पाप किया है। फतेहपुर में सीएम योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी के लोगों को जनसभा में जनता नहीं मिल रही, तो वह प्रेस कॉन्फ्रेंस तक सीमित हो चुके हैं। जनता भी कह रही है कि भैया आप लोग घर में ही ठीक हैं। आजमगढ़ के लालगंज में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि देश 10 वर्ष पहले पहचान और विश्वास के संकट से जूझ रहा था। हर एक व्यक्ति पर सुरक्षा का खतरा मंडरा रहा था। देश में विकास कार्य ठप हो चुके थे क्योंकि कांग्रेस नेतृत्व वाली सरकार भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुकी थी। वहीं देश और दुनिया में आतंकी घटना होने पर उसके तार आजमगढ़ से जोड़े जाते थे और उसे बदनाम किया जाता था। पिछले 10 वर्षों में हमने बदलते हुए भारत को देखा है। आजमगढ़ में महाराज सुहेलदेव के नाम पर एक विश्वविद्यालय बन गया है। इसके साथ ही आजमगढ़ पूर्वांचल एक्सप्रेस से जुड़ गया है।

आज आजमगढ़ में एयरपोर्ट भी है। ये सब मोदी की गारंटी से हुआ है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यहां लालगंज लोकसभा क्षेत्र में फरिया-निजामाबाद रोड के समीप जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहे। सीएम योगी ने आजमगढ़ से लोकसभा प्रत्याशी दिनेश लाल यादव निरहुआ और लालगंज लोकसभा प्रत्याशी नीलम सोनकर के पक्ष में वोट की अपील की। कौशांबी लोकसभा क्षेत्र के मंझनपुर में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने भाजपा प्रत्याशी विनोद सोनकर के लिए अधिक से अधिक मतदान की अपील की। इस अवसर पर सीएम योगी ने कौशांबी में डबल इंजन सरकार द्वारा किए गए कार्यों और उपलब्धियों की चर्चा की तो समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। सीएम योगी ने कहा कि ये सपा और कांग्रेस का गठबंधन जब भी हुआ है ये महामारी का कारण बना है। ये गठबंधन नरकगामी है, पाप का प्रतीक है, क्योंकि इनके पास विकास की कोई सोच नहीं है। ये नकारात्मक सोच के कारण देश के खिलाफ षडयंत्र कर रहे हैं। इन लोगों के मंसूबे देश के लिए खतरनाक हैं। मेरी क्षेत्र के जागरूक मतदाताओं से अपील है कि वो अपनी पार्टी लाइन से ऊपर उठें, जाति से उपर उठें और विकास के लिए वोट करें। बांदा के चुनावी रैली को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के बयानों पर तगड़ा पलटवार किया। उन्होंने कहा है कि केजरीवाल की बुद्धि जेल जाने के बाद फिर गई है।

अन्ना हजारे के सपनों पर पानी फेरने वाले केजरीवाल अब मेरा नाम लेकर बातें कर रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि अन्ना ने जिस कांग्रेस के खिलाफ आंदोलन किया था, केजरीवाल ने उसे ही अपने गले का हार बना लिया है। सीएम योगी गुरुवार को यहां तिंदवारी में हमीरपुर-महोबा लोकसभा सीट के लिए चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यहां से पार्टी प्रत्याशी पुष्पेन्द्र सिंह चंदेल के लिए जनता से वोट की अपील की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने सत्ता में पहुंचकर अपने ईद-गिर्द भ्रष्टाचारियों का जमावड़ा लगा दिया है। अन्ना दुखी होते होंगे कि मेरे आंदोलन की उपज किस प्रकार की राजनीति करते हैं। केजरीवाल के जेल में होने से दिल्लीवासी खुश थे कि कम से कम उनकी खांसी बंद थी, अब ये फिर से दिल्ली वालों को खांसने के लिए मजबूर कर देंगे।

खजाने के चक्कर में बच्चे की बलि मामले में तांत्रिक समेत तीन गिरफ्तार

संवाददाता

इटावा, 16 मई (नवसत्ता) उत्तर प्रदेश में इटावा जिले के जसवंतनगर इलाके के सिरसा की मढैया गांव में खजाने के चक्कर में बच्चे की बलि दिए जाने के मामले में पुलिस ने तांत्रिक समेत तीन को गिरफ्तार कर लिया गया है। इटावा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार ने गुरूवार यह जानकारी देते हुए बताया कि 14 अप्रैल को गायब हुए आठ साल के बालक का शव 19 अप्रैल को घने बीहड़ से बरामद किया गया था। पुलिस ने गहन पड़ताल के बाद पाया कि बच्चे का अपहरण के बाद खजाने के चक्कर में बलि चढ़ाते हुए गला काट कर निर्ममता पूर्वक हत्या की गयी। एसएसपी ने बताया कि आरोपी ने जंगल में गड़े हुए खजाने के लिए बालक की बलि देने की बात स्वीकार कर ली है। अब मुख्य आरोपी को पुलिस रिमांड पर लेने की तैयारी कर रही है साथ ही इन सभी आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर की भी कार्यवाई करने की बात पुलिस की ओर से कही जा रही है। एसएसपी कुमार ने बताया कि लवकुश ने पूछताछ में गंगा सिंह और मुख्य आरोपी मान सिंह का नाम बताया था। मानसिंह ने पिछले सप्ताह 8 मई को कोर्ट में सरेंडर करके हाजिर हो गया। पुलिस ने गंगा सिंह निवासी सिरसा की मढ़ैया को गिरफ्तार लिया। पूछताछ में पता चला कि जंगल में गड़ा खजाना पाने के लिए बच्चे की बलि दी गई थी। मानसिंह तंत्र-मंत्र करता है, जल्द ही उसे रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी। उन्होंने बताया कि तीनों के खिलाफ गैंगस्टर की भी कार्रवाई की जाएगी। मासूम का अपहरण कर बलि चढ़ाने वाले आरोपी को पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल छुरी समेत गिरफ्तार किया है। परिजनों की सूचना पर तांत्रिक समेत दो अन्य लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया था। गौरतलब है कि 14 अप्रैल को सिरसा की मढ़ैया थाना जसवंतनगर में मुलायम सिंह पुत्र मुंशीलाल निवासी ग्राम सिरसा ने अपने 8 वर्षीय पुत्र ओमजी उर्फ लकड़ो के गुम होने की सूचना थाने पर दी थी। पुलिस बच्चे को तलाशती रही थी कि ओमजी का चार दिन बाद शव उसके घर से महज 400 मीटर की दूरी पर सिर कटा बुरी हालत में शव बरामद हुआ था। इस घटना से गांव में कोहराम मच गया था। ओमजी के परिवार वालों ने ही इन तीनों आरोपियों के ऊपर तंत्र क्रिया के चलते उनके बेटे की अपहरण कर हत्या का आरोप लगाया था।

युवती की पिता ने ही गला रेतकर कर दी हत्या

संवाददाता

मुजफ्फरनगर, 16 मई (नवसत्ता) मुजफ्फरनगर के नई मन्डी थाना क्षेत्र के समीपवर्ती गांव कूकडा में गुरूवर सुबह उस समय सनसनी फैल गई कि जब एक युवती के पिता ने अपनी बेटी की गला रेतकर हत्या कर दी तथा कुछ समय बाद खुद ही सरेंडर कर दिया। जानकारी के अनुसार नई मन्डी थाना क्षेत्र के निकटवर्ती गांव कूकडा निवासी शाहिद ने प्रेम प्रसंग के विरोध में अपनी बेटी करीब 20 वर्षीय शहनूमा की किसी धारदार हथियार से गला काटकर हत्या कर डाली तथा मौके से फरार हो गया। पिता द्वारा अपनी बेटी की हत्या से सनसनी फैल गई। पडौसियों सहित कई ग्रामीण मौके पर एकत्रित हो गए।

ग्रामीणो ने जब इसकी सूचना पुलिस को दी तो कुछ ही देर मे पुलिस घटना स्थल पर पहुंच गयी पहुंचकर पुलिस ने देखा कि उक्त युवती का शव उसके घर के दरवाजे पर लहुलुहान अवस्था में पडा है। इसी बीच फोरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने परिजनो व ग्रामीणो की मौजूदगी मे पंचनामा भरकर शव को पोस्ट मार्टम के लिए मोर्चरी पर भिजवा दिया। इस घटना के कुछ समय पश्चात युवती का पिता अपने घर वापिस लौट आया तथा उसने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। घटना स्थल पर पहुंचे एसपी सिटी सत्यनारायण प्रजापत ने बताया कि इस पूरे मामले की जांच-पडताल की जा रही है तथा इस सम्बन्ध में साक्ष्य एकत्रित किए जा रहे हैं। जिनके आधार पर अग्रिम कार्रवाई सुनिश्चित की जा सकेगी। इस दौरान सीओ नई मन्डी रूपाली राव व इंस्पेक्टर नई मन्डी कोतवाली बबलू सिंह वर्मा आदि मौजूद रहे।

भारतीय सेना ने आपदा प्रबंधन संगोष्ठी और टेबल टॉप अभ्यास का किया आयोजन

संवाददाता

लखनऊ, 16 मई (नवसत्ता) राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने भारतीय सेना के मध्य कमान के सहयोग से 16 मई 2024 को लखनऊ में आपदा प्रबंधन पर संगोष्ठी और एक टेबल टॉप अभ्यास का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस बहु-हितधारक अभ्यास ने केंद्रीय मंत्रालयों, आपदा प्रबंधन संस्थानों, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश से प्रारंभिक चेतावनी एजेंसियां और आपदा प्रबंधन संगठनों को एक साथ लाया। आपदा प्रबंधन में प्रमुख हितधारकों के रूप में, एनडीएमए, राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) और भारतीय सेना ने निरंतर सीखने और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान के महत्व को पहचाना। प्रतिभागियों में रेलवे, सड़क और परिवहन, नागरिक विमानन, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन सहित आपदा प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं के लिए जिम्मेदार केंद्रीय मंत्रालयों के प्रतिनिधि शामिल थे। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम), एसडीएमए, चार राज्यों के राजस्व विभाग, और प्रारंभिक चेतावनी एजेंसियां जैसे भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी), राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग सेंटर (एनआरएससी), राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस), जल आयोग (सीडब्ल्यूसी), और केंद्रीय खनन मंत्रालय के अंतर्गत भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआइ) ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया। अभ्यास का उद्देश्य आपातकालीन स्थितियों का अनुकरण करना और आपदा राहत में नवीनतम रुझानों के बारे में डोमेन विशेषज्ञों से सीखते हुए प्रमुख आपदा प्रबंधकों की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों का अभ्यास करना था। इस दायरे में भूकंप, भूस्खलन, बाढ़ और हिमस्खलन सहित चार राज्यों में समकालीन आपदा मुद्दे शामिल थे। इसके अतिरिक्त, अभ्यास में 2023 में हुए आपदा प्रबंधन और राहत कार्यों से सीखे गए सबक, प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने, भारत में प्राकृतिक आपदाओं की आर्थिक लागत, उत्तर प्रदेश में आपदा कमजोरियों और घटना प्रतिक्रिया प्रणालियों पर केंद्रित था। टेबल टॉप अभ्यास आपदा प्रबंधन में ज्ञान के आदान-प्रदान, क्षमता निर्माण और रणनीतिक योजना के लिए एक ऐतिहासिक कार्यक्रम था और इसने हितधारकों को सहयोग करने, ज्ञान साझा करने और प्रभावी आपदा प्रबंधन के लिए अपनी तैयारियों को बढ़ाने के लिए एक मूल्यवान मंच प्रदान किया।

सबसे महत्वपूर्ण दिन मानकर घर से निकल कर मतदान करना चाहिये : आनंदेश्वर पांडेय

संवाददाता

लखनऊ, 16 मई (नवसत्ता) मतदाता जागृति कार्यक्रम का आयोजन गोमतीनगर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के लोगो ने प्रतिभाग कर शत प्रतिशत मतदान करने की अपील मतदाताओं से की। इस दौरान बृज क्षेत्र से आये रंगकर्मियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति कर मतदान के प्रति लोगो को आकृष्ट किया। एलर्ट सिटीजन वेलफेयर सोसायटी द्वारा आयोजित कार्यक्रम आये इंट्रीगियाल इन्वर्सिटी के डायरेक्टर नीलांजन मुखर्जी ने मतदान की ताकत को बताते हुये कहा कि आपको सरकार बनाने की छमता मतदान प्रदान करता है इसलिये सभी को लोकतंत्र के इस कार्यक्रम में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिये।सचिव ओलंपिक संघ आनंदेश्वर पांडेय ने कहा कि लोकतंत्र का यह पावन पर्व है इस दिन को छुट्टी का दिन न समझ कर सबसे महत्वपूर्ण दिन मानकर घर से निकल कर मतदान करना चाहिये। आयोजक नीरज सिंह ने सभी का आह्वान करते हुये कहा कि इस पावन बेला में सभी लोग मतदान अवश्य करे। मतदान को लेकर मथुरा में विशाल कार्यक्रम का आयोजन किया जा चुका है । हम निरंतर इसी प्रयास में है कि देश मे शत प्रतिशत मतदान हो।व्यापार मंडल के अमित गुप्ता व हिमांशु वार्ष्णेय ने पहले मतदान फिर जलपान पर विशेष जोर दिया।

शिक्षकों एवं छात्रों द्वारा निकाली गई मतदाता जागरूकता रैली

संवाददाता

बस्ती, 16 मई (नवसत्ता) बस्ती जिले के बेगम खैर गर्ल्स इंटर के कालेज के शिक्षकों एवं छात्रों की ओर से जागरूकता रैली निकाली गई । जिसमें सभी मतदाताओं से मतदान के दिन बूथों पर पहुंचकर मतदान करने के लिए अपील की गई। इस बीच छात्रों की तरफ से जागरूकता संबंधित नारे भी लगाए गए।बेगम खैर गर्ल्स इंटर कालेज की प्रधानाचार्या श्रीमती मुस्लिमा खातून की अगुवाई में मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। हाथों में बैनर लिए तथा जागरूकता नारे के साथ कालेज से निकली रैली कम्पनी बाग चौराहा होते हुए तिरंगा चौराहे पर आई। यहां मतदाताओं को शत-प्रतिशत मतदान की अपील की गई। सभी से कहा गया कि अपने बहुमूल्य वोट के महत्व को समझें और लोकतंत्र की मजबूती के लिए बूथ पर पहुंचकर मतदान करें। चौराहे से रैली वापस होकर विद्यालय परिसर में पहुंचकर गोष्ठी के रूप में परिवर्तित हुई। बेगम खैर गर्ल्स इंटर कालेज की प्रधानाचार्या श्रीमती मुस्लिमा खातून ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को सफल बनाने के लिए मतदाताओं का जागरूक होना जरूरी है। जागरूक मतदाता ही अपने मतों को समझ सकता है। इसका प्रयोग बहुत सोच समझ कर करना चाहिए। इस लोकतंत्र में व्यक्ति का सबसे महत्वपूर्ण अधिकार मत देने का अधिकार है। लोगों को अपने इस अमूल्य मत का प्रयोग जाति, धर्म, संप्रदाय एवं संकीर्ण विचारों से ऊपर उठकर विकास, शिक्षा और रोजगार को ध्यान में रखकर करना चाहिए। निर्वाचन आयोग की मंशा है कि अधिक से अधिक संख्या में लोग मतदान करने के लिए घरों से बाहर निकले। मतदान का प्रतिशत बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। ऐसे क्षेत्र में मतदाता जागरूकता अभियान संचालित करने के लिए निर्देशित किया है । जहां की महिलाएं सामान्य रूप से मतदान करने के लिए बाहर नहीं निकलती है । ग्रामीणों को निर्भीक होकर मतदान करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। प्रत्येक व्यक्ति को मौलिक अधिकार प्रदान किए हैं। इसमें मतदान का अधिकार प्रदान किया गया है। 18 वर्ष से ऊपर आयु के सभी लोग को मतदान करना चाहिए। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त परिवार और छात्राएं भी मौजूद रहे।

सभी प्रकाशक प्रेस सेवा पोर्टल का करें बहिष्कार : आईना

संवाददाता

लखनऊ, 16 मई (नवसत्ता) आज ऑल इंडिया न्यूज़पेपर एसोसिएशन, आईना की महत्वपूर्ण बैठक में संगठन के कार्यो की समीक्षा करते हुए लघु एवं मध्यम समाचार पत्रों पर छाए संकटों पर भी कोर कमेटी ने चिंता व्यक्त करते हुए विचार विमर्श किया। भारत सरकार द्वारा बनाए गए प्रेस सेवा पोर्टल के अंतर्गत नई नियमावली जो बनाई गई है उसमें उन्होंने ऐसे नियम बनाए हैं कि जिसमें छोटे समाचार पत्रों पर इतना शिकंजा कस दिया गया है कि उन नियमों के तहत अहर्ताओं को पूरा करने में कोई भी लघु एवं मध्यम समाचार पत्र के प्रकाशक सक्षम नहीं है।

केंद्र सरकार द्वारा लागू की जाने वाली नई नियमावली के विरोध में आईना ने यह प्रस्ताव रखा की भारत के प्रधानमंत्री और रजिस्ट्रार, आरएनआई , प्रेस इनफॉरमेशन ब्यूरो के साथ-साथ भारत के उन उच्च अधिकारियों और भारत के न्याय तंत्र को पत्राचार के माध्यम से नियमों को शिथिल कराने की मांग आईना संगठन द्वारा की जाएगी। यदि जरूरत पड़ी तो लघु एवं मध्यम समाचार पत्रों के प्रकाशकों और पत्रकार हितों तथा उनके संरक्षण को लेकर काम करने वाले कई संगठनों के माध्यम एवं उनके सहयोग से दिल्ली जन्तर मंतर पर सांकेतिक धरने की रणनीति भी बनाई जाएगी। इस मौके पर श्यामल त्रिपाठी द्वारा छोटे अखबार सांसत में खबर लगाए जाने का प्रोत्साहन करते हुए जनतंत्र प्राइम भारत समाचार समूह द्वारा प्रतीक चिन्ह भेंट स्वरूप दिया गया। आईना संगठन का मानना है कि लघु एवं मध्यम समाचार पत्रों के सभी प्रकाशकों को इस प्रेस सेवा पोर्टल का बहिष्कार करना चाहिए। जब तक प्रेस सेवा पोर्टल में वार्षिक विवरण को दाखिल करने में सरलीकरण न कर दिया जाए ।

ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार के इशारे पर भारत के समाचार पत्रों को नई नियमावली के तहत प्रकाशकों को विषम परिस्थितियों में डाल दिया गया है। यह कटु सत्य है कि प्रेस सेवा पोर्टल के माध्यम से समाचार पत्र व पत्रिकाओं को बंद करने का केंद्र सरकार द्वारा कुचक्र रचा गया है। इन सब प्रकरणों को निस्तारित किए बिना प्रेस सेवा पोर्टल को लागू किया जाना न्याय संगत नहीं है। ज्ञातव्य हो कि प्रेस सेवा पोर्टल में अनेक ऐसे प्राविधान रखे गए हैं, जिन्हें छोटे व मझोले समाचार पत्रों व पत्रिकाओं के प्रकाशकों के द्वारा पूरा किया जाना असंभव है। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए सभी प्रकाशकों को एकता के साथ इस सरकारी कुचक्र का कड़ा विरोध करने की जरूरत है

राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर गोष्ठी का आयोजन किया गया

संवाददाता

बलरामपुर, 16 मई (नवसत्ता) राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय सभागार में मुख्य चिकित्सा अधिकारी बलरामपुर डॉ मुकेश कुमार रस्तोगी की अध्यक्षता में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए सीएमओ ने कहा कि डेंगू मच्छर जनित बीमारी है, जो एडीज प्रजाति के मच्छरों के काटने से फैलती है।

यह बीमारी बहुत तेजी से फैलती है और फ्लू जैसी गंभीर होती है। डेंगू किसी भी उम्र के व्यक्ति को हो सकता है। डेंगू में प्लेटलेट्स लगातार कम होने लगते हैं। डेंगू के मामलों में बढ़ोतरी और इस बीमारी की गंभीरता को देखते हुए हर साल 16 मई को राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया जाता है।

उन्होंने कहा कि डेंगू मच्छरों से फैलने वाली बीमारी है, तो इसकी रोकथाम के लिए सबसे पहले मच्छरों से बचाव जरूरी है। मच्छरों से बचने के लिए लंबी बाजू वाले कपड़े पहनें। पैरों को भी ढककर रखें।

लाइट कलर के कपड़े गर्मी से तो बचाते ही हैं साथ ही मच्छरों से भी। मच्छर डार्क कलर की ओर ज्यादा आकर्षित होते हैं। नियमित रूप से नालियों, गमलों और अन्य जगहों की जांच करते रहें। उनमें पानी न जम

एलडीए ने छह अवैध रो-हाउस भवन किये सील

संवाददाता

लखनऊ, 16 मई (नवसत्ता) लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ0 इन्द्रमणि त्रिपाठी के निर्देश पर प्रवर्तन जोन-1 एवं जोन-2 लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ0 इन्द्रमणि त्रिपाठी के निर्देश पर शहर में अवैध निर्माण के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के क्रम में गुरूवार को प्रवर्तन जोन-1 व जोन-2 की टीम ने कार्यवाही की। इस दौरान गोमती नगर के विकास खण्ड-5 में एक अवैध व्यावसायिक कॉम्पलेक्स व नीलमथा में 06 रो-हाउस भवनों को सील किया गया।

प्रवर्तन जोन-1 की जोनल अधिकारी वन्दना पाण्डेय ने बताया कि त्रिभुवन कुमार व अन्य द्वारा गोमती नगर के विकास खण्ड के ग्राम-ग्वारी में लगभग 180 वर्गमीटर क्षेत्रफल के भूखण्ड पर भूतल पर दुकानों व प्रथम तल पर हॉल का निर्माण कराया जा रहा था। प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराये बिना अवैध रूप से निर्मित किये जा रहे इस व्यावसायिक कॉम्पलेक्स के विरूद्ध विहित न्यायालय द्वारा वाद योजित करते हुए सीलिंग के आदेश पारित किये गये थे। जिसके अनुपालन में सहायक अभियंता उदयवीर सिंह के नेतृत्व में अवर अभियंता आशीष श्रीवास्तव, संजय भाटी व एस0के0 दीक्षित द्वारा प्राधिकरण पुलिस व स्थानीय थाने के पुलिस बल के सहयोग से उक्त कॉम्पलेक्स को सील कर दिया गया।

प्रवर्तन जोन-2 के जोनल अधिकारी देवांश त्रिवेदी ने बताया कि अंजनी कुमार सिंह व अन्य द्वारा नीलमथा के रामसेवक पुरम में हरिहरपुर नाले के पास खसरा संख्या-433 पर लगभग 6000 वर्गफिट क्षेत्रफल में बिना स्वीकृत मानचित्र के 06 रो-हाउस भवनों का निर्माण कराया जा रहा था।

जिसके विरूद्ध विहित न्यायालय द्वारा वाद योजित करते हुए सीलिंग के आदेश पारित किये गये थे। इसके अनुपालन में सहायक अभियंता अनिल कुमार के नेतृत्व में अवर अभियंता ऋतुपाल व विपिन बिहारी राय द्वारा प्राधिकरण पुलिस व स्थानीय थाने के पुलिस बल के सहयोग से उक्त भवनों को सील कर दिया गया।

मतदाता जागरूकता अभियान चलाया

लोकसभा सामान्य निर्वाचन- के अंतर्गत 20 को जनपद-लखनऊ में होने वाले मतदान के लिए मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा लगातार विभिन्न संस्थाओं के सहयोग से मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

इस क्रम में कल इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के मर्करी ऑडिटोरियम में प्रातः 11:00 बजे से मण्डलायुक्त, लखनऊ मण्डल की अध्यक्षता में एक संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है, जिससे कि जनपद के सभी मतदाताओं को अधिक से अधिक संख्या में मतदान के लिए प्रेरित किया जा सके। आप सभी सम्मानित पत्रकार व छायाकार बन्धुओं से अनुरोध है कि कार्यक्रम में ससमय उपस्थित होकर कवरेज करने की कृपा करें।

मतदाताओ ने डीएम को दिया वचन, सब काम छोड़ वोट डालने का किया वादा

संवाददाता

बलरामपुर, 16 मई (नवसत्ता) जिला निर्वाचन अधिकारी सिंह ने कहा कि जनपद के विकास में महिलाओं की भूमिका बेहद अहम है। शक्तिपीठ मां पाटेश्वरी की पावन धरा पर नारी शक्ति का विशेष महत्व है।

जनपद में मत प्रतिशत बढ़ाने का लेकर नारी शक्ति को विशेष व अहम जिम्मेदारी सोंपी गई है। लोकतंत्र को सशक्त बनाने व राष्ट्र निर्माण में जनपद की महिलाएं आगे आकर नेतृत्व प्रदान करेंगी तथा पुरूषों को मतदान के लिए मतदान केन्द्रों पर भेजने का काम करेंगीं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार भाई-बहन के अटूट प्रेम व नारी शक्ति के प्रतीक रक्षाबंधन का त्यौहार भाई को अपनी बहन को दिये गए वचन को निभाने की प्रेरणा व शपथ देता है, उसी प्रकार 'राखी वोट की''अभियान के माध्यम से जनपद की माताएं-बहनें नैतिक जिम्मेदारी निभाते हुए पुरूषों को राखी बांधकर आने वाली 20 मई को उतरौला में और 25 मई को श्रावस्ती लोकसभा के लिए मतदान के लिए भाईयों से वचन लेंगी और उन्हें अपने मतदाधिकार का हर हाल में प्रयोग करने व शत-प्रतिशत मतदान कराने का काम करेंगी तथा पुरूष भाई भी बहनों द्वारा दी गई सौगंध को पूरा

सम्पादकीय

असंगठित क्षेत्र में आधी आबादी की बड़ी हिस्सेदारी

असंगठित क्षेत्र में श्रम शक्ति की बागडोर महिलाओं ने ही संभाल रखी है। देश की आर्थिक गतिविधियों के संचालन में असंगठित क्षेत्र की अपनी भूमिका है और इसमें कोई दो राय नहीं कि असंगठित क्षेत्र में श्रम शक्ति को भले ही मेहनत का पूरा पैसा नहीं मिलता हो पर असंगठित क्षेत्र में सर्वाधिक रोजगार के अवसर है।

बहुत बड़े वर्ग की रोजी रोटी असंगठित क्षेत्र पर ही टिकी हुई है। हालांकि असंगठित क्षेत्र की अपनी समस्याएं हैं। इसमें रोजगार की सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा, नियमित आय का ना होना, स्वास्थ्य सुरक्षा सहित बहुत सी समस्याओं से दो चार होना पड़ता है। हालांकि सरकार असंगठित क्षेत्र की समस्याओं के निराकरण के लिए समय समय पर योजनाएं लाती है और ई-श्रम पोर्टल पर पंजीयन कराकर उनकी वास्तविक संख्या व आवश्यक जानकारी जुटाते हुए योजनाओं को अंतिम रूप दिया जाता रहा है। खैर बात भले ही थोड़ी अजीब लगे पर वास्तविकता तो यही बयां करती हैं कि आज देश में असंगठित क्षेत्र में पुरुषों के मुकाबलें महिलाओं की हिस्सेदारी अधिक हो गई है। केन्द्र सरकार के ई-श्रम पोर्टल पर देश में 29 करोड़ 56 लाख श्रमिकों का पंजीकरण हो चुका है जिसमें से महिला श्रमिकों की संख्या पुरुषों की तुलना में अधिक है। असंगठित क्षेत्र में आज महिला श्रमिकों की हिस्सेदारी आधी से भी ज्यादा हो चुकी है। केन्द्र सरकार के ई-श्रम पोर्टल की ही बात करे तो इसमें पंजीकृत 29 करोड़ 56 लाख श्रमिकों में से 53 फीसदी से भी अधिक महिला श्रमिक रजिस्टर्ड हैं जबकि पुरुष श्रमिकों की संख्या यही कोई 46 फीसदी से कुछ ही अधिक है। दरअसल बात भले ही कुछ भी की जाती हो पर तस्वीर तो यही है कि पुरुषों की तुलना में महिलाएं अधिक श्रम कर रही थी और कर रही है। भले ही व्हाईट कालर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी पुरुषों की तुलना में कम हो पर आज संगठित व असंगठित क्षेत्र में महिलाएं पुरुषों से पीछे नहीं है।

भारत सरकार के ई-श्रम पोर्टल के आंकड़ों की ही भाषा में बात करें तो केरल में सबसे अधिक 59.79 प्रतिशत महिला श्रमिक असंगठित क्षेत्र में है तो आंध्रप्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, कर्नाटक, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड और पश्चिम बंगाल आदि सभी जगह पुरुषों की तुलना में महिला श्रमिक अधिक है। दरअसल देखा जाएं तो खेती और पशुपालन तो महिलाओं के भरोसे ही चल रहा है। शहरों में घरेलू कामकाज और रियल स्टेट क्षेत्र में असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की हिस्सेदारी सर्वाधिक है। करीब 15 करोड़ श्रमिक खेती किसानी क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। इसका अर्थ साफ साफ यह हुआ कि खेती किसानी से आधे से भी अधिक श्रमिक जुड़े हुए हैं और इसमें भी कोई दो राय नहीं कि पुरातन काल से ही पशुपालन तो महिलाओं के भरोसे ही चलता आया है। खेती किसानी में भी महिलाओं की प्रमुख भागीदारी होती है।

गली कुचें में बनिये की दुकान, चाय-पानी की स्टॉल या इसी तरह की किसी दुकान में काम करने वाले, चौकटियों में कारीगारी-बेलदारी के काम की प्रतीक्षा करने वाले, खेतों में जुताई, कटाई व इसी तरह के काम करने वाले, छोटे दस्तकारों, कारीगरों, हस्तशिल्पियों, गली मोहल्ले में घूमने वाले वेण्डर्स और अस्थाई काम करने वाले लोग असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की श्रेणी में आते हैं। डेली वेजेज के आधार पर काम करने वाले लोगों को भी इसी श्रेणी में रखा जाएगा। इनमें महिला और पुरुष श्रमिक दोनों ही शामिल है।

असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की अपनी समस्या है। काम मिले तो मिल गया और नहीं मिला तो नहीं मिला। यानी असंगठित क्षेत्र में रोजगार व आय की स्थिरता नहीं होती। यही कारण है कि दूसरे दिन भी काम मिलेगा या नहीं, इसकी कोई गॉरन्टी नहीं होती। इसके लिए रोजगार व आय की सुरक्षा व नियमितता की बात भी नहीं की जा सकती। इसका अर्थ यह हुआ कि सामाजिक आर्थिक सुरक्षा की बात करना तो बेमानी होगी। मोटे रूप से रोजगार, सुरक्षा और स्वास्थ्य व आवश्यक सुविधाओं की सुलभता असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए दूर की कौड़ी ही मानी जा सकती है। हांलाकि असंगठित क्षेत्र की श्रमिकों की समस्याओं को लेकर सरकार गंभीर होने लगी है। पहली बात यह कि श्रम पोर्टल पर रजिस्टर्ड होने से सरकार के सामने वास्तविक तस्वीर सामने आने लगी है। सरकार ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, श्रम योगी मान धन योजना अटल पेंशन योजना और इसी तरह की अन्य योजनाओं से जोड़कर असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा देने के प्रयास किये गये हैं।

अब देश दुनिया में श्रमिक आंदोलन का समय तो करीब-करीब समाप्त ही हो चुका है। ऐसे में इस क्षेत्र में कार्य कर रहे गैरसरकारी व सामाजिक संगठनों को आगे आते हुए असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की आवाज बनना होगा। अब तो चूंकि असंगठित क्षेत्र में पुरुषों की अपेक्षा महिला श्रमिक अधिक है तो फिर और भी अधिक जिम्मेदारी हो जाती है।

मुद्दा

दुनिया के लिए भारत एक जरूरत

अभिनय आकाश

भारत की विदेश नीति का सबसे पहला मंत्र क्या है? पहला मंत्र यही है कि हमेशा देश का हित सबसे ऊपर और सबसे पहले रहेगा। इसलिए अमेरिका के ना चाहते हुए भी ईरान के चाबहार पोर्ट पर भारत ने तिरंगा लहरा दिया है। लेकिन खुद को दुनिया का चौकीदार समझने वाला अमेरिका तिलमिला गया है और उसने प्रतिबंध की धमकी दे दी है। चाबहार पर भारत के फैसले का एक मतलब ये भी है कि प्रधानमंत्री मोदी ने इस मुद्दे पर अमेरिका की एक न सुनी और यही अमेरिका की तिलमिलाहट की सबसे बड़ी वजह भी है। चाबहार ईरान का एक मात्र डीप सी पोर्ट यानी गहरे समुद्र में मौजूद बंदरगाह है। इस समझौते को पाकिस्तान और चीन के लिए भी झटके के तौर पर देखा जा रहा है।

भारत ने ईरान के चाबहार में स्थित शाहिद बेहश्ती बंदरगाह टर्मिनल के परिचालन के लिए सोमवार को 10 वर्षीय अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। इससे भारत को मध्य एशिया के साथ कारोबार बढ़ाने में मदद मिलेगी। चाबहार बंदरगाह ईरान के दक्षिणी तट पर सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में स्थित है। इस बंदरगाह को भारत और ईरान मिलकर विकसित कर रहे हैं। बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल की उपस्थिति में इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड (आईपीजीएल) और ईरान के पोर्ट्स एंड मेरिटाइम ऑर्गेनाइजेशन ने इस अनुबंध पर हस्ताक्षर किए।

अमेरिका ने कहा है कि ईरान के साथ व्यापारिक सौदे करने वाले किसी भी देश पर प्रतिबंध लगाए जाने का संभावित खतरा है। उसने यह भी कहा कि वह जानता है कि ईरान और भारत ने चाबहार बंदरगाह से जुड़े एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। विदेश मंत्रालय के उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हम इन खबरों से अवगत हैं कि ईरान और भारत ने चाबहार बंदरगाह से संबंधित एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। मैं चाहूंगा कि भारत सरकार चाबहार बंदरगाह और ईरान के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों के संदर्भ में अपनी विदेश नीति के लक्ष्यों पर बात करे। सामरिक रूप से महत्वपूर्ण चाबहार बंदरगाह को लेकर ईरान के साथ भारत के समझौते के बारे में एक सवाल पर उन्होंने कहा कि मैं सिर्फ इतना कहना

चाहूंगा कि चूंकि यह अमेरिका से संबंधित है, ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंध लागू हैं और हम उन्हें बरकरार रखेंगे। अमेरिका इसे न्यू डील के तौर पर देख रहा है। साल 2018 में अमेरिका में रिब्लिकन रूल था और डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति थे। ट्रंप अक्सर धमकियों के जरिए भारत को डराने की कोशिश समय समय पर करते रहते थे। चाहे वो एस 400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम हो या चाबहार पोर्ट से जुड़ा मसला या फिर कोविड-19 के वक्त दवाई की बात हो। ट्रंप की तरफ से कितनी बार कहा गया कि प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं, या कोई कार्रवाई की जा सकती है। एक बार तो लग रहा था कि चाबहार और रूस से एस 400 की खरीद के बाद भारत पर कुछ बंदिशें लग सकती हैं। लेकिन भारत की डिप्लोमेसी इतनी अच्छी थी। इसके साथ ही भारत की जरूरत अमेरिका को इतनी ज्यादा थी कि वो किसी भी किस्म की कार्रवाई से बचता रहा। ईरान के ऊपर अमेरिका ने बहुत सारे प्रतिबंध लगा रखे हैं। उसकी वजह से भारत वहां पर इनवेस्टमेंट और कंस्ट्रक्शन नहीं कर पा रहा था। भारत ने अमेरिका से बातचीत कर इसमें राहत पा ली थी। लेकिन वर्तमान में अमेरिका की तरफ से संकेत दिए जा रहे हैं कि उस वक्त मिली राहत 2018 तक के इनवेस्टमेंट के लिए ही था। अब भारत ने नई डील साइन की है कि 10 साल के लिए पूरा चाबहार पोर्ट इंडियन पोर्ट ऑथरिटी को मिल जाएगा। इसे अमेरिका एक नई डील की तरह देख रहा है और भारत पर प्रतिबंध की बात कर रहा है।

भारतीय मीडिया अमेरिका के कदम को लेकर तरह-तरह की आशंकाएं जता रहा है। व्हाइट हाउस को ही इस पर फाइनल डीसिजन लेना है। लेकिन ताजा घटनाक्रम में ईरानी राजदूत इलाही ने बयान देते हुए कहा कि भारत दुनिया के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अमेरिका के लिए भी बहुत जरूरी है और वो भारत पर किसी भी तरह का कोई प्रतिबंध नहीं लगा पाएगा। चाबहार पोर्ट भारत डेवलप कर रहा है। लेकिन ये कही पर लिखा नहीं है कि चाबहार पोर्ट केवल भारत ही इस्तेमाल करेगा। चाहे तो ये पोर्ट कल को ओमान, यूएई, सऊदी अरब, रूस अर्मेनिया भी चाबहार को इस्तेमाल कर सकते हैं। अमेरिका अगर चाबहार पोर्ट को लेकर भारत पर प्रतिबंध लगाता है तो इससे न केवल भारत नाराज होगा। इससे सेंट्रल एशियान देश नाराज होगा। रूस भी नाराज होगा। रूस और सेंट्रल एशिया समेत कई देशों के लिए भारत तक पहुंचने का रास्ता चाबहार पोर्ट से ही जाता है। ईरान के राजदूत ने कहा कि अगर अमेरिका प्रोजेक्ट पर किसी तरह का बैन लगाता है तो पूरे रीजन में कई देशों को इससे नुकसान होगा। ये अमेरिका को भारी पड़ सकता है।

चाबहार पोर्ट को अंतरराष्ट्रीय उत्तर दक्षिण परिवहन गलियारे के एक अहम सेंटर की पेश किया गया है। यह प्रॉजेक्ट भारत, ईरान, अफगानिस्तान आर्मेनिया, अजरबैजान, रूस, सेंट्रल एशिया और यूरोप के बीच माल-ढुलाई के लिए 7,200 किलोमीटर लंबा प्रोजेक्ट है। सरकार ने साल 2024 2025 के लिए चाबहार के लिए 100 करोड़ आवंटित भी किए थे।

बंदरगाह को इंटरनैशनल नॉर्थ साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर के साथ जोड़े जाने के बाद भारत की कनेक्टिविटी ईरान के जरिए सीधे रूस तक होगी। इससे पाकिस्तान को बायपास कर अफगानिस्तान और सेंट्रल एशिया तक पहुंच बन जाएगी। इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ कॉरिडोर में रूस की अहम भूमिका है। इससे एक ओर आर्मेनिया और अजरबैजान जैसे देश कनेक्ट होंगे तो दूसरी ओर अफगानिस्तान और ईरान। इसके अलावा ईरान भी एक रेल लाइन लेकर आने वाला है, जो चाबहार से शुरू होकर अफगानिस्तान-पाकिस्तान के बॉर्डर तक जाएगी। इससे ईरान को भी भारत के जरिए साउथ एशिया में कनेक्टिविटी हासिल होगी। भारत ऐसी कनेक्टिविटी की दिशा में आगे बढ़ रहा है जिससे कि हमारा सामान रोड और शिप के रास्ते सेंट्रल एशिया होते हुए रूस और यूरोप पहुंचेगा। ईरान इस तरह की कनेक्टिविटी से दूसरे देशों को पहले भी जोड़ चुका है। ईरान चाहता है कि एक संतुलन जरूरी है ताकि पूरी निर्भरता चीन पर ना हो।

राजनीति

चुनावों के शोरगुल में जरूरी मुद्दों से ध्यान भटक रहा है

अश्विनी कुमार

लोकसभा चुनाव में चौथे चरण के मतदान के साथ ही 543 उम्मीदवारों में से 379 का भाग्य मतपेटियों में बंद हो गया। देश के राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव लाने वाले चुनाव के रूप में देखे जाने वाले इस निर्वाचन में इंडिया गठबंधन द्वारा मौजूदा सरकार को टक्कर दी जा रही है, जबकि प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ दल के पास अपने चुनाव अभियान की थीम तैयार करने को लेकर नवगठित विपक्षी गठजोड़ की तुलना में ज्यादा समय था।

विपक्षी दलों का काउंटर-नैरेटिव संवैधानिक लोकतंत्र और उसके मूल्यों की रक्षा पर केंद्रित है। वे कहते हैं कि एक निरंकुश राज्यसत्ता उदार लोकतंत्र के प्राथमिक सिद्धांतों और देश के गणतंत्रीय चार्टर में निहित सत्ता के उत्तरदायित्व को नकारती है। विपक्ष द्वारा भारत भर में प्रमुख राजनीतिक विरोधियों की गिरफ्तारियों संवैधानिक संस्थानों में गिरावट, नौकरशाही की स्वायत्तता का क्षीण होना और मीडिया की आज्ञाकारिता का अपने मत के समर्थन में हवाला दिया जाता है। उसके सामने चुनौती यह है कि अपने इस नैरेटिव के लिए जनता की सहमति कैसे अर्जित करें।

लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा लगता है कि दोनों पक्षों के शोर-शराबे वाले चुनाव-अभियान ने वास्तविक मुद्दों को दबा दिया है। तर्क-वितर्क की जगह आक्षेपों और निंदा ने ले ली है। खुद से ऊपर उठ पाने में असमर्थ नेताओं द्वारा संचालित लोकतांत्रिक संवाद की विकृति एक कमजोर लोकतंत्र की पुष्टि करती है।

सत्ता की खोज में अपने लक्ष्यों के प्रति बहुत कम सम्मान और राजनीतिक आदर्शवाद के उपहास से लोकतंत्र की आड़ में व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति का साधन ही

दिखलाई देता है। अगर भाजपा और विपक्षी दल सच में ही इस चुनाव को एक लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण क्षण मानते हैं- जो देश का भविष्य निर्धारित करेगा- तो उन्हें मुख्य मुद्दों पर जनता का ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

इंडिया गठबंधन में कई स्वर सम्मिलित हैं। लेकिन उसके अभियान की सफलता उसके मंतव्यों की स्पष्टता से ही तय होगी। अपने मुख्य एजेंडे पर ध्यान केंद्रित करने और प्रत्येक मतदाता को उससे अवगत कराने के अलावा वह वैकल्पिक नेतृत्व के महत्वपूर्ण प्रश्न से बच नहीं सकता है। मुख्य विपक्षी दल के रूप में कांग्रेस ने अपने मुख्य प्रचारक राहुल गांधी को औपचारिक रूप से प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में पेश नहीं किया है। कांग्रेस की जो भी स्थिति हो, नेतृत्व का प्रश्न उसके चुनाव-अभियान के परिणाम के लिए महत्वपूर्ण होगा।

विपक्षी एकता के आधार के रूप में खुद को पुनर्जीवित करने की आवश्यक शर्त के रूप में कांग्रेस को चापलूसी और वफादारी के बीच के अंतर को भी पहचानना होगा। अपनी आंतरिक कार्यप्रणाली में 'छिपी हुई खामोशियों' को उदारतापूर्वक सुनना भी उसके लिए जरूरी है। दूसरी तरफ प्रधानमंत्री ने अपनी पार्टी के मुख्य प्रचारक के रूप में 26 दलों के संयुक्त विपक्ष के खिलाफ जीत हासिल करने के लिए इच्छाशक्ति की असाधारण दृढ़ता का प्रदर्शन किया है। उन्होंने रणनीतिक रूप से अपनी पार्टी के अभियान को राष्ट्रीय गौरव और लोगों के भविष्य के लिए आशाओं के साथ आगे बढ़ाया है, और शायद वे लगातार तीसरा कार्यकाल जीत सकते हैं।

लेकिन उन्हें भी यह ज्ञात होगा कि न्याय, गरिमा और स्वतंत्रता के विचार सत्ता के प्रलोभन से अधिक दीर्घकालीन होते हैं। अपनी विविधता से परिभाषित एक राष्ट्र के नेता के रूप में वे इससे भी अवगत होंगे कि उनका प्राथमिक दायित्व राष्ट्रीय एकता को बनाए रखना और असंख्य सामाजिक-राजनीतिक विभाजनों को पाटने के लिए एक एकीकृत राजनीति का पोषण करना है।

चाहे सरकार कोई भी बनाए, जीत उनकी होनी चाहिए जिनकी राजनीति न्याय और मानवीय गरिमा पर आधारित लोकतंत्र को कायम और मजबूत करती हो। यह चुनाव समानतापूर्ण नागरिकता की स्वतंत्रता को सुदृढ़ करने और यह सुनिश्चित करने के बारे में है कि जनता के नाम पर मांगी गई शक्ति का उपयोग उनके अंतर्निहित अधिकारों को आगे बढ़ाने में ही किया जाना उचित है। यह हमारे देश और उसके लोगों को भी परिभाषित करेगा, जिन्हें अपने भविष्य के बारे में निर्णय लेना है, यह याद रखते हुए कि उनकी स्वतंत्रता लोकतंत्र के रक्षकों के नैतिक साहस निडरता और उदारता पर निर्भर करती है। यह चुनाव किसी के निजी दृष्टिकोण के बारे में नहीं है। इसके बजाय, इसे हमारे सामाजिक ताने बाने में गहराती दरारों को ठीक करने वाला होना चाहिए, ताकि हम दावा कर सकें कि भारतीय लोकतंत्र कोई भ्रामक सपना नहीं। और हम एक प्रबुद्ध देश के सशक्त नागरिकों के रूप में गर्व से अपना सिर उठा सकते हैं।

दुर्भाग्य से ऐसा लग रहा है कि लोकसभा चुनाव में दोनों पक्षों के शोर-शराबे वाले प्रचार-अभियान ने वास्तविक मुद्दों को दबा दिया है। तर्क वितर्क की जगह आक्षेपों और निंदा ने ले ली है। जबकि कई जरूरी सवाल सामने खड़े हैं।

अपनी बात

उद्धव ठाकरे के विश्वास पर विश्वास कैसे किया जाए?

नवनीत गुर्जर

शिवसेना (उद्धव बाला साहेब ठाकरे) के प्रमुख उद्धव ठाकरे अब कह रहे हैं कि भाजपा ने हमें भुलावे में रखा और धोखा दिया। इसका क्या मतलब? मतलब साफ है। उद्धव को हर हाल में मुख्यमंत्री बनना था। उद्धव का कहना है कि भाजपा ने मुझसे वादा किया था। उद्धवजी ये नहीं समझ पा रहे हैं कि राजनीति में नंबर गेम चलता है। जब सीटें भाजपा की ज़्यादा थीं तो वह आपको मुख्यमंत्री क्यों बनाती भला? खैर आपको बनना था, सो बन गए थे। राकांपा और कांग्रेस की मदद से ही सही। आखिर सरकार चल नहीं पाई।

आप भली भाँति जानते हैं कि गठबंधन सरकारों में सबके अपने अहम् होते हैं। कहीं न कहीं ये अहम् आड़े आते ही हैं। टकराते ही हैं। यह सब जानते हुए उद्धव ठाकरे कहते हैं कि इंडिया गठबंधन की सरकार बनी तो नेता को लेकर कोई विवाद नहीं होगा। सरकार भी ठीक से चलेगी। पिछली जनता सरकार भी इसी तरह बनी थी।

हश्र आपने देखा ही होगा। सबने देखा। जबकि वो सरकार तो चुनाव पूर्व गठबंधन की सरकार थी। फिर भी नहीं चली। इसके बाद विश्वनाथ प्रताप सिंह ने वामपंथियों और भाजपा के बाहरी समर्थन से सरकार बनाई। ये पहला मौका था जब वामपंथी और दक्षिणपंथी यानी भाजपा दोनों किसी एक बात पर सहमत हुए थे, लेकिन फिर भी सरकार चल नहीं पाई थी।

चंद्रशेखर सरकार का भी यही हश्र हुआ था। कांग्रेस के समर्थन से बनी और एक छोटी सी बात को मुद्दा बनाकर कांग्रेस ने समर्थन वापस ले लिया। सरकार गिर गई थी। फिर पीवी नरसिम्हा राव की सरकार ज़रूर पूरे पाँच साल चली लेकिन उसके बाद एचडी देवगौडा की सरकार भी समर्थन वापसी के कारण गिर गई थी। उसके बाद इंद्र कुमार गुजराल के नेतृत्व में केंद्र की सरकार बनी लेकिन वह भी नहीं चल पाई।

इतने उदाहरण सामने होने के बावजूद उद्धव ठाकरे को इंडिया गठबंधन पर ऐसा क्या भरोसा है कि वे न तो नेता चयन के मामले में कोई अड़चन देख पा रहे हैं और न ही गठबंधन सरकार के रास्ते में फिलहाल कोई रुकावट उन्हें दिखाई दे रही है?

जबकि बंगाल वालीं ममता बनर्जी और बिहार वाले नीतीश कुमार के इंडिया गठबंधन से अलग होते ही इसमें बड़ा बिखराव आ गया था। नीतीश के अपने कारण रहे होंगे और ममता बनर्जी के अपने। लेकिन कोई तो मनमुटाव रहा ही होगा। कोई बिना कारण तो किसी गठबंधन से अलग नहीं ही होता!

बहरहाल दावों- प्रति दावों का दौर चल रहा है। भाजपा चार सौ पार के अपने नारे के साथ चल रही है, जबकि इंडिया गठबंधन कह रहा है कि भाजपा दो सौ पार भी नहीं हो पाएगी। असल बात चार जून को ही पता चलेगी, जब चुनाव परिणाम सामने आएंगे।

चिंतन

पीओके के हाथ से निकल जाने के डर से सहमा पाकिस्तान

ललित गर्ग

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में पाकिस्तान सरकार की तानाशाही, उदासीनता उपेक्षा एवं दोगली नीतियों के कारण हालात बेकाबू, अराजक एवं हिंसक हो गये हैं। जीवन निर्वाह की जरूरतों को पूरा न कर पाने से जनता में भारी आक्रोश एवं सरकार के खिलाफ नाराजगी चरम सीमा पर पहुंच गयी है। गेहूं के आटे और बिजली की ऊंची कीमतों के खिलाफ जबरदस्त आंदोलन चल रहा है। प्रदर्शनकारियों एवं सुरक्षा बलों के बीच हिंसक झड़पों में एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गयी जबकि 100 से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों में अधिकतर पुलिसकर्मी हैं।

पीओके के लोग पाकिस्तान सरकार की नाकामी के खिलाफ सड़कों पर हैं। पाकिस्तान को पीओके के हाथ से निकल जाने का डर सताने लगा था। पीओके की आवाज दबाने के लिए पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार ने चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल को तैनात किया है एवं आन्दोलनकारियों को दबाने की दमनकारी कोशिशें की जा रही है। पीओके के बगावती तेवर देख पाकिस्तान के हाथ-पांव फूल गये हैं। दरअसल, अक्टूबर 1947 में पाकिस्तान के कब्जे के बाद से ही पीओके लगातार सरकार की उपेक्षा उत्पीड़न एवं उदासीनता झेल रहा है। उसकी समस्याओं और विकास पर ध्यान देने की बजाय पाकिस्तान का जोर वहां आतंकियों के ट्रेनिंग कैंप खोलने पर ज्यादा रहा। पाकिस्तान की सरकार ने पीओके का इस्तेमाल भारत में अशांति, आतंक एवं हिंसा फैलाने के लिये किया है, वह पीओके के

माध्यम से कश्मीर को हडपने की हर संभव कोशिश करता रहा है, लेकिन वहां के निवासियों की जरूरतों पर कभी ध्यान नहीं किया। यूं तो अभी समूचे पाकिस्तान के हालात बद से बदतर हैं, गरीबी, महंगाई एवं आर्थिक दिवालियापन से घिरा है, दुनियाभर से आर्थिक सहायता प्राप्त करने के लिये झोली लिये घूम रहा पाकिस्तान भारत में अशांति एवं आतंक फैलाने से बाज नहीं आ रहा है। दरअसल, पाकिस्तानी कमरतोड़ महंगाई एवं जनसुविधाओं से जूझ रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने 3 अरब डॉलर के कर्ज की मंजूरी देते समय कड़ी शर्तों लगाई थीं जिसके कारण स्थिति और खराब हो गई है। बिजली दरों में बढ़ोतरी से दिक्कतें बढ़ गई हैं और पाकिस्तान में लोग सड़कों पर उतरने को मजबूर हो गए हैं। इन्हीं जर्जर एवं जटिल हालातों के बीच पीओके के हालात पाकिस्तान के लिये नया सिर दर्द बन गया है। पाकिस्तान के सुरक्षा बल प्रदर्शनकारियों के मुजफराबाद मार्च को दबाने की जितनी कोशिश कर रहे हैं, विरोध प्रदर्शन उतना ही उग्र हो रहा है। पीओके की अवामी एक्शन कमेटी के मार्च और धरने के आह्वान के बाद बेकाबू होते हालात 1955 के अवज्ञा आंदोलन की यादें ताजा कर रहे हैं, जब पीओके के लोगों और पाकिस्तानी फौज में सीधा टकराव हुआ था। अब फिर पीओके के लोगों के उबलते गुस्से ने पाकिस्तानी हुकूमत के माथे पर बल बढ़ा दिए हैं, समस्या को अनियंत्रित एवं अनिश्चत हालात में पहुंचा दिया है। पीओके के सबसे उत्तरी इलाके गिलगित बाल्टिस्तान के लोग पिछले कुछ दिनों से पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी भारत के केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के साथ मिलाए जाने की मांग कर रहे हैं। पीओके में आजादी के नारे लगने एवं उसे लद्दाख के साथ मिलाए जाने की मांग के बाद शहबाज शरीफ सरकार और पाकिस्तानी सेना दोनों सकते में है। पाकिस्तान के अत्याचार के खिलाफ पीओकी की जनता जिस तरह खड़ी हो गई, उसने पाकिस्तानी नीति निर्माताओं को तनाव में ला दिया है। हजारों की संख्या में कश्मीरी लोग पीओके में जगह-जगह सड़कों पर उतर आए तो पाकिस्तान को पीओके के हाथ से निकल जाने का डर सताने लगा है। पीओके में विरोध को दबाने के लिए पाकिस्तानी दमन चक्र शुरू हो गया है। इसमें पाकिस्तान रेंजर्स और फ्रंटियर कोर को भी लगाया गया है। पीओके के सभी 10 जिलों में इंटरनेट और मोबाइल सेवाएं बंद कर दी गई हैं। भाजपा की मोदी सरकार के मुख्य एजेंडे में पीओके को पाकिस्तान से मुक्त कराकर भारत में शामिल करना पहले से निश्चित है। पीओके का ताजा संघर्ष एवं आन्दोलन भाजपा की राह को निश्चित ही आसान करेंगी।

भारत के विभाजन के तुरंत बाद पाकिस्तान द्वारा जम्मू और कश्मीर की रियासत पर आक्रमण करने के बाद पीओके बनाया गया था। पाकिस्तानी सेना और आदिवासी हमलावरों के हमले के तहत, महाराजा हरिसिंह ने भारत से सैन्य मदद मांगी, जिसके बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सेना को पूरी रियासत पर कब्जा करने से रोक दिया। अब, लगभग सात-आठ दशक से अधिक समय के बाद, जबकि पाकिस्तान भारी वित्तीय, राजनीतिक और मानवीय संकट में फंस गया है जबकि भारत अपने आर्थिक राजनैतिक और वैज्ञानिक मापदंडों में तेजी से आगे बढ़ रहा है और अपनी सैन्य शक्ति को सशक्त कर रहा है। जम्मू-कश्मीर में विकास की गंगा बह रही है, वहां के लोग शांति, शिक्षा व्यापार एवं विकास की दृष्टि से नये कीर्तिमान गढ़ रहे हैं जबकि पीओके कम मानव विकास के साथ आर्थिक प्रगति से वंचित जनजीवन से जुड़ी समस्याओं से जूझ रहा है। स्वयं को ठगा महसूस करते हुए पीओके की आम जनता अब शांति चाहती है अमन चाहती है, विकास चाहती है जोकि पाकिस्तान में रहते हुए असंभव है। दोगली नीतियों के चलते पीओके के प्राकृतिक संसाधनों का पाकिस्तान खुलकर दोहन करता रहा, जबकि वहां के लोग ईंधन, बिजली, शिक्षा चिकित्सा और जरूरी बुनियादी सुविधाओं की कमी से जूझते रहे। पीओके के लोगों ने मई 2023 में बिजली की ऊंची दरों के खिलाफ आंदोलन शुरू किया था, जो एक साल बाद अब उग्र रूप ले चुका है। आंदोलन से काफी पहले पीओके के लोगों का भारत के प्रति झुकाव समय समय पर मुखर होता रहा है। पाकिस्तान की राजनीति की दूषित हवाओं ने पीओके की चेतना एवं सोच को आन्दोलनकारी बना दिया है। सत्ता के गलियारों में स्वार्थों की धमाचौकड़ी देखकर वहां के लोग समझ गये कि उनका शोषण एवं उत्पीड़न ही हो रहा है। यही कारण है कि पिछले साल पीओके और गिलगित के लोगों ने पाकिस्तान की भेदभाव वाली नीतियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान अपने इलाकों को भारत के साथ मिलाने को ही अपने हित एवं शांतिपूर्ण जीवन के अनुरूप मानने लगे हैं।

कुछ-अलग

क्या युवाओं का बौद्धिक विकास ठीक से हो रहा है?

चेतन भगत

हाल ही में एक वीडियो बहुत चर्चित हुआ। एक निजी विश्वविद्यालय के बेखबर छात्र विरोध-प्रदर्शन में भाग लेने चले आए थे। एक रिपोर्टर के साधारण से सवालों के जवाब में वे दो वाक्य भी नहीं बोल पा रहे थे। वीडियो देखकर कइयों की हंसी फूट पड़ी, लेकिन वह उतना ही दुःखद भी था। उसमें हमारे आज के औसत कॉलेज छात्रों का एक छोटा-सा नमूना नजर आया था। वे साधारण छात्र नहीं थे।

उनके माता-पिता ने उन्हें अच्छी परवरिश दी थी और गुणवत्तापूर्ण स्कूलों में दाखिला दिलाया था। वे महंगे निजी विश्वविद्यालयों का खर्च उठाने में भी सक्षम थे। वे छात्र अच्छे कपड़े पहनते हैं और महंगे फोन रखते हैं। इसके बावजूद जब वे कुछ कहने के लिए मुंह खोलते हैं तो हम पाते हैं कि उनकी पढ़ाई लिखाई ठीक से नहीं हो सकी है। यह एक गंभीर स्थिति है। इसका यह मतलब है कि हमारे मौजूदा स्नातकों और भावी स्नातकों का एक पूरा वर्ग- जो शायद लाखों में हैं- ऐसा है, जिसकी किसी चीज के बारे में सोचने, समझने, उसका विश्लेषण या समाधान करने की क्षमता शोचनीय है। स्कूल के बारह साल और कॉलेज के तीन या चार साल पूरे करने के बाद ये हालात हैं। मैं एक मोटिवेशनल स्पीकर के रूप में पूरे देश की यात्राएं करता हूं और कॉलेज-छात्रों को संबोधित करता हूं। यह कहते हुए मुझे दुःख हो रहा है कि औसत छात्र अयोग्यता का भयावह स्तर प्रदर्शित करते हैं। अगर युवा किसी भी चीज में दिमाग लगाने से ही इनकार कर देंगे तो हम विकसित कैसे बनेंगे? मैं यह नहीं कह रहा हूं कि भारत में मेधावी छात्र नहीं हैं। भारत के छात्र ही यूनिकॉर्न के संस्थापक, इंवेंटर्स शीर्ष वकील और सर्जन बने हैं। लेकिन, वे अपवाद हैं। जब 'सभी' छात्रों की बात आती है, तो चीजें इतनी उजली नहीं लगतीं। सर्वेक्षणों से पता चलता है कि आधे से अधिक भारतीय स्नातक बेरोजगार हैं। ऐसा क्यों है? हम अक्सर इसके लिए अपनी शिक्षा प्रणाली को दोष देते हैं। शायद आंशिक रूप से वह हो भी। लेकिन वास्तविक कारण इससे गहरे हैं। भारतीय परिवार, जिनमें साधन संपन्न परिवार भी शामिल हैं, अपने बच्चों को पढ़ने, लिखने, सोचने, विश्लेषण करने, राय देने और समस्याओं को हल करने के लिए प्रोत्साहित नहीं करते। कितने मध्यम वर्गीय या उच्च मध्यम वर्गीय परिवार ऐसे हैं, जो खाने की मेज पर किताबों, करंट अफेयर्स, वैश्विक चिंताओं आदि पर चर्चा करते हैं? इसके बजाय हम इस बारे में बात करना पसंद करते हैं कि खाना कैसा बना है, घी अचार और गुड़ कितना अच्छा है, कौन किससे शादी कर रहा है, रियलिटी शो और क्रिकेट में क्या हो रहा है, कौन-सी वेब सीरीज देखनी है या कौन-सा बॉलीवुड स्टार विवाह कर रहा है। इससे भी बदतर यह है कि हम आजकल खाने की मेज पर भी फोन में लगे रहते हैं। दिमागी जड़ता वहीं से शुरू होती है। इसके लिए किसी राष्ट्रीय शिक्षा नीति, पाठ्यक्रम या कॉलेज को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। वीडियो देखना नया चलन बन गया है। किताबें पढ़ने को समय की बर्बादी माना जाता है। कई छात्र कहते पाए जाते हैं कि 'मैं किताबें नहीं पढ़ता, मैं तो वीडियो देखना पसंद करता हूं।

लालू यादव ने लोगों से बीजेपी को वोट न देने की अपील की

एजेंसी

पटना, 16 मई (नवसत्ता)। राजद सुप्रीमो और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने आज भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि भगवा पार्टी आरक्षण और लोकतंत्र को खत्म करने पर तुली हुई है। लोकसभा चुनाव प्रचार के बीच सोशल मीडिया पर लालू यादव ने लोगों से बीजेपी को वोट न देने की अपील की। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा कि प्यारे देशवासियों, सतर्क और सावधान हो जाइए! भाजपा आपका आरक्षण, देश का लोकतंत्र और संविधान खत्म करने पर तुल गया है। देश का संविधान नहीं रहेगा तो देश में लोकतंत्र भी नहीं रहेगा। आप देश के समान रूप से नागरिक भी नहीं रहेंगे। आप ऐसे नागरिक नहीं रहेंगे जिनके पास

अधिकार होंगे, संवैधानिक सुरक्षा और उपचार के उपाय हों। आप चंद लोगों के गुलाम मात्र रह जाएंगे। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान है तो आरक्षण है और आरक्षण है तो गैर बराबरी, उत्पीड़न एवं अत्याचार से सुरक्षा है। समानता का भाव है, उपचार है। उन्होंने कहा कि भाजपाई चाल चरित्र से समता विरोधी हैं। ये लोग संविधान व आरक्षण खत्म कर समाज में गैर बराबरी बढ़ा लोगों को पुनः मानसिक गुलाम बनाना चाहते हैं। बार-बार भाजपा के नेता स्पष्ट रूप से कह रहे हैं कि वे लोकतंत्र को खत्म करना चाहते हैं, नया संविधान बनाना चाहते हैं, आरक्षण को खत्म करना चाहते हैं लेकिन आरक्षण और संविधान विरोधी बयानबाजी पर प्रधानमंत्री मोदी और उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष ने किसी भी नेता और प्रत्याशी पर कभी भी कोई भी कार्रवाई नहीं की है। स्पष्ट दिखता है उन्हें जानबूझकर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से हरी झंडी मिली हुई है।

जानवरों के हित के लिए कार्यरत मुंबई के एक दयालु पुलिस अफसर

एजेंसी

मुंबई, 16 मई (नवसत्ता)। हमारे देश में जानवरों के लिए कानून तो है लेकिन उन्हें सख्ती से लागू करने वालों की कमी है। एक जांबाज पुलिस अफसर ने जानवरों पर हो रही क्रुरता से सख्ती से लड़ने और पशु प्रेमियों को सशक्त करने की ठान ली है।

मुंबई के बोरीवली थाने के सीनियर पुलिस अफसर सुधीर कुडालकर न केवल एक पशु प्रेमी है बल्कि वो जानवरों के हक के लिए लड़ने और उनके प्रति बढ़ती क्रूरता को रोकने के प्रति कार्यरत है।

अपने इस उद्देश्य को आगे ले जाने के लिए उन्होंने प्यूर एनिमल लवर नाम की संस्था का संगठन किया है जिसमे हजारों पशु प्रेमी शामिल है। इसकी शुरुआत 2020 में व्हाट्सप्प पर हुई थी जब लॉकडाउन में जानवरों को खाना खिलाने वाले पशु प्रेमियों ने कुडालकर से मदद मांगी। आज पीएलए के व्हाट्सप्प पर 8000 से

ज़्यादा मेंबर्स है और यह संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती ही रहती है।

पाल की एक लीगल टीम भी है जिसमे 25 वकील शामिल है। यह पशुओ से जुड़े कोई भी केस को लड़ने के पैसे नहीं लेते हैं। यह देश की जानवरों के लिए एकमात्र लीगल टीम है। पाल की टीम लाचार, भूखे, बीमार और पीड़ित जानवरों की मदद करती है जिनकी मदद को कोई भी नहीं आता है। बीमार और घायल जानवरो को एम्बुलेंस से पास के अस्पताल तक पहुंचाया जाता है। यह काम लोकल फीडर्स की मदद से किया जाता है। आप दो श्वान लकी और शेरू को ही ले लीजिये। लकी के मुंह मे कुछ क्रूर इंसानो ने जलते पटाखे से विस्फोट कर दिया था। और उसकी दुम भी काट दी थी। उसके इलाज में लाखो का खर्चा आया। शेरू को मुंह में कैंसर था। पाल की टीम ने उसके आखरी दिनों में उसकी सेवा की और उस पे भी लाखों खर्च किये। जितने भी फंड्स की आवश्यकता होती है वह पाल मेंबर्स आपस में मिल कर ही जुटाते है। यह सारी प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी होती है।

जानवरों को खाना खिलाने से रोकने या हिंसा करने पर भी भारतीय कानून में सजा का प्रावधान है। हमें लोगों को आईपीसी की धाराये 428 और 429 के बारे में जागरूक करने की आवश्यकता है। भारतीय संविधान के अधिनियम 51 ने हर भारतीय नागरिक को पशु और पक्षियो को खाना खिलाने का मूल अधिकार दिया है कुडालकर ने कहा।

जानवओं के प्रति हिन्सा और अपराध बढ़ोतरी पर है। इन्हे रोकने के लिए जागरूकता फैलाना बहुत जरूरी है। जिस तरह इंसानों के लिए कानून हैं वैसे ही जानवरों के लिए भी कानून है और अपराधी सड़ा के उत्तरदायी हैं; कुडालकर ने कहा। इंस्पेक्टर सुधीर कुडालकर खुद हर रोज़ करीब सौ से ज़्यादा जानवरों को खाना खिलाते है। इस काम के लिए उन्होंने विशेष दो लोगो को सैलरी पर रखा हुआ है।

8 साल पुलिस की नौकरी करने के बावजूद कुडालकर जानवरों पे हो रहे अत्याचारों को रोकना अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि मानते हैं।

उनके इस निस्स्वार्थ कार्य के लिए खुद मुंबई पुलिस कमिश्नर ने उनको एक पत्र में सराहा है। पाल ग्रुप के लिए उनके बड़ी योजनायें है, जो की अब एक फाउंडेशन के तौर पर रजिस्टर हो चूका है। कुडालकर जानवरो के लिए मुंबई में एक शेल्टर बनाने की योजना कर रहे हैं। इसके अलावा बिल्लियों के मुफ्त जन्म नियंत्रण करने की भी योजना है। और जानवरों के लिए रात्रि में चलने वाली एम्बुलेंस जिससे उन्हें चिकित्सा मिलने में देरी न हो। इंस्पेक्टर कुडालकर ने मुंबई में हजारों की तादाद में मुफ्त पानी के सीमेंट बाउल्स भी बांटे हैं जिससे जानवर गर्मी के मौसम में अपनी प्यास बुझा सकते हैं। वह अपने सोशल मीडिया पर वीडियो के माध्यम से लोगो तक यह संदेश और जागरूकता पहुंचते रहते है।

कश्मीर के कारीगरों ने हाथों से बनाया एशिया का सबसे बड़ा कालीन

एजेंसी

जम्मू, 16 मई (नवसत्ता)। उत्तरी कश्मीर के क्रालपोरा क्षेत्र के वेइल गांव में कश्मीरी कारीगरों ने एशिया के सबसे बड़े हस्तनिर्मित कालीन को तैयार करने का दावा किया है। यह हाथ से बुना कश्मीरी कालीन 72 फुट लंबा और 40 फुट चौड़ा है, जो 2,880 वर्ग फुट के क्षेत्र को कवर करता है।

इस उत्कृष्ट कलाकृति को पूरा करने में 25 से अधिक कारीगरों को लगभग आठ वर्षों का समय लगा। कश्मीर घाटी का पूरा कालीन उद्योग अपनी रचना पर गर्व करता है। इस कालीन की जटिल बुनाई की देखरेख शिल्प के दो अनुभवी शिल्प विक्रेता फैयाज अहमद शाह और अब्दुल गफ्फार शेख की ओर से की गई।

शिल्प विक्रेता फैयाज अहमद शाह ने कहा, यह हमारे देश के ही एक व्यक्ति का ऑर्डर था। हमें कई चीजों पर अपना दिमाग लगाना पड़ा, क्योंकि बुनाई के लिए एक विशाल करघे की जरूरत थी। यह बड़ी चुनौती थी और

कारीगरों की मेहनत से आखिरकार यह पूरा हो गया। उन्हें यकीन है कि इसे विदेशों में बेचा जाएगा और भविष्य में हम इससे भी बड़ा कुछ बनाएंगे।

इस उत्कृष्ट कारीगरी की बुनाई के पिछले आठ साल सहज नहीं रहे हैं। ऐसी कई बाधाएं हैं, जिनका कारीगरों को सामना करना पड़ा, विशेष रूप से कोविड़-19 का। लॉकडाउन के कारण आपूर्ति संबंधी कई रुकावटें आई।

इस कालीन ने कश्मीर की कला और शिल्प की समृद्ध विरासत के लिए एक नया अध्याय लिखा है। जो घाटी अपनी पश्मीना शॉल और रेशम कालीन के लिए प्रसिद्ध है, उसे अब इस उत्कृष्ट कृति के निर्माण के साथ एक नया रास्ता मिल गया है।

हिन्दी की गूंज संस्था का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

एजेंसी

नई दिल्ली, 16 मई (नवसत्ता)। देश की अग्रणी साहित्यिक संस्था हिन्दी की गूंज ने 15 मई 2024 को अपना तेरहँवा स्थापना दिवस आभासी पटल पर मनाया। इस अवसर पर विचार-विमर्श एवं मंथन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम संचालक खेमन्द्र ने अपने अपने उत्कृष्ट संचालन प्रतिभा को दिखाते हुए सर्वप्रथम संस्था के पुरोधा पुरुष स्वर्गीय राज करण सिंह का स्मरण करते हुए सभी का स्वागत और अभिनन्दन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंजु शर्मा के मधुर कंठ से प्रस्फुटित स्वरस्वती वंदना हे स्वर की देवी वाणी में मधुरता दो, में गीत सुनाती हूं संगीत की शिक्षा दो से हुआ। संस्था के सह संयोजक रमेश कुमार गंगेले ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि इस मुहिम को अधिक सशक्त बनाने के लिए संस्था के रजिस्टेशन कराने की आवश्यकता है तथा वार्षिकोत्सव के अतिरिक्त अन्य कार्यक्रम होते रहने चाहिए। हल्द्वानी

शाखा प्रभारी निर्मला जोशी ने शाखा के प्रयासों के बारे में बताते हुए कहा कि अल्प साधनों के होते हुए भी हल्द्वानी शाखा संस्था के प्रयासों को आगे ले जाने के लिए कृतसंकल्प है। मीडिया टीम के प्रहरी और बिजनौर शाखा के प्रभारी प्रमोद चौहान ने इस बात पर ज़ोर दिया कि सभी शाखा प्रभारियों को हिन्दी के प्रचार- प्रसार को कारगर बनाने के लिए अपने-अपने क्षेत्र में लोगों को इस अभियान से जोड़ना चाहिए। संस्था की नन्ही कलम राम कुमार पांडेय ने नीहार के मार्गदर्शन को याद करते हुए कहा कि उनकी प्रेरणा से ही उन्होंने स्नातक स्तर पर हिंदी विषय को चुना है। डॉक्टर संजय सिंह ने कहा कि 2012 में पांच सदस्यों से प्रारंभ हुई संस्था से लोग जुड़ते गये और संस्था ने आज वट वृक्ष का रूप के लिया है। डॉक्टर सिंह ने कहा कि वो अन्य कार्यक्रम से भी जुड़ते रहते हैं पर हिन्दी के प्रति इतना समर्पण कहीं और नहीं देखने को मिलता। इस अवसर पर शाहजहांपुर के सुप्रसिद्ध बाल साहित्यकार डा. साजिद मोहम्मद खान ने हिन्दी की गूंज के प्रयासों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। डॉक्टर ममता श्रीवास्तव ने बाल चौपाल को आभासी पटल के स्थान पर जगह जगह पर जाकर करने का प्रस्ताव रखा और स्मारिका को प्रिंट कराने की बात कही। तरुणा पुंडीर ने साहित्य और संवेदनशीलता का जिक्र करते हुए कहा संस्था के सदस्यों में बेहतर तालमेल को बड़ी पूंजी बताया। वरिष्ठ कथाकार विमला रस्तोगी ने कहा कि मैं हिन्दी की गूंज संस्था को अपना भरपूर सहयोग करुंगी। संस्था के संयोजक नीहार ने भारतवादी राजकरण को याद करते हुए बताया कि संस्था का पहली कार्यक्रम सूरज मल इंटर कॉलेज पलवल में आयोजित हुआ था। उन्होंने कहा इस समय संस्था तीन पीढ़ियों के साथ काम कर रही है और इस मुहिम को आगे ले जाने के लिए युवा पीढ़ी को आगे आना होगा। तमिलनाडु शाखा की प्रभारी रोचिका अरूण शर्मा ने हिन्दी अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता प्रकट की। उड़ीसा शाखा प्रभारी ज्योति ने कहा कि हिन्दी की गूंज से जुड़कर स्वयं का भी आत्मविश्वास बढ़ा है,एक पहचान मिली है।

15 स्वास्थ्य कर्मचारियों को दो साल से नहीं मिला वेतन

एजेंसी

भोपाल, 16 मई (नवसत्ता)। दमोह जिला अस्पताल में कार्यरत करीब 15 कर्मचारियों को बीते दो साल से वेतन नहीं मिला है, जिससे इनकी पारिवारिक हालत खराब हो चुकी है। गुरुवार को यह कर्मचारी वेतन की मांग लेकर कलेक्टर से गुहार लगाने पहुंचे और इन्हें नौकरी करते हुए 20 साल बीत गए हैं। एक कर्मचारी अपनी लकवाग्रस्त मां को लेकर भी पहुंचा था तो दो कर्मचारियों की हार्ट की बायपास सर्जरी होनी है, लेकिन हाथ में पैसे नहीं हैं।

यह सभी कर्मचारी दो साल से परेशान हैं और लगातार शासन से पत्राचार कर रहे हैं। इन कर्मचारियों का कहना है कि वह सभी आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। परिवार के लोगों के भरण-पोषण की व्यवस्था भी नहीं हो पा रही है। इसलिए वह चाहते हैं कि उनका वेतन जारी किया जाए। कर्मचारी संदीप चौबे ने बताया कि वह 20 साल से जिला अस्पताल में

कार्यरत हैं। पहले रोगी कल्याण समिति के माध्यम से सेवाएं दे रहे थे, उसके बाद शासन के नियमों के तहत उनकी नियुक्ति की गई। सभी 15 कर्मचारी इसी प्रक्रिया के तहत नियुक्त किए गए हैं। पहले उन्हें हमेशा वेतन मिलता था, लेकिन दो साल से वेतन नहीं मिल रहा।

जब उन्होंने पत्राचार किया तो शासन से स्पष्ट नियमावली आई कि यह कलेक्टर के अधिकार क्षेत्र का मामला है। सिविल सर्जन ने इस मामले की फाइल को दबा रखा था। इसलिए वह अब कलेक्टर के पास पहुंचे हैं। ताकि उनका वेतन जारी किया जा सके। लेब अटेंडेंट मनोज जोशी ने बताया कि उसके पिता बुजुर्ग हैं, परिवार की जवाबदारी है।

खेल

राजस्थान हारी तो इरफान पठान को आया गुस्सा

एजेंसी

नई दिल्ली, 16 मई (नवसत्ता)। आईपीएल में जबरदस्त शुरुआत करते हुए टॉप पर रहने वाली राजस्थान रॉयल्स को अब लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ा है। गुवाहाटी में खेले गए मुकाबले में संजू सैमसन की कप्तानी वाली टीम को पंजाब किंग्स ने 5 विकेट से शिकस्त हराया। टूर्नामेंट से पहले ही बाहर हो चुकी टीम के हाथों मिली इस हार ने प्लेऑफ से पहले राजस्थान की खराब फॉर्म के कारण हर किसी को चिंता में डाल दिया है। इस हार से एक तरफ राजस्थान के कप्तान सैमसन समेत पूरी टीम निराश थी तो दूसरी ओर पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान गुस्से में थे और इसकी वजह राजस्थान का ही एक खिलाड़ी था।

राजस्थान रॉयल्स ने इस मैच में

पहले बैटिंग की और सिर्फ 145 रन बनाए। इस बार टीम के सभी टॉप बल्लेबाज बुरी तरह नाकाम रहे और सिर्फ रियान पराग ने कुछ दम दिखाते हुए 48 रन बनाए, जिसके दम पर टीम इस स्कोर तक पहुंच पाई। पंजाब को भी इस स्कोर तक पहुंचने में संघर्ष करना पड़ा लेकिन लक्ष्य ज्यादा बड़ा न होने के कारण टीम ने इसे हासिल कर लिया। पंजाब की इस जीत के स्टार कप्तान सैम करन थे, जिन्होंने 2 विकेट लिए और फिर नाबाद 61 रन बनाकर टीम को जिताया। इधर राजस्थान की हार हुई, उधर आईपीएल में कॉमेंट्री कर रहे पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने खुले आम अपनी नाराजगी जाहिर कर दी। उनकी ये नाराजगी थी राजस्थान रॉयल्स के दिग्गज ओपनर जॉस बटलर को लेकर जो इस मैच में नहीं खेल रहे थे। इरफान की नाराजगी की वजह भी यही थी क्योंकि बटलर सीजन खत्म होने से पहले ही से पहले ही अपने देश इंग्लैंड लौट गए थे। इरफान ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने बटलर के इस तरह अचानक लौटने को गलत बताया। पठान ने कहा कि सभी फ्रेंचाइजी को इस बात पर ध्यान देना होगा कि अगर कोई भी विदेशी खिलाड़ी पूरे सीजन के लिए उपलब्ध नहीं हो सकता तो उसे ये बात पहले ही बतानी चाहिए।

बेंगलुरु और चेन्नई के बीच 18 तारीख को मुकाबला होगा

एजेंसी

नई दिल्ली, 16 मई (नवसत्ता)। इंडियन प्रीमियर लीग 2024 के समाप्त होने में अब बस कुछ ही दिन शेष हैं। लेकिन उससे पहले प्लेऑफ की जंग अभी भी जारी है। 18 मई यानी शनिवार को आरसीबी और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच मुकाबला होगा, ये मुकाबला दोनों के बीच प्लेऑफ के टिकट के लिए होगा। सबसे दिलचस्प बात इस मुकाबले की ये है कि ये 18 मई को खेला जाएगा। ये तारीख आईपीएल इतिहास में आरसीबी के लिए बेहद खास रही है। इस तारीख में आरसीबी ने कोई भी मैच नहीं गंवाया है।

दरअसल, 18 मई को इससे पहले आरसीबी ने चार आईपीएल मैच खेले हैं और चारों में उसे जीत हासिल हुई है। 18 मई को आरसीबी ने दो बार को सीएसके को ही मात दी है, जबकि एक बार पंजाब किंग्स को हराया है

और एक बार सनराइजर्स हैदराबाद को। इसके अलावा ये तारीख विराट कोहली के लिए भी बेहद अहम है। इन चारों मैचों में कोहली का प्रदर्शन ऐसा रहा है जिसे सुनकर आपको हैरानी होगी। विराट कोहली ने इन चार मैचों में एक पचासा लगाया है, जबकि दो शतक भी ठोके हैं। 18 मई 2016 को जब आरसीबी ने पंजाब किंग्स को डकवर्थ लुइस मेथड से 82 रनों से हराया था तो उस समय विराट कोहली ही मैन ऑफ द मैच बने थे। इसके बाद आईपीएल 2023 में 18 मई को आरसीबी ने सनराइजर्स हैदराबाद को आठ विकेट से हराया था, तब विराट ने शतक जड़ा था।

फुटबॉल कप्तान सुनील छेत्री छह जून को लेंगे संन्यास

एजेंसी

नई दिल्ली, 16 मई (नवसत्ता)। भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री ने इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास का ऐलान कर दिया है। टीम के स्टार फॉरवर्ड खिलाड़ी छेत्री ने इसकी जानकारी 16 मई को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर वीडियो शेयर कर के दी। उन्होंने बताया कि वह अपना आखिरी मुकाबला 6 जून को कुवैत के खिलाफ खेलेंगे।

छेत्री ने वीडियो में कहा, मैंने अपने माता-पिता और पत्नी को सबसे पहले इस फैसले के बारे में बताया। मेरे पिता खुश थे, लेकिन मेरी मां और पत्नी रोने लगी।

सुनील छेत्री ने भारत के लिए साल 2005 में सीनियर टीम में डेब्यू किया था। बाईचुंग भूटिया के बाद उन्होंने टीम की कमान संभाली। उन्होंने भारत

के लिए 150 मैचों में 94 गोल किए हैं। भारतीय नेशनल टीम के लिए छेत्री के नाम 94 गोल हैं। वो क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेसी के बाद सबसे ज्यादा इंटरनेशनल गोल करने वाले एक्टिव खिलाड़ी हैं।

छेत्री को साल 2021 में खेल रत्न अवॉर्ड से नवाजा गया। इससे पहले उन्हें 2019 में पद्म श्री और 2011 में अर्जुन पुरस्कार मिला था। इसके अलावा छेत्री ने अपने शानदार करियर में छह बार एआईएफएफ प्लेयर ऑफ द ईयर पुरस्कार जीता।

सुनील छेत्री का जन्म 3 अगस्त 1984 को सिकंदराबाद में हुआ था। उनके पिता केबी छेत्री आर्मी मैन थे जबकि मां सुशीला ने नेपाल की नेशनल फुटबॉल टीम के लिए खेला था।

सुनील छेत्री की पोस्ट पर भारत के स्टार बैटर विराट कोहली ने कमेंट किया। उन्होंने लिखा, 'मेरे भाई, हमें तुम पर गर्व है।' छेत्री का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ।

सुनील छेत्री के संन्यास के फैसले पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने ट्वीट किया है। बोर्ड ने लिखा आपका करियर असाधारण से कम नहीं रहा है और आप भारतीय फुटबॉल और भारतीय खेलों के लिए एक अभूतपूर्व प्रतीक रहे हैं।

अफ्रीका की टी-20 वर्ल्डकप टीम में सिर्फ एक अश्वेत खिलाड़ी

एजेंसी

नई दिल्ली, 16 मई (नवसत्ता)। टी-20 वर्ल्ड कप के लिए चुनी गई साउथ अफ्रीकी टीम को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। टीम में केवल एक अफ्रीकी अश्वेत खिलाड़ी को शामिल किए जाने को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं और क्रिकेट साउथ अफ्रीका की आलोचना की जा रही है। साउथ अफ्रीका के पूर्व खेल मंत्री फिकिले मबालुला और साउथ अफ्रीका क्रिकेट और इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के पूर्व अध्यक्ष रे माली ने भी दो अफ्रीकी अश्वेत खिलाड़ियों को जगह नहीं दिए जाने पर नाराजगी जाहिर की है। दरअसल साउथ अफ्रीका क्रिकेट टीम में प्लेइंग इलेवन में दो अफ्रीकी अश्वेत खिलाड़ी सहित 6 अश्वेत खिलाड़ी को शामिल किया जाना जरूरी है।

वहीं 2 जून से अमेरिका और

वेस्टइंडीज में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप के लिए साउथ अफ्रीका की जो 15 सदस्यीय संभावित टीम चुनी गई है, उसमें केवल एक अफ्रीकी अश्वेत खिलाड़ी कगिसो रबाडा को शामिल किया गया है। वहीं लुंगी एनगिडी को रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर रखा गया है। जबकि टीम में पांच अन्य अश्वेत खिलाड़ियों में रीजा हेंड्रिक्स, ब्योर्न फोर्टुइन, केशव महाराज, तबरेज शम्सी और ओटनील बार्टमैन को जगह दी गई है। साउथ अफ्रीका के पूर्व खेल मंत्री फिकिले एमबालुला ने टी-20 वर्ल्ड कप के लिए चुनी गई टीम पर सवाल उठाते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट में लिखा- टी-20 वर्ल्ड कप के लिए केवल एक अफ्रीकी खिलाड़ी को टीम में चुना गया है। यह सम्मानता लाने के लक्ष्य से उलट है। इसमें साउथ अफ्रीकी लोगों का उचित प्रतिनिधित्व नहीं है।

वहीं क्रिकेट अफ्रीका और इंटरनेशनल क्रिकेट के अध्यक्ष रह चुके रे माली ने कहा कि हमने खेल में बहुत हासिल कर लिया है, लेकिन हम क्रिकेट के मामले में पिछड़ रहे हैं। हमने आगे बढ़ने के बजाय एक कदम पीछे ले लिया है। इसे स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उन्होंने आगे कहा, मैं समझ नहीं पा रहा हूं कि आज के समय में साउथ अफ्रीका क्रिकेट टीम में अश्वेत खिलाड़ियों की संख्या ज्यादा क्यों नहीं हो सकती है। हमने उन लोगों को धोखा दिया है जिन्होंने हमें इस देश के लिए एकता पर बातचीत करने के लिए कहा था। अफ्रीका में टीम चयन को लेकर फिलहाल अभी कोई चयन कमेटी नहीं है। टी-20-वनडे टीम के कोच रॉब वाल्टर और टेस्ट टीम के कोच शुकी कोनराड ही टीम का चयन करते हैं। उन्होंने फ्रिक इंफो से बातचीत में कहा है कि घरेलू सर्किट में चयन के लिए इतनी गहराई मौजूद नहीं है। हमें सिस्टम को आगे बढ़ाने की जरूरत है, ताकि कुछ सालों में हमारे पास विकल्प हों और हम जब 2027 वनडे वर्ल्ड कप का आयोजन करें, तब टीम थोड़ा अलग दिखे और हम नियमों का पालन कर सकें।

साउथ अफ्रीका की टीम अब तक वर्ल्ड कप नहीं जीत सकी है। टीम इंडिया ने 2007 में पहली बार हुए टूर्नामेंट का ही खिताब अपने नाम कर लिया था। भारत के अलावा पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका ने भी 1-1 बार खिताब जीता है। वेस्टइंडीज (2012 × 2016) और इंग्लैंड (2010 × 2022) ने 2-2 बार टी-20 वर्ल्ड कप की ट्रॉफी पर कब्जा किया है। टूर्नामेंट अब तक 8 बार खेला गया है, अमेरिका और वेस्टइंडीज में टूर्नामेंट का 9वां एडिशन खेला जाएगा।

कुश्ती महासंघ ओलंपिक ट्रायल के पक्ष में नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली, 16 मई (नवसत्ता)। पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल करने वाले पहलवानों की मांग के बाद भारतीय कुश्ती महासंघ अब ओलंपिक के ट्रायल कराने के पक्ष में नहीं है। ओलंपिक के लिए काफी कम समय को ध्यान में रखते हुए ट्रायल को टालने का मन बनाया गया है, कुश्ती महासंघ जल्द ही इसकी आधिकारिक घोषणा करेगा।

महासंघ की चयन नीति के अनुसार ओलंपिक कोटा हासिल करने वाले पहलवानों को पेरिस जाने के लिए ट्रायल से गुजरना होगा। ट्रायल के विजेता पहलवानों को ही पेरिस भेजा जाना था, लेकिन ट्रायल के लिए अब ज्यादा समय नहीं बचा है। महासंघ के एक पदाधिकारी के

अनुसार पहले उन्हें ट्रायल कराना था, लेकिन ट्रायल कराने का यह सही समय नहीं है। हमारे वैसे ही काफी कम पहलवान ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किए हैं। अगर ट्रायल कराया जाता है तो पहलवानों को वजन कम करना पड़ेगा, जिसका तैयारियों पर विपरीत असर पड़ेगा। ट्रायल के बजाय पहलवानों की विदेश में तैयारियां ठीक रहेंगी। विश्व क्वालिफायर में ओलंपिक कोटा हासिल करने वाले एकमात्र पहलवान अमन का कहना है कि वह इस वक्त ओलंपिक की तैयारियां करें या फिर ट्रायल के लिए वजन कम करें। वह कई बार अपना वजन कम कर चुके हैं अब ट्रायल के लिए वजन कम करना उन्हें नुकसान पहुंचाएगा। ट्रायल कराने से ओलंपिक की तैयारियों पर फर्क पड़ेगा। एक महिला पहलवान ने नाम नहीं छापने की शर्त पर कहा कि जिन्होंने कोटा हासिल किया है उन्हीं को ओलंपिक में भेजा जाना चाहिए। महासंघ ने ओलंपिक की तैयारियों के लिए कोटा हासिल करने वाले एकमात्र पुरुष पहलवान अमन (57) और पांच महिला पहलवानों विनेश (50), अंतिम पंघाल (53), अंशु मलिक (57), निशा (68) और रीतिका (76) को अगले माह हंगरी में होने वाले रैंकिंग टूर्नामेंट में भेजने का फैसला लिया है।

ओडिशा के लोगों ने नवीन पटनायक को आराम देने का फैसला किया है: जे पी नड्डा

एजेंसी

भुवनेश्वर, 16 मई (नवसत्ता)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवारों के समर्थन में ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में बृहस्पतिवार को रोड शो के दौरान भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने कहा कि राज्य के लोगों ने भाजपा की सरकार बनाने तथा मुख्यमंत्री नवीन पटनायक को आराम देने का फैसला किया है। रोड शो के दौरान भगवा रंग के, खुली छत वाले वाहन में खड़े नड्डा ने सड़क के दोनों तरफ मौजूद भीड़ का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। मौसिना चक से लिंगराज मंदिर तक के इस रोड शो में पार्टी अध्यक्ष नड्डा के साथ भुवनेश्वर की भाजपा सांसद और उम्मीदवार अपराजिता सारंगी और एकामरा-भुवनेश्वर विधानसभा सीट से पार्टी उम्मीदवार बाबू सिंह भी मौजूद थे।

लोगों ने भाजपा अध्यक्ष का स्वागत किया और सड़क के दोनों ओर स्थित इमारतों से उन पर पुष्पवर्षा की। रोड शो में भाजपा कार्यकर्ताओं ने पार्टी के झंडे लहराए और नारे लगाए। तीन किलोमीटर लंबे रोड शो के दौरान पत्रकारों से बातचीत में नड्डा ने कहा कि लोगों का उत्साह बताता है कि उन्होंने पिछले 24 वर्षों से ओडिशा पर शासन कर रहे नवीन पटनायक को आराम देने का और भाजपा की सरकार चुनने का फैसला किया है।'' उन्होंने राज्य में एक साथ हो रहे लोकसभा और विधानसभा चुनाव के लिए तेरह मई को संपन्न पहले चरण के मतदान का जिक्र करते हुए नड्डा ने कहा, बीजू जनता दल (बीजद) की बस छूट गई है।

ओडिशा में मुख्यमंत्री पद के लिए भाजपा के संभावित चेहरे के बारे में पूछे जाने पर नड्डा ने कहा कि भाजपा ने चुनाव परिणाम के तीन दिनों के भीतर मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में अपने मुख्यमंत्रियों का फैसला कर लिया था। उन्होंने कहा, ओडिशा में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिलेगा।

कटक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के रोड शो के एक दिन बाद भुवनेश्वर में नड्डा ने रोड शो निकाला। उनका बारगढ़ और सुंदरगढ़ लोकसभा सीटों पर दो जनसभाओं को संबोधित करने का कार्यक्रम है। भाजपा अध्यक्ष बुधवार को ओडिशा पहुंचे थे। मुख्यमंत्री और बीजद अध्यक्ष नवीन पटनायक का भी शाम को राज्य की राजधानी में एक रोड शो निकालने का कार्यक्रम है। कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे आज दिन में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करेंगे। उनका कंधमाल जिले के फुलबनी में एक रैली को संबोधित करने का भी कार्यक्रम है। उनका दौरा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी द्वारा बोलांगीर में एक चुनावी रैली को संबोधित करने के एक दिन बाद हो रहा है। इस बीच चुनाव प्रचार के लिए दो बार ओडिशा का दौरा कर चुके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 20 मई को फिर से यहां आने वाले हैं। केंद्रीय मंत्रियों के अलावा भाजपा शासित असम, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के मुख्यमंत्रियों ने भी ओडिशा में चुनाव प्रचार किया है। राज्य की 147 विधानसभा सीटों और 21 लोकसभा सीटों के लिए एक साथ चुनाव हो रहे हैं।

बंगाल चुनाव रैली में अमित शाह ने सत्यजीत रे का जिक्र किया

एजेंसी

कोलकाता, 16 मई (नवसत्ता)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल में हिंसा, भ्रष्टाचार और ध्रुवीकरण को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा और टीएमसी सरकार पर गरीबों के अधिकार छीनने का आरोप लगाया। ममता सरकार पर कटाक्ष करते हुए, शाह ने दावा किया कि अगर ऑस्कर से सम्मानित फिल्म निर्माता सत्यजीत रे जीवित होते, तो उन्होंने सीएम के कुशासन को दर्शाते हुए एक फिल्म ममता बनर्जी हीरक रानी हैं बनाई होती। शाह ने हुगली में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा सत्यजीत रे एक महान कलाकार थे। उन्होंने एक फिल्म बनाई, हीरक राजार देशे। जब ममता बनर्जी का शासन शुरू हुआ, तब सत्यजीत रे जीवित नहीं थे। अन्यथा, उन्होंने फिल्म का नाम हीरक रानीर देशे रखा होता। ममता बनर्जी हीरक रानी हैं। दिग्गज उत्पल दत्त और सौमित्र चटर्जी अभिनीत 1980 की क्लासिक, एक डायस्टोपियन फंतासी फिल्म है जो एक अत्याचारी, महापाषाण राजा के इर्द-गिर्द घूमती है जो असहमति को कुचलता है और अपनी प्रजा को पीड़ा देता है। शाह ने कहा बंगाल वह भूमि है जिसने हमें वंदे मातरम और राष्ट्रगान जन गण मन दिया और स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कम्युनिस्टों और टीएमसी दोनों ने बंगाल में राष्ट्रवाद और देशभक्ति को खत्म करने की कोशिश की। गृह मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर (पीओके) भारत का हिस्सा है और हम इसे लेंगे। 2019 में सरकार द्वारा अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद, कश्मीर में शांति लौट आई है। लेकिन अब हम पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में विरोध प्रदर्शन देख रहे हैं। पहले आजादी के नारे यहां (कश्मीर) लगते थे, अब वही नारे पीओके में सुनाई देते हैं। पहले यहां पथराव होता था, अब पीओके में पथराव हो रहा है। उन्होंने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर के एक पुराने वीडियो को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, मणिशंकर अय्यर जैसे कांग्रेस नेता कहते हैं कि ऐसा नहीं करना चाहिए क्योंकि उनके पास परमाणु बम है।

मैंने ही इंड़िया ब्लॉक बनाया, गठबंधन में ही रहेगी टीएमसी: ममता बनर्जी

एजेंसी

कोलकाता, 16 मई (नवसत्ता)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को स्पष्ट किया कि उन्होंने इंडिया ब्लॉक बनाया है और अगर वह 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से बाहर कर केंद्र में सरकार बनाती है तो वह गठबंधन का हिस्सा बनेंगी। बहुत से लोगों ने मुझे गलत समझा। हम भारत गठबंधन में रहेंगे। मैंने इंडिया गठबंधन बनाया है। तृणमूल कांग्रेस ने इंडिया ब्लॉक के साथ सीट-बंटवारे के मुद्दों के बाद राज्य में अकेले लोकसभा चुनाव लड़ने का फैसला किया था। ममता ने पहले कहा था कि अगर भाजपा हारती है तो वह विपक्षी मोर्चे को बाहर से समर्थन प्रदान करेंगी। उनका यह कड़ा बयान उन अटकलों के बीच आया है कि अगर विपक्ष सत्ता में आता है तो उन्हें प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार माना जा सकता है। बनर्जी ने यह स्पष्ट कर दिया कि राज्य में गठबंधन संभव नहीं है, जबकि उन्होंने कहा कि कांग्रेस-सीपीएम परोक्ष रूप से भाजपा का समर्थन कर रहे हैं। लेकिन, उन्होंने कहा, जब दिल्ली की बात आती है तो टीएमसी इंडिया ब्लॉक को नेतृत्व प्रदान करेगी और बाहर से हर तरह से मदद करेगी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की केंद्र में सरकार बनाने के लिए बाहर से इंडिया गठबंधन को समर्थन देंगे वाली टिप्पणी पर कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि मुझे उन पर भरोसा नहीं है, वे गठबंधन छोड़कर भाग गईं। वे भाजपा की तरफ भी जा सकती हैं। वे कांग्रेस पार्टी को नष्ट करने की बात कर रही थी कि कांग्रेस को 40 से अधिक सीटें नहीं मिलेंगी लेकिन अब वह यह कह रही हैं कि इसका मतलब है कि कांग्रेस पार्टी और गठबंधन सत्ता में आ रहा है।

5वें चरण की 49 सीटों में से कांग्रेस के पास सिर्फ एक, अब दांव पर है साख

एजेंसी

नई दिल्ली, 16 मई (नवसत्ता)। लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में आठ राज्यों की 49 संसदीय सीटों पर 20 मई यानी सोमवार को वोटिंग होनी है। इस चरण में उत्तर प्रदेश, बिहार से लेकर महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल सहित आठ राज्यों में 695 उम्मीदवारों की किस्मत दांव पर लगी हुई है। पांचवें चरण की 49 सीटों में से कांग्रेस के पास महज रायबरेली एकलौती सीट है, जबकि बीजेपी 65 फीसदी सीटों पर अपना दबदबा बनाए रखने में कामयाब रही है। ऐसे में कांग्रेस के लिए सत्ता में वापसी करना है तो बीजेपी के बढ़ते सियासी आधार पर पांचवें फेज में रोकने की चुनौती है।

2024 के लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में उत्तर प्रदेश की 14 सीट, महाराष्ट्र की 13, पश्चिम बंगाल की 7, ओडिशा की 5, बिहार की 5, झारखंड की 3, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की 1-1 सीट शामिल हैं। पांचवें चरण में 8 राज्यों की 49 सीटों पर वोटिंग के बाद 428 लोकसभा सीटों पर चुनाव खत्म हो जाएगा। पांचवें चरण के जिन 8 राज्यों की सीट पर चुनाव है, उसमें 7 राज्यों में कांग्रेस को 2019 में से एक भी सीट नहीं मिली थी, यूपी की रायबरेली की सीट ही जीत सकी थी जबकि अमेठी सीट कांग्रेस गंवा दी थी। रायबरेली और अमेठी सीट गांधी परिवार के गढ़ मानी जाती रही है, लेकिन इस बार सोनिया गांधी की जगह राहुल गांधी रायबरेली के उतरे हैं।

लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में जिन 49 लोकसभा सीटों पर 20 मई को वोटिंग है, 2019 में बीजेपी ने उन पर एकछत्र दबदबा जमाने में कामयाब रही थी। पिछले चुनाव में इन 49 सीटों में से कांग्रेस सिर्फ एक सीट ही जीत सकी थी, जबकि बीजेपी ने 32 सीटें जीती थीं। इसके अलावा जेडीयू के एक, एलजेपी एक, शिवसेना 7, बीजेडी एक, नेशनल कॉफ्रेंस एक और टीएमसी 4 सीटें जीतने में सफल रही थी। बीजेपी नेतृत्व वाले एनडीए 41 सीटें जीतने में कामयाब रही थी, जबकि यूपीए सिर्फ दो सीटें ही जीत सकी थी, अन्य को पांच सीटें मिली थी। पांचवें चरण

में उत्तर प्रदेश की 14 लोकसभा सीट पर चुनाव है। लखनऊ मोहनलालगंज, अमेठी, रायबरेली जालौन, झांसी, हमीरपुर, बांदा कौशांबी, फतेहपुर, गोंडा, कैसरगंज बाराबंकी और फैजाबाद सीट पर वोटिंग है। इन 14 में से 1 सीट कांग्रेस जीत सकी थी जबकि बाकी 13 सीटें बीजेपी जीतने में कामयाब रही थी। 2024 में बीजेपी ने अपने सभी 14 सीटों पर उम्मीदवार उतार रखे हैं तो 10 सीट पर सपा उम्मीदवार और चार सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी है। बसपा सभी 14 सीट पर चुनाव लड़ रही है। कांग्रेस के पास रायबरेली सीट को बचाए रखने के साथ-साथ अपने कोटे की चार में से ज्यादातर सीटें जीतने की चुनौती होगी।

लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में बिहार की पांच और झारखंड की तीन सीट पर मतदान है। बिहार में सीतामढ़ी, मधुबनी, मुजफ्फरपुर सारण और हाजीपुर सीट पर चुनाव है। 2019 में इन सभी सीटों पर एनडीए कब्जा जमाने में कामयाब रही थी, जिसमें जेडीयू-एलजेपी एक-एक सीट और बीजेपी तीन सीटें जीतने में सफल रही। पांचवें चरण में झारखंड की जिन तीन सीट पर चुनाव हो रहे हैं, उन सभी पर बीजेपी का कब्जा है। चतरा, कोडरमा और हजारीबाग सीट पर चुनाव है, जहां इंडिया गठबंधन और एनडीए के बीच कांटे की मुकाबला है, बिहार के मुजफ्फरपुर और सारण की सीट पर सबकी नजर है। मुजफ्फरपुर में इस बार बीजेपी ने अपना प्रत्याशी बदल दिया है। टिकट नहीं मिलने से नाराज होकर पिछली बार के सांसद अजय निषाद कांग्रेस में शामिल हो गए और कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। सीतामढ़ी में जेडीयू ने अपना प्रत्याशी बदल दिया है। सारण में लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य चुनाव मैदान में हैं। यहां पर रोहिणी आचार्य का मुकाबला राजीव प्रताप रूडी से है। हाजीपुर से इस बार चिराग पासवान खुद चुनाव लड़ रहे हैं। इन दोनों सीटों पर भी लोगों की नजर रहेगी। महाराष्ट्र में पांचवे चरण में 13 लोकसभा सीटों पर चुनाव है, जिसमें धुले, डिंडोरी, नासिक, कल्याण पालघर, भिवंडी, ठाणे, मुंबई उत्तर मुंबई उत्तर पूर्व, मुंबई दक्षिण मध्य मुंबई दक्षिण, मुंबई उत्तर पश्चिम और मुंबई उत्तर मध्य सीट शामिल हैं। 2019 में इन 13 में से सात सीटें शिवसेना जीतने में कामयाब रही थी और बीजेपी 6 सीटें जीतने में सफल रही। एनडीए ने पूरी तरह से विपक्ष का सफाया कर दिया था। इस बार बदले हुए राजनीतिक समीकरण में एनडीए और इंडिया गठबंधन के बीच कांटे की फाइट मानी जा रही है, सबसे ज्यादा प्रतिष्ठा बीजेपी की लगी है। शिवसेना दो हिस्सों में बंट गई है, उद्धव ठाकरे गुट वाली शिवसेना और एकनाथ शिंदे वाली शिवसेना की अग्निपरीक्षा है। एनसीपी शरद पवार और अजीत पवार के बीच बंट गई है। उद्धव ठाकरे और शरद पवार कांग्रेस से साथ मिलकर चुनावी मैदान में हैं, जबकि बीजेपी एकनाथ शिंदे, अजीत पवार को लेकर बीजेपी के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है। पश्चिम बंगाल की सात लोकसभा सीटों पर पांचवें चरण में चुनाव है। बंगाल में बनगांव, हावड़ा, उलूबेरिया श्रीरामपुर, हुगली, आरामबाग और बैरकपुर सीट पर 20 मई को मतदान है। 2019 में इन 7 में से चार सीटें टीएमसी जीतने में कामयाब रही थी जबकि बीजेपी केवल 3 सीटें ही जीत सकी थी। पिछली बार की तरह इस बार भी कांटे की फाइट मानी जा रही है।

अडाणी एनर्जी ने 1,900 करोड़ रुपये में एस्सार की महान सीपत ट्रांसमिशन संपत्ति का अधिग्रहण किया पूरा

संवाददाता

अहमदाबाद, 16 मई (नवसत्ता)। अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल) ने एस्सार ट्रांस्को लिमिटेड में 1,900 करोड़ रुपये के एंटरप्राइज वैल्यू पर 100त्न हिस्सेदारी का अधिग्रहण कर लिया है। यह शेयर अधिग्रहण जून 2022 में हुए निश्चित समझौतों के तहत हुआ है। इस अधिग्रहण में मध्य प्रदेश के महान और छत्तीसगढ़ के सिपत पूलिंग सबस्टेशन को जोड़ने वाली पूरी तरह से ऑपरेशनल 400 केवी, 673 सर्किट किलोमीटर की इंटर-स्टेट ट्रांसमिशन लाइन शामिल है। यह प्रोजेक्ट सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन (सीईआरसी) रेगुलेटेड रिटर्न फ्रेमवर्क के तहत संचालित हो रहा है और इसे 22 सितंबर 2018 को चालू किया गया था। एईएसएल के कैपिटल मैनेजमेंट के अनुसार, एटीएसटीएल ने भी सबसे अधिक प्रतिस्पर्धी शर्तों पर वित्तपोषण जुटाया है।

यह एईएसएल के लिए पूंजी जुटाने के मामले में एक नया बेंचमार्क स्थापित करता है जो इसके ऑपरेशनल एसेट्स के लिए कम लागत वाले ऋण को अनलॉक करता है। यह फाइनेंसिंग एक लॉन्ग-टर्म लाइसेंस लाइफ के साथ एईएसएल के यूटिलिटी कैश-फ्लो की गुणवत्ता का भी उदहारण पेश करता है, जिसे एक स्थिर रेगुलेटरी फ्रेमवर्क का समर्थन प्राप्त है। एमयूएफजी बैंक लिमिटेड इस वित्तपोषण के लिए एकमात्र ऋणदाता है। महान-सिपत ट्रांसमिशन नेटवर्क के अधिग्रहण से मध्य भारत में एईएसएल की उपस्थिति मजबूत होगी, जहां अब इसकी 4 ऑपरेटिंग संपत्तियां हैं, जिनमें कुल 3,373 सर्किट किलोमीटर लाइनें शामिल हैं। यह अधिग्रहण मौजूदा क्षमता को बढ़ाने और ऑपरेशनल सहयोग के माध्यम से दक्षता लाने तथा नेटवर्क प्रभाव बनाने के एईएसएल के दृष्टिकोण के अनुरूप है। बढ़ती हुई ऊर्जा की मांग के साथ, सही मौकों को पहचानने और उनका फायदा उठाने की काबिलियत, भारत में ऊर्जा क्षेत्र में बदलाव लाने में एईएसएल को सबसे आगे रखती है

सीबीआई ने पीएनबी के कर्मी एवं एक निजी व्यक्ति के विरुद्ध मामला किया दर्ज

सीबीआई ने पीएनबी, एलसीबी शाखा, भोपाल में कैश क्रेडिट खाता रखने वाली एक व्यावसायिक इकाई के खाते से 4.98 करोड़ रु.(लगभग) कथित अवैध हस्तांतरण के आरोप में पंजाब नेशनल बैंक, दिल्ली रोड शाखा, हापुड के हेड कैशियर, एक निजी व्यक्ति एवं अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध मामला दर्ज किया। सीबीआई ने एक शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया जिसमें आरोप है कि पीएनबी, दिल्ली रोड, हापुड़ शाखा के हेड कैशियर ने निजी व्यक्तियों के साथ षड्यंत्र में अवैध रूप से व्यावसायिक इकाई के कैश क्रेडिट खाते को निजी व्यक्ति की फर्म के साथ विलय कर दिया एवं इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से विभिन्न खातों में 4.98 करोड़ रु. (लगभग) स्थानांतरित किए, जिससे पंजाब नेशनल बैंक को उसी अनुरूप हानि हुई। सीबीआई ने हापुड़ में आरोपियों के स्थानों में तलाशी ली, जिसमें आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद हुए। इस मामले में जाँच जारी है।

बीजेपी में आने के बाद सभी माफिया सुधर जाते हैं: स्वतंत्र देव सिंह

संवाददाता

लखनऊ, 16 मई (नवसत्ता)। भारतीय जनता पार्टी की उत्तर प्रदेश सरकार में जल शक्ति विभाग के कैबिनेट मंत्री स्वतन्त्र देव सिंह शामिल हुए। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में माहौल एकतरफा है यानी बीजेपी के पक्ष में है। 2017 के पहले कभी सपा की तो कभी बसपा की सरकार बनती थी। लोकप्रियता के आधार पर बीजेपी की वजह से सरकार पहली बार बनी है। उन्होंने कहा कि योगी सरकार के विकास और कानून की वजह से बीजेपी ने यूपी में लोकप्रियता की वजह से सरकार में है। उन्होंने आरोप लगाया कि 2014, 2017 से पहले सिर्फ बम फटते हैं।

श्रीनगर से लेकर संकटमोचन, अयोध्या तक में बम फटते थे। लोग पहले श्रीनगर चौक में जय श्री राम बोलने में भी डरते थे। लेकिन बीजेपी के बाद देश में शांति और खुशहाली है। स्वतंत्र देव सिंह ने आरोप लगाया कि सपा शासन में लोग शाम में 5 बजे बाहर जाने से डरते थे। गुंडागर्दी चरम सीमा पर थी। बिजली की समस्या थी। पर योगी सरकार की वजह से लोग न सिर्फ 5 बजे बल्कि रात के 12 बजे भी जेवर पहन कर घर से निकल पाती हैं। बीजेपी की सरकार गई तो गुंडागर्दी वापस आ जाएगी।

ये सवाल पूछे जाने के बाद कि योगी सरकार तो कहते हैं कि माफियाओं को मिट्टी में मिला देंगें, फिर बीजेपी को धनंजय सिंह, अभय सिंह, ब्रजेश सिंह जैसे माफियाओं की जरूरत क्यों पड़ती है। इस पर स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि बीजेपी में आने के बाद सभी माफिया सुधर जाते हैं। सही रास्ते पर चलने लगते हैं। धनंजय सिंह को माफिया मानने न मानने के सवाल पर स्वतंत्र सिंह ने बोला कि ये कानून का काम है। बल्कि वो तो चाहेंगे कि राज्य में सभी गरीबों के कल्याण के लिए काम करें।

स्वतंत्र सिंह देव से पूछा गया कि क्या अखिलेश यादव के पीडीए की रणनीति की वजह से बीजेपी का ओबीसी वोटबैंक छिटक रहा है क्या। इस पर उन्होंने कहा कि सभी जाति के लोग वोट देते हैं। सभी के समर्थन से ही सरकार बनती है। गरीब क्लायण योजना की वजह से पिछड़े बीजेपी के साथ है। मंत्रीमंडल में आजादी के बाद सबसे बड़ी संख्या पिछड़ों की है। सभी वर्गो के लोग बीजेपी के साथ है।

स्वतंत्र सिंह ने साथ ही ये भी कहा कि बीजेपी की सरकार में ईद-बकरीद और नवरात्रि पर पूरे 24 घंटे बिजली दी जाती है। जबकि उनकी सरकार में ईद-बकरीद पर 24 घंटे तो नवरात्रि पर 2 घंटे बिजली दी जाती है। हमारी सरकार के दौर में सभी का समान तरह से विकास किया जाता है। संगठन के आधार पर बीजेपी राजनीति करती है।

ओवैसी बोले- मोदी के बिना सूखे पत्ते की तरह उड़ जाएगी बीजेपी

एजेंसी

नई दिल्ली, 16 मई (नवसत्ता)। एआईएमआईएम चीफ असुद्दीन ओवैसी ने दुआ की है कि नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री नहीं बनें। उन्होंने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री बनने से रोकने के लिए वह खूब प्रयास कर रहे हैं। असुद्दीन ओवैसी के मुताबिक नरेंद्र मोदी के बिना बीजेपी का कोई अस्तित्व नहीं है। मोदी के बिना बीजेपी सूखे पत्ते की तरह हवा में उड़ जाएगी। असुद्दीन ओवैसे गुरुवार के सत्ता सम्मेलन में बोले रहे थे। उन्होंने अयोध्या के धन्नीपुर में बनने वाले मस्जिद को मस्जिदे जरारा करार दिया। कहा कि वह इस मस्जिद में कभी नहीं जाएंगे।

सत्ता सम्मेलन में असुद्दीन ओवैसी से केजरीवाल द्वारा प्रधानमंत्री के रिटायर होने संबंधी सवाल पूछा गया। इसके जवाब में उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि मोदी के बिना बीजेपी का कोई भविष्य नहीं है। वह गृहमंत्री अमित शाह के पीओके वाले बयान पर भी जमकर बरसे। कहा कि आप 10 साल से सरकार में हैं, क्यों नहीं ले आए पीओके। अब चुनाव में जाने के बाद बयान देने लगे। कहा कि इस समय तो माहौल भी गरम है, ले लीजिए। यदि ऐसा करते हैं तो वह खुद खड़े होकर उनके लिए जिंदाबाद के नारे लगाएंगे।

उन्होंने कहा कि वह सिक्योरिटी के मामले में देश के साथ हैं। देश है तो ही मोदी भी है। उन्होंने बीजेपी के घर में घुस कर मारने वाले बयान पर कहा कि मारिए ना चीन को। कहा कि चीन भारत की 2000 किमी जमीन कब्जा कर बैठा है। यदि चीन को अभी नहीं निकाला तो सियाचीन से भी हाथ धो बैठेंगे। उन्होंने कहा कि बीते 5 साल में चीन ऑल वेदर रोड बना चुका है, बंकर बना चुका है। इसके बाद भी आप कह रहे हैं कि ना कोई घुसा था और ना ही घुसेगा।

उन्होंने कहा कि हैदराबाद में बीजेपी ने उन्हें रोकने के लिए पूरी ताकत लगा दी, बावजूद इसके वह बिहार और औरंगाबाद में प्रचार करने गए। जबकि यहां बीजेपी खुद फंस गई। उन्होंने हैदराबाद से बीजेपी उम्मीदवार माधवी लता पर तंज कसते हुए कहा कि कोविड के समय उनका अस्पताल गरीबों से पैसा चूसने के आरोप में ब्लैकलिस्टेड था। उन्होंने कहा कि हैदराबाद की आवाम उन्हें पांचवीं बार संसद भेजने वाली हैं। कभी बीजेपी तो कभी कांग्रेस की बी टीम कहे जाने पर ओवैसी ने कहा कि सभी लोग अपनी सुविधा के मुताबिक उन्हें तमगा दे रहे हैं, लेकिन जब वह चुनाव लड़ते हैं तो सभी के साथ लड़ते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी पर उन्होंने हिन्दू मुसलमान करने का आरोप लगाया। कहा कि वह बड़ी सफाई से झूठ बोलते हैं। दावा करते हैं कि इतने लोग गरीबी से निकल गए। जबकि गरीबों की लिस्ट में सबसे ज्यादा मुसलमान हैं। कम सैलरी और जॉबलेस कैटेगरी में मुसलमान ज्यादा हैं। उन्होंने कहा कि पीएम जो 15 प्रतिशत की बात करते हैं, वो किसके लिए करते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री के उस बयान पर तंज कसा जिसमें उन्होंने बचपन में मुसलमानों के साथ ईद मनाने की बात कही थी। ओवैसी ने कहा कि बीते 10 साल में आप एक इफ्तार की दावत तो कर नहीं पाए।

जगन्नाथ कनौजिया बने बिरसिंहपुर प्रभारी अध्यक्ष

संवाददाता

सुलतानपुर, 16 मई (नवसत्ता)। भारतीय उद्योग व्यापार मंडल जयसिंहपुर तहसील के बिरसिंहपुर बाजार की बैठक चौराहे पर संपन्न हुई जिसमें संगठन को और सक्रिय बनाने के लिए जगन्नाथ कनौजिया को प्रभारी अध्यक्ष बनाया गया। जिला प्रभारी रमेश अग्रहरि की अध्यक्षता में हुई बैठक में सर्वसम्मति से जगन्नाथ कनौजिया को प्रभारी बनाया गया। भारतीय उद्योग व्यापार मंडल प्रदेश महामंत्री रवीन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि व्यापारी देश व प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है लेकिन आजादी के बाद व्यापारियों के मान सम्मान की चिंता सरकारों ने नहीं की लेकिन जब से भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी व भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने जब से सत्ता संभाली है तब से व्यापारियों के हित में कई फैसले हुए उत्तर प्रदेश के सरकार ने व्यापारियों को सम्मान सुरक्षा देने का काम किया भामाशाह जयंती को प्रदेश भर में सरकारी रूप से मनाए जाने का अध्यादेश पारित किया व्यापारी पेंशन योजना लागू किया व्यापारियों की समस्याओं के निस्तारण के लिए व्यापार कल्याण बोर्ड का गठन किया वही हमारे प्रधानमंत्री जी ने भारत देश में जी 20 का आयोजन कर व्यापारियों उद्यमियों के मान सम्मान को बढ़ाने का काम किया। महामंत्री ने अधिक से अधिक मतदान करने की अपील व्यापारियों से किया और साथ ही निवेदन किया कि व्यापारी भामाशाह के वंशज हैं सदियों से दान करते आए हैं इसीलिए व्यापारियों से निवेदन है कि जो बुजुर्ग विकलांग मतदान स्थल नहीं पहुंच सकते हैं उन्हें अपने खर्चे से मतदान स्थल तक पहुंचाएं।बैठक में जिला उपाध्यक्ष अवधेश सिंह जगन्नाथ कनौजिया अमरनाथ कनौजिया हनुमान गुप्ता सोनू जायसवाल सोनू जायसवाल पवन गुप्ता पंच बहादुर मोदनवाल रामचंद्र अग्रहरी निखिलेश मोदनवाल शिव शंकर चौरसिया बंटी मोदनवाल सुरेश मोदनवाल रमेश मोदनवाल प्रदीप मुन्ना मोदनवाल आशीष आदि मौजूद रहे।

अज्ञात बोलेरो ने बाइक को मारी टक्कर, चालक की मौत

संवाददाता

हलिया-मिर्जापुर, 16 मई (नवसत्ता)। थाना क्षेत्र के मतवार गांव स्थित वन चौकी के पास बुधवार की दोपहर अज्ञात बोलेरो वाहन के धक्के से बाइक सवार मां बेटा सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए थे जिसकी जिला अस्पताल ले जाते समय वाइक चालक राकेश पाल की मौत हो गई थी इसके बाद मृतक के चचेरे भाई राजनाथ पाल ने गुरूवार को अज्ञात बोलेरो चालक के विरुद्ध लापरवाही पूर्ण वाहन चलाने से हुई मौत का मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस मुकदमा दर्ज कर वाहन की तलाश में जुट गयी है। थाना क्षेत्र के औरा गांव निवासी चौबीस वर्षीय राकेश पाल अपनी पचपन वर्षीया मां अनारकली को बाइक पर बैठा कर क्षेत्र के नौडिहवा गांव स्थित अपने रिश्तेदारी में जा रहा था जैसे ही मतवार गांव स्थित वन विभाग चौकी के पास पहुचा कि अज्ञात वाहन ने जोरदार धक्का मार दिया जिससे बाइक सवार मां बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों के सहयोग से दोनों घायलो को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया में भर्ती कराया गया जहां प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ अवधेश कुमार ने प्राथमिक उपचार करने के बाद दोनों की हालत गंभीर देखते हुए मंडलीय चिकित्सालय रेफर कर दिया था इसी दौरान मंडलीय चकित्सालय ले जाते समय बाइक चालक राकेश पाल के सिर में आई गंभीर चोटों के कारण रास्ते में मौत हो गई थी।

इस संबंध में थाना अध्यक्ष विष्णु प्रभा सिंह ने बताया कि वाइक सवार की मौत के बाद मृतक के चचेरे भाई की तहरीर पर बोलेरो नम्बर सहित अज्ञात चालक के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर बोलेरो की तलाश की जा रही है।

सीबीएसई परीक्षा में छात्र छात्राओं ने जनपद का नाम किया रोशन

संवाददाता

सुलतानपुर, 16 मई (नवसत्ता)। सीबीएसई बोर्ड में जनपद के होनहारों ने अच्छी सफलता पाकर क्षेत्र व जनपद का मान बढ़ाया जिसपर क्षेत्रवासी व परिवारजन गदगद हैं। कादीपुर के त्रिभुवन देवी अकेडमी के छात्र प्रतीक सिंह ने सीबीएसई बोर्ड हाईस्कूल में 90 प्रतिशत प्राप्त किया जिनके पिता जीवन बीमा निगम के मुख्य सलाहकार दिनेश सिंह व माता सविता सिंह जो प्राथमिक विद्यालय में अध्यापिका हैं के अलावा क्षेत्रवासियों ने बालक को शुभकामनाएं दिया है। वहीं गुरु चरन पब्लिक स्कूल के प्रखर श्रीवास्तव ने 98 प्रतिशत प्राप्त कर विद्यालय में टाप पर रहे।

कादीपुर कस्बे के अनिरुद्ध नगर निवासी सेवानिवृत्त सेन्ट्रल बैंक वरिष्ठ प्रबंधक राजनारायन तिवारी के पौत्र व प्रसिद्ध दन्त चिकित्सक डा प्रमोद तिवारी की भतीजी तथा इफको में अभियंता अक्षय तिवारी की सुयोग्य पुत्री डेलही पब्लिक स्कूल की छात्रा अदिति तिवारी ने सीबीएसई हाईस्कूल परीक्षा में सर्वश्रेष्ठ अंक प्राप्त कर विद्यालय व परिवारजनों का मान बढ़ाया। सीबीएसई परीक्षा में स्टेला मेरिस कान्वेंट स्कूल के छात्र वरिष्ठ पत्रकार मनोराम पांडेय के पौत्र व पत्रकार दिनेश पांडेय के पुत्र देव पांडेय ने 94 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में स्थान बनाया जिनकी सफलता पर बाबा वरिष्ठ पत्रकार मनोराम पांडेय जी ने अपनी शुभकामनाएं दिया है।

रोटरी क्लब ने दी नगर के प्राचीनतम पुस्तकालय को वॉटर प्यूरीफायर की सौगात

संवाददाता

मिर्जापुर, 16 मई (नवसत्ता)। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी , अमर बलिदानी सुखदेव थापर जी की जन्म जयंती के अवसर पर रोटरी क्लब विंध्याचल ने नगर के सबसे प्राचीन पुस्तकालय लाला लाजपत राय साहित्य सदन, नारघाट में पाठको एवं छात्र-छात्राओं को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वॉटर प्यूरीफायर की स्थापना की। पुस्तकालयाध्यक्ष वीरेश त्रिपाठी ने बताया कि पुस्तकालय में हिन्दी, संस्कृत, उर्दू एवम बंगला साहित्य की लगभग 35 हजार से अधिक किताबें उपलब्ध हैं।

1928 में लाला लाजपत राय साहित्य सदन की स्थापना श्री बटुक नाथ अग्रवाल द्वारा की गई थी जो आज डिजिटल लाइब्रेरी का रूप ले चुकी है। रोटरी क्लब विंध्याचल के अध्यक्ष सुशील झुनझुनवाला ने बताया कि यह पुस्तकालय हमारी संस्कृति और साहित्य को संजोए हुए एक अमूल्य धरोहर है और इसको संरक्षित एवम सुरक्षित रखने की आवश्कता है, इस पुस्तकालय में अत्यन्त पुराने दुर्लभ पुस्तकों का अद्भुत संग्रह है जिससे युवा पीढ़ी को भी बहुत कुछ सीखने को मिलेगा।

इस अवसर पर सचिव उदय गुप्ता, संजय सिंह गहरवार, मयंक गुप्ता, रोहित श्रीवास्तव,मुकेश जायसवाल, रवि कुमार एवं अन्य पाठकगण, छात्र छात्राएं एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे।

घर में घुसे तेंदुए को चिड़ियाघर के डॉक्टरों ने किया काबू

संवाददाता

हलिया-मिर्जापुर, 16 मई (नवसत्ता)। थाना क्षेत्र के बेलाही गांव के बरहवा मुहल्ले में सुबह पांच बजे के करीब पानी की तलाश में जंगलों से भटक कर आया तेंदुआ गांव निवासी 38 वर्षीय श्रवण कुमार के ऊपर हमला करने के उपरांत बहादुर कोल के घर में घुस गया, ग्रामीणों की सूचना पर पहुंचे क्षेत्रीय वनाधिकारी अवध नारायण मिश्रा, डिप्टी डेंजर सीपी पांडेय सहित वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर पूरे मामले की जानकारी उच्च अधिकारियों को दिया। सूचना पर पहुंचे प्रभागीय वनाधिकारी कैमूर वन्य जीव प्रभाग तापस मिहिर उक्त गांव में पहुंचकर खूंखार तेंदुए को पकड़ने के लिए घोरावल के क्षेत्रीय वनाधिकारी सुरजू प्रसाद को पिंजरा तथा जाल लेकर मौके पर बुलाया। वन विभाग द्वारा पिंजरे को दरवाजे के पास लगाकर कच्चे मकान के ऊपर चढ़कर पिंजरे में घुसाने का काफी प्रयास किया गया लेकिन शाम सात बजे तक अथक प्रयास के बावजूद भी तेंदुआ पिंजरे के अंदर नहीं गया। तेंदुए को पिंजरे में घुसाने के लिए बकरे के छोटे बच्चे को भी पिंजरे में रखा गया लेकिन तेंदुआ पिंजरे में नहीं गया, अंततः मजबूरन प्रभागीय वनाधिकारी को कानपुर चिड़ियाघर से पशु चिकित्सक डॉक्टर नासिर की टीम को बुलाना पड़ा। डॉक्टर नासिर की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद ट्रेंकुलाइजर गन से घर में घुसे तेंदूए को रात एक बजे के करीब बेहोश कर सुरक्षित पिंजरे में कैद किया तब जाकर लोगों ने राहत की सांस ली। तेंदुए को पिंजरा सहित ट्रक पर लादकर हलिया वन रेंज के दिघिया वन चौकी पर लाया गया। पशु चिकित्सक डॉक्टर नासिर की देखरेख में तेंदुए का स्वास्थ्य परीक्षण करने के उपरांत उसे होश में लाते हुए पानी तथा खाने के लिए मुर्गा दिया गया। प्रभागीय वनाधिकारी ने बताया कि तेंदुआ पूरी तरीके से स्वस्थ हैं। मादा तेंदुए की उम्र 4 से 5 वर्ष के बीच तथा वजन 50 किलोग्राम के करीब है। खबर लिखे जाने तक तेंदुए को हलिया वन रेंज के दिघिया वन चौकी पर रखा गया है जिसे सुरक्षित जगह भेजने के बारे में अधिकारी आपस में विचार विमर्श करने में लगे हुए है वही तेंदुए के सुरक्षित पकड़े जाने पर आसपास के ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। पूरी रात पुलिस प्रशासन तथा वन विभाग की टीम मौके पर डटी रही।

मतदान कार्मिको का किया गया रैण्डमाइजेशन

मिर्जापुर, 16 मई (नवसत्ता)। लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 को पारदर्शी, निष्पक्ष एवं शान्पूिर्ण ढंग से सम्पन्न कराने हेतु पीठासीन अधिकारियों सहित अन्य सभी मतदान कार्मिको का द्वितीय रैण्डमाइजेशन बृहस्पतिवार को प्रेक्षक सामान्य एम0 वल्लार व जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियंका निरंजन की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी/प्रभारी अधिकारी स्वीप विशाल कुमार, उप जिला निर्वाचन अधिकारी शिव प्रताप शुक्ल, परियोजना निदेशक डी0आर0डी0ए0 अजय प्रताप सिंह, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी अभिषेक श्रीवास्तव, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी आलोक कुमार शर्मा इत्यादि उपस्थित रहे।

आओ आओ सुहागिन नारि कलश सिर धारण करो.....

संवाददाता

चांदा-सुलतानपुर, 16 मई (नवसत्ता)। तेरी चूड़ी अमर हो जाये कलश सिर धारण करो सप्तदिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान महायज्ञ के पूर्व गाजे-बाजे वा रथ के साथ कलश यात्रा निकाली गई। रंग-बिरंगे परिधान पहनकर महिलाओ ने मंगल गीत गाए। तो भक्ति गीतों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कोथरा खुर्द गांव में गुरूवार से आयोजित होने वाले श्रीमद्भागवत कथा पूर्व कलश यात्रा निकाली गई। मुख्य यजमान जगदम्बा प्रसाद श्रीवास्तव सिर पर श्रीभागवत पुराण को धारण किए हुए आगे चल रहे थे। वृंदावन धाम से पधारे देवराहा बाबा समाधि स्थल के मुखिया ब्रम्हर्षि देवदास जी महाराज बड़े सरकार के निर्देशन में कलश यात्रा कोथरा खुर्द स्थित शिव मन्दिर विधि पूर्वक पूजन के काली माई धाम हो कर कथा स्थल पर संपन्न हुई। कलश यात्रा के दौरान महिलाओं ने आओ आओ सुहागिन नारि, कलश सिर धारण करो जैसे भक्ति गीत गाए, शंख ध्वनि, घंटों की आवाज के मध्य वेद मंत्रों से वातावरण भक्तिमय हो गया। सैकड़ो महिलाओ के साथ साथ, आशीष श्रीवास्तव, प्रवीण कुमार, देवी प्रसाद वर्मा, गणपत वर्मा की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

कारोबार

स्टॉक-ब्रोकर ने वित्त मंत्री से कहा- सरकार मेरी स्लीपिंग पार्टनर

एजेंसी

नई दिल्ली, 16 मई (नवसत्ता)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दरअसल, इस वीडियो में एक स्टॉक ब्रोकर ने वित्त मंत्री से शेयर बाजार के ट्रांजैक्शन और घर खरीदने पर सरकार द्वारा लगाए जाने वाले अलग-अलग तरह के टैक्स को लेकर सवाल पूछा। स्टॉक ब्रोकर के इस सवाल पर गंभीर जवाब देने की बजाय वित्त मंत्री ने इसे मजाकिया अंदाज में टाल दिया। इस वजह से वित्त मंत्री की अब आलोचना हो रही है। यह वीडियो बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के एक इवेंट का है।

वीडियो में एक स्टॉक ब्रोकर वित्त मंत्री से कहता है, एक ब्रोकर के तौर पर जब हम किसी रिटेल इन्वेस्टर के लिए कोई ट्रेड लेते हैं, तो सरकार उस पर जीएसटी, आईजीएसटी, स्टांप ड्यूटी, एसटीटी और लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स लगाती है। इस हिसाब से देखा जाए तो सरकार एक स्टॉक ब्रोकर से ज्यादा पैसा कमा रही है।

मैं सब कुछ इन्वेस्ट कर रहा हूं, मैं सारी रिस्क ले रहा हूं, और भारत सरकार मेरा पूरा प्रॉफिट ले जा रही है। सरकार मेरी स्लीपिंग पार्टनर बन गई है और मैं अपने फाइनेंस के साथ वर्किंग पार्टनर हूं। मेरा रिस्क, मेरा स्टाफ और मेरा सबकुछ। तो इस पर आपका क्या सोचना है। इसके अलावा वीडियो में स्टॉक ब्रोकर ने वित्त मंत्री से एक दूसरा सवाल भी पूछा।

स्टॉक ब्रोकर ने कहा, सरकार ने अब घर खरीदने के लिए कैश की सुविधा बंद कर दी है।

अब बॉम्बे में अगर कोई भी घर खरीदना चाहता है तो वो उसके लिए एक नाइटमेयर बन गया है। क्योंकि जैसे मैं टैक्स पे कर रहा हूं और मेरे पास व्हाइट मनी है, तो अब हमें हर चीज का पेमेंट चेक से करना पड़ रहा है। क्योंकि मिस्टर लोहा कैश एक्सेप्ट नहीं करते हैं।

मेरा जो बैंक बैलेंस है, वो भारत सरकार को सभी टैक्स देने के बाद का है। फिर मैं जब मुंबई में घर खरीदता हूं, तो मुझे स्टांप ड्यूटी और जीएसटी यानी 11प्रतिशत टैक्स फिर देना पड़ता है। तो आप एक छोटे आदमी को जिसके पास लिमिटेड रिसोर्सेज हैं, उसे घर खरीदने के लिए कैसे असिस्ट करेंगी?

वीडियो में स्टॉक ब्रोकर आगे कहता है, इसके अलावा एक ब्रोकर इतने सारे टैक्स देने के बाद कैसे फंक्शन करेगा? जहां भारत सरकार मेरी स्लीपिंग पार्टनर है और मैं बिना इनकम के वर्किंग पार्टनर हूं। स्टॉक ब्रोकर के इन सवालों पर पहले तो वित्त मंत्री ने कहा कि उनके पास इसका कोई जवाब नहीं है। फिर उन्होंने हस्ते हुए कहा, एक स्लीपिंग पार्टनर यहां बैठकर जवाब नहीं दे सकता है। वित्त मंत्री के इस मजाकिया जवाब की अब सोशल मीडिया पर अलोचना हो रही है।

इवेंट के दौरान सीतारमण ने बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) से कड़े अनुपालन और मजबूत नियामक मानकों के माध्यम से निवेशकों का विश्वास बढ़ाने के लिए सेबी के साथ मिलकर सहयोग करने का आग्रह किया है।

इसके अलावा इस इवेंट में वित्त मंत्री ने रिटेल निवेशकों को डेरिवेटिव बाजार से जुड़े जोखिमों के बारे में आगाह किया।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जोखिम से भरे फ्यूचर और ऑप्शन सेगमेंट में अनचेक्ड एक्सप्लोजन संभावित रूप से हाउसहोल्ड फाइनेंस में समस्याएं पैदा कर सकता है।

600 रुपए महंगा हुआ सोना चांदी ने बनाया नया रिकॉर्ड

एजेंसी

नई दिल्ली, 16 मई (नवसत्ता)। अगर आप सोना खरीदने की तैयारी कर रहे हैं तो आपके लिए बुरी खबर है। इंटरनेशनल बाजार सोने में तेजी जारी है, जिसका असर भारत के घरेलू बाजार पर भी दिखने लगा है। गुरुवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने और चांदी के भाव में उछाल देखी गई है। ऐसे में अगर आप सोने और चांदी के गहने बनाने का प्लान कर रहे हैं तो एक बार यहां रेट जरूर चेक कर लें।

कारोबारी हफ्ते के चौथे दिन गुरुवार को सोने के भाव में तेजी रही। 24 कैरेट और 22 कैरेट गोल्ड के दाम 600 रुपये तक बढ़ गए हैं। दिल्ली में 10 ग्राम सोने का रेट 73,410 रुपये पर कारोबार कर रहा है। चांदी का रेट 87,700 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। 16 मई 2024 को दिल्ली में 22 कैरेट सोने की कीमत लगभग 67,310 रुपये प्रति 10 ग्राम है। वहीं 24 कैरेट सोने की कीमत लगभग 73,410 रुपये प्रति 10 ग्राम है। वहीं, मुंबई में 22 कैरेट सोने की कीमत 67,210 रुपये प्रति 10 ग्राम, जबकि 24 कैरेट सोने की कीमत 73,240 रुपये प्रति 10 ग्राम है। गुरुवार को एमसीएक्स पर चांदी के भाव में जबरदस्त तेजी देखने को मिली और इसकी कीमत रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। फिलहाल वायदा बाजार में चांदी 355 रुपये की तेजी के साथ 87,220 रुपये प्रति किलोग्राम पर बनी हुई है। वहीं बुधवार को चांदी 86,865 रुपये पर बंद हुई थी। घरेलू बाजार की तरह ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने के भाव में तेजी दर्ज की जा रही है।

वहीं चांदी की कीमतों में आज गिरावट दर्ज की गई है। गुरुवार को कॉमैक्स पर गोल्ड जून फ्यूचर्स में सोना 1.22 डॉलर महंगा होकर 2,392.94 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। वहीं चांदी कॉमैक्स पर मई फ्यूचर्स कॉन्ट्रेक्ट 0.12 डॉलर सस्ता होकर 29.60 डॉलर पर आ गई।

नॉर्वे में क्यों ब्लैकलिस्ट हुई अडानी ग्रुप की कंपनी

एजेंसी

नई दिल्ली, 16 मई (नवसत्ता)। भारत के दूसरे सबसे अमीर उद्योगपति गौतम अडानी के लिए एक नई मुश्किल खड़ी हो गई है। उनके ग्रुप की सबसे प्रमुख कंपनी अडानी पोर्ट्स एंड एसईजेड को नॉर्वे में एक सॉवरेन वेल्थ फंड ने ब्लैकलिस्ट कर दिया है। अडानी पोर्ट को उसने अपने पोर्टफोलियो से भी बाहर कर दिया है। इसके पीछे का कारण जानकर आप और हैरान हो जाएंगे। नॉर्वे के सबसे बड़े सॉवरेन फंड्स में से एक नॉरजेस बैंक इंवेस्टमेंट मैनेजमेंट ने इस बारे में बुधवार को एक स्टेटमेंट जारी किया। फंड की ओर से ऐलान किया गया है कि वह अपने पोर्टफोलियो से अब अडानी पोर्ट एंड एसईजेड को बाहर कर रही है। इतना ही नहीं, सॉवरेन फंड ने अमेरिका की एल3 हैरिस टेक्नोलॉजीस इंक और चीन की वेईचाई पावर कंपनी को भी अपने पोर्टफोलियो से निकाल दिया है।

नॉर्वे के सॉवरेन फंड ने अपने बयान में कहा है कि अडानी पोर्ट्स ऐसे क्षेत्रों में काम कर रही है, जो युद्धरत या कॉन्फ्लिक्ट जोन में हैं। ब्लूमबर्ग की खबरों के मुताबिक कंपनी इन इलाकों में मानवाधिकार उल्लंघन से जुड़ी हुई है, और ये 'अस्वीकार्य' जोखिम है। इसलिए फंड अडानी पोर्ट से अपने निवेश को बाहर खींच रहा है। अडानी पोर्ट, अभी मुख्य तौर पर इजराइल में काम करता है, जहां इजराइल का हमास के साथ संघर्ष चल रहा है। सॉवरेन फंड ने अमेरिका की कंपनी को भी इसलिए ब्लैकलिस्ट किया है क्योंकि वह परमाणु हथियार से जुड़े कंपोनेंट बनाती है। वहीं चीन की कंपनी रूस और बेलारूस में सैन्य उपकरणों की सेल में योगदान देती है। मानवाधिकार संरक्षण को लेकर नॉर्वे काफी सजग राष्ट्र है और इससे जुड़े तमाम इंडेक्स में हमेशा टॉप कंट्री में शामिल रहता है। नॉर्वे के सॉवरेन फंड ने इन कंपनियों का अपने पोर्टफोलियो से बाहर करने का निर्णय नॉर्वे की 'नैतिकता परिषद' के सुझावों के आधार पर लिया है।

सरकार ने क्रूड ऑयल पर विंडफॉल टैक्स घटाया

एजेंसी

नई दिल्ली, 16 मई (नवसत्ता)। सरकार ने घरेलू स्तर पर उत्पादन किए जाने वाले क्रूड ऑयल के एक्सपोर्ट पर स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी, यानी विंडफॉल टैक्स को घटा दिया है। अपनी रेगुलर रिव्यू में सरकार ने विंडफॉल टैक्स को 8,400 रुपए प्रति मीट्रिक टन से घटाकर 5,700 रुपए प्रति मीट्रिक टन कर दिया है। यह बदलाव आज यानी 16 मई से लागू हो गया है। सरकार हर 15 दिन पर विंडफॉल टैक्स रिव्यू करती है। इससे पहले सरकार ने 1 मई को विंडफॉल टैक्स 9,600 रुपए प्रति मीट्रिक टन से घटाकर 8,400 रुपए प्रति मीट्रिक टन कर दिया था। उससे पहले विंडफॉल टैक्स को लगातार बढ़ाया जा रहा था। एक महीने पहले 16 अप्रैल की समीक्षा में विंडफॉल टैक्स

को 6,800 रुपए प्रति टन से बढ़ाकर 9,600 रुपए प्रति टन कर दिया गया था। वहीं दूसरी ओर सरकार ने डीजल पेट्रोल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल यानी एयरक्राफ्ट में इस्तेमाल होने ईंधन पर एक्सपोर्ट ड्यूटी को शून्य पर बनाए रखने का फैसला लिया है। यानी घरेलू रिफाइनरों को डीजल, पेट्रोल और एटीएफ के निर्यात पर मिल रही छूट आगे भी बरकरार रहने वाली है। इससे उन घरेलू कंपनियों को फायदा होता रहेगा, जो रिफाइनरी चलाती हैं और डीजल, पेट्रोल और एटीएफ जैसे रिफाइंड प्रोडक्ट को देश के बाहर के बाजारों में बेचती हैं।

अब फोनपे से श्रीलंका में आसानी से होगा यूपीआई पेमेंट

एजेंसी

नई दिल्ली, 16 मई (नवसत्ता)। डिजिटल दुनिया में भारत लगातार बेहतर कर रहा है। मनी ट्रांजेक्शन हो या पेमेंट सब आसान हो गया है। इसमें सबसे बड़ा योगदान यूपीआई पेमेंट सर्विस का है इस सर्विस को लोगों के बीच पॉपुलर बनाने में फोनपे और गूगलपे जैसी कंपनियों के साथ-साथ पेटीएम ने भी बहुत काम किया। इसी में से अब फोनपे ने अपने ग्राहकों के लिए नई सर्विस शुरू की है, जिसकी मदद से श्रीलंका जाने वाले भारतीय भी फोनपे ऐप की मदद से आसानी से यूपीआई पेमेंट कर पाएंगे।

दरअसल फोनपे ने बुधवार को लंकापे के साथ साझेदारी करने का ऐलान किया है। इससे कंपनी के यूजर्स को श्रीलंका में यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस) पेमेंट करने की सुविधा मिलेगी। श्रीलंका की यात्रा करने वाले सैलानियों को ये बहुत फायदा देगा। वो आसानी से फोनपे के जरिए लंकापे के क्यूआर कोड को स्कैन करके यूपीआई पेमेंट कर सकेंगे। इस सर्विस के शुरू होने के बाद फोनपे ग्राहकों को लंकापे क्यूआर कोड को स्कैन करने में मदद मिलेगी और वह सुरक्षित तरीके से तुरंत पेमेंट कर सकेंगे। इसका एक और फायदा होगा कि इसके लिए उन्हें करेंसी एक्सचेंज कराने की जरूरत नहीं पड़ेगी, लेकिन श्रीलंका में ट्रांजेक्शन करने पर रुपए और श्रीलंका करेंसी के बीच की विनिमय दर यानी एक्सचेंज रेट का पेमेंट उन्हें करना होगा।

फोनपे के सीईओ रितेश पई का कहना है कि फोनपे और लंकापे के सहयोग से भारतीय यात्रियों को काफी सुविधा मिलेगी। वे अब यात्रा करते समय और लंका पे क्यूआर का उपयोग करके वहां सर्विसेस और गुड्स के लिए भुगतान कर सकेंगे। इस मौके पर लंकापे के सीईओ चन्ना डिसिल्वा ने कहा कि इससे होने वाले फायदे को देखते हुए हम उत्साहित हैं। यह श्रीलंका में रहने के दौरान भारतीय सैलानियों और व्यापार के मकसद से आने वाले यात्रियों के लिए भुगतान को सुगम बनाएगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक सरिता श्रीवास्तव द्वारा आयशा ऑफसेट प्रिन्टर्स, मकान नं।- 166, पिपरौली हवतामऊ मवैया, रायबरेली रोड, लखनऊ उ।प्र से मुद्रित कराकर 806,ब्लाक एफ,बेतवा एपार्टमेंट,सेक्टर 4,गोमती नगर एक्सटेंशन लखनऊ,उप्र से प्रकाशित।
सम्पादक- सरिता श्रीवास्तव- फोन नं-0522-2207090, मो0 नं0- 9415020008 आर0 एन0आई0 नं0 यूपीएचआईएन/2009/28265 'सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा। navsatta@gmail.com

रायबरेली में सघन जनसंपर्क के दौरान आज शाम प्रियंका गांधी ने वरिष्ठ कॉग्रेस नेता इंद्रेश विक्रम सिंह के आवास पर मुलाकात की, इस दौरान कांग्रेस नेता ओम प्रकाश श्रीवास्तव ,न्यू स्टैंडर्ड कॉलेज के प्रबंधक शशि कांत शर्मा व कॉलेज के शिक्षक शिक्षिकाएं भी उपस्थित थे

लोकतंत्र के उत्सव में मातृ शक्ति हमारी ताकत है: पीएम

संवाददाता

जौनपुर, 16 मई (नवसत्ता)। जनपद के टीडीपीजी कॉलेज के मैदान में चुनवी जन सभा को संबोधित करने आये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने पूरे भाषण में सपा और कांग्रेस को अपने निशाने पर रखा तो समाज की आधी आवादी महिलाओ को अपने पाले में करने का हरचन्द प्रयास किया। पूर्वाचल की आदि शक्ति देवी मां शीतला का जयकारा लगाने के शुरू किए अपने सम्बोधन में पीएम मोदी ने कहा मैदान में उपस्थित जन समुदाय से संकेत मिल रहा है कि इंडी गठबंधन को एक भी सीट जीतना मुश्किल हो जायेगा। मोदी ने कहा यह चुनाव देश के प्रधानमंत्री को चुनने का अवसर है। इसलिए ऐसी पीएम चुनिए जो दमदार से सरकार चलाए, जिस पर दुनियां रोब न दिखा सके और वह अपनी ताकत से दुनियां को परिचित करा सके। आपका वोट एक मजबूत सरकार बना सकेगा आपका वोट मोदी के खाते में जाएगा। उन्होने कहा दमदार सरकार कैसे काम करती है इसे देखना है तो काशी को देखिए अयोध्या को देखिए, आज के पहले दुनियां में दिल्ली और मुम्बई की चर्चा होती थी अब काशी और अयोध्या की चर्चा होती है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा आज बड़ी मात्रा में मातयें बहने लोकतंत्र का उत्सव मना रही है। मातृ शक्ति ही हमारी शक्ति है। अभी तक व्यवस्था थी जो भी सम्पत्तियां होती थी वह पुरूषो के नाम से होती थी लेकिन मोदी ने ऐसी व्यवस्था कर दी है कि अब हर तरह की सम्पत्ति घर राशन कार्ड सब कुछ माताओ बहनो के नाम से होगी। उन्होंने कहा मोदी की गारंटी है कि चार जून को सरकार बनते ही तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने की योजना है। हम तो माता बहनो की पूजा करते है वही हमारी शक्ति है। उन्होंने कहा पूर्व की सरकारो के शासन काल में गरीबो के पास कच्चा मकान, गंदा पानी, खुले में शौच जाना पड़ता था लेकिन मोदी सरकार ने गरीबो को पक्का मकान पानी बिजली और शौचालय की व्यवस्था के साथ दिया है जौनपुर में एक लाख गरीबो को पक्का मकान दिया गया है। पहले लोग अभाव में अपने घरो से पलायन करने को मजबूर थे लेकिन अब ऐसा नहीं है। विपक्ष जब हारता है तो ईवीएम को जिम्मेदार ठहराता है लेकिन सच यह है कि यह ईवीएम का खेल नहीं माता बहनो का आशीर्वाद है। विपक्ष को अपने निशाने पर लेते हुए कहा कि कांग्रेस और सपा पिछड़ो के आरक्षण में बटवारा करने में जुटी हुई है। ऐसा काम कर्नाटक में करते हुए पिछड़ो के आरक्षण में मुसलमानो को दे दिया है और यही माडल पूरे देश में लागू करने के प्रयास में है। मोदी ने कहा पूर्व की सरकारो में अंग्रेजी पढ़ने वाला आगे निकलता था जो गरीब परिवार के लिए संभव नहीं था इसीलिए हमारी सरकार ने व्यवस्था कर दिया कि गांव से गांव की भाषा हिन्दी पढ़ने वाला इंजीनियर डाक्टर बन सकता है। लेकिन इसका विरोध कांग्रेस और सपा दोनो दल कर रहे है। उन्होंने कहा भाजपा युवाओ की आकांक्षाओ को समझते हुए काम करती है। ओबीसी को आरक्षण दे रही है तो सामान्य वर्ग के गरीब को भी 10 प्रतिशत का आरक्षण दे रही है। भू माफियाओ की कमर तोड़ने के लिए कानून बनाया तो इसका भी विरोध विपक्ष करता है। पीएम मोदी ने कहा कांग्रेस और सपा का माडल तुष्टीकरण है तो भाजपा का माडल संतुष्टीकरण है। कांग्रेस सपा ने हमेशा गरीब दलित और पिछड़ो के साथ छल कपट किया है। लेकिन भाजपा इनके हितो के लिए लगातार काम कर रही है। पीएम मोदी ने कहा विकसित भारत मेरा प्रण है और उसका केन्द्र पूर्वांचल की धरती होगी।मोदी ने पूर्वांचल की तस्वीर और तदवीर बदलने का संकल्प ले रखा है। प्रधानमंत्री ने कहा चार जून को भाजपा की सरकार बनने के साथ देश में पीएम सूर्य योजना को लागू करते हुए बिजली के बिल को शून्य करने काम सरकार करेगी।इस योजना के तहत हर व्यक्ति बिजली पैदा करेगा और उसके खर्च से जो बिजली बचेगी उसे सरकार खरीद कर उसे लाभ भी पहुंचाएगी। सत्तर साल से अधिक आयु वाले बुजुर्गो के उपचार की जिम्मेदारी अब मोदी उठाएगा उनके बच्चो को चिन्ता करने की जरूरत नहीं है यह मोदी की गारंटी है। मोदी ने कहा पांच सौ साल बाद अयोध्या में भगवान राम का मन्दिर बना तो पूरा देश खुश है लेकिन परिवार वादी राजनैतिक लोग गालियां दे रहे है। सपा के चाचा है अपने वोटरो को खुश करने के लिए राम मंदिर को बेकार बताते है। उन्होने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस वाले एक्सरें मशीन लाये उससे सावधान रहने की जरूरत है मशीन से आपकी जमीन जायदाद सेना जेवरात आदि का एक्सरे करते हुए जो अधिक होगा उसे आप से छीन लेगे, महिलाओ का मंगलसूत्र भी छीनने का काम करेंगे। सपा और कांग्रेस के लिए सनातन धर्म खतरनाक लगाता है। इसलिए इनसे सावधान रहने की जरूरत है। मंच पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने प्रधानमंत्री का स्वागत अभिनन्दन करते हुए यूपी से सभी 80 सीटो को पीएम की झोली में डालने का एलान किया। मंच पर उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री गण नन्द गोपाल नन्दी, संजय निषाद, गिरीश चन्द, सीमा , विद्यासागर सोनकर, सभी विधायक और चुनाव लड़ रहे 73 जौनपुर संसदीय क्षेत्र और 74 मछलीशहर (सु) संसदीय क्षेत्र के प्रत्याशी गण भी मौजूद रहे।

देश की प्रतिभाओं को सामने लाने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता इंडिया स्किल्स की हुई शुरुआत

संवाददाता

नई दिल्ली, 16 मई (नवसत्ता)। कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) के तत्वाधान में राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी), द्वारा आयोजित देश की सबसे बड़ी राष्ट्रीय प्रतियोगिता इंडिया स्किल्स की शुरुआत आज दिल्ली के द्वारका स्थित यशोभूमि कन्वेन्शन सेन्टर में हो गई है। देश की यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता अनेक कौशलों को उत्सव के रूप में मनाने के साथ हीयुवाओं को सुनहरे अवसरों से भरा हुआ भविष्य देने के लिए सशक्त करेगी। इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता को विभिन्न उद्योगों के साथ तालमेल को बढ़ावा देने, वैश्विक मानकों के साथ प्रशिक्षण मानकों को एक साथ लाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसमें अंतिम पुरस्कार के रूप में विजेता प्रतियोगी को2024 में लियोन, फ्रांस में वर्ल्ड स्किल्स प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलेगा।विजेत प्रतियोगी 65 से अधिक देशों के 1,500 प्रतियोगियों के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगे। इस वर्ष, शुरुआती ट्रेंड्स से यह अनुमान लगाया गया है कि भारत वर्ल्डस्किल्स में ऑटोमोबाइल, हॉस्पिटैलिटी मेक्ट्रोनिक्स और वाटर टेक्नोलॉजी में पदक जीतने में सफल रहेगा। इंडियास्किल्स प्रतियोगिता -देश के 30 से अधिक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 900 से अधिक छात्र और 400 से अधिक इंडस्ट्री एक्सपर्ट को एक साथ एक बड़ा राष्ट्रीय प्लेटफार्म दे रही है।चार दिन आयोजित होने वाली इंडियास्किल्स प्रतियोगिता मेंप्रतिभागी पारंपरिक शिल्प से लेकर अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों तक 61 कौशलों में अपने विविध कौशल और प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं।

हालांकि 47 कौशल प्रतियोगिताएँ ऑनसाइट आयोजित की जाएंगी और सर्वोत्तम इंफ्रास्ट्रक्चर को ध्यान में रखते हुए 14 प्रतियोगिताएँ कर्नाटक, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और गुजरात में ऑफसाइट आयोजित की जा रही हैं। प्रतिभागी ड्रोन-फिल्म मेकिंग, टैक्सटाइल वीविंग, लेदर शू मेकिंग और प्रोस्थेटिक्स-मेकअप जैसे 9 एग्जीबिशन स्किल्स में भी भाग ले रहे हैं।

बृजेश चंद्र मिश्र का बीमारी के चलते मेदान्ता अस्पताल निधन

संवाददाता

लखनऊ, 16 मई (नवसत्ता)। अम्बालिका इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेण्ट एण्ड टेक्नोलॉजी, लखनऊ के संस्थापक तथा जाने माने समाजसेवी एवं शिक्षाविद पं. बृजेश चंद्र मिश्र 84 वर्ष का आज दिनांक 16 मई, 2024 को बीमारी के चलते मेदान्ता अस्पताल लखनऊ में आकस्मिक निधन हो गया। चैरासी वर्षीय स्व. बी.सी मिश्र का लखनऊ के मेदान्ता अस्पताल में पिछले कुछ दिनों से इलाज चल रहा था। स्व. बी. सी मिश्र राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी जी के समधी तथा उत्तर प्रदेश कांग्रेस विधान मण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना जी के ससुर थे। वह एआईएमटी के निदेशक एवं पर्यावरणविद श्री अम्बिका मिश्र के पिता भी थे। पं. बी. सी. मिश्र जी के आकस्मिक निधन की जानकारी होते ही कैण्ट स्थित उ. प्र. कांग्रेस विधान मण्डल दल की नेता श्रीमती आराधना मिश्रा मोना जी के आवास पर बड़ी संख्या में शिक्षामनीषी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों से जुड़े लोग पहुंचे, और स्व. बी.सी मिश्र जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रदेष के उप मुख्यमन्त्री ब्रजेष पाठक ने भी बैकुण्ठ धाम में स्व.बी.सी. मिश्रा जी के हो रहे अंतिम संस्कार के समय पहुँच कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं प्रदेष के मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य सभा सदस्य प्रमोद तिवारी से दूरभाष पर वार्ता कर स्व. बी.सी. मिश्रा के निधन पर दुःख जताया, मा. मुख्यमन्त्री जी के सलाहकार अवनीष अवस्थी जी ने भी बैकुण्ठ धाम पहुंचकर राज्य सभा सदस्य प्रमोद से मिलकर मा. मुख्यमन्त्री की तरफ से शोक संतप्त परिजनों से मिलकर संवेदना व्यक्त की।

भाजपा के विरुद्ध जनता लड़ रही है चुनाव

संवाददाता

लखनऊ, 16 मई (नवसत्ता)। देश की आर्थिक संप्रभुता को क्षति पहुंचाने, समाज के मैत्री भाव को नष्ट करने और संविधान में दिए हुए लोकतंत्र व न्याय के अधिकार पर हमला करने वाली भारतीय जनता पार्टी की मोदी सरकार के विरुद्ध राबर्ट्सगंज लोकसभा क्षेत्र में जनता चुनाव लड़ रही है। हम अपने एक महीने से चलाए जा रहे एजेंडा लोकसभा चुनाव संवाद सम्पर्क अभियान में गांव-गांव किए हुए सर्वे के आधार पर यह कह सकते हैं कि इस क्षेत्र में जनता भाजपा और उसके सहयोगियों के खिलाफ खड़ी है और इस चुनाव में उनकी हार सुनिश्चित है। यह बातें आज दुद्धी में होटल ग्रीन स्टार में आयोजित पत्रकार वार्ता में ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट के प्रदेश महासचिव दिनकर कपूर ने कहीं। उन्होंने कहा कि देश के प्रमुख अर्थशास्त्रियों का मत है कि यदि कॉर्पोरेट घरानों के ऊपर संपत्ति और उत्तराधिकार टैक्स लगा दिया जाए तो देश के हर नागरिक को रोजगार, बेहतर और मुफ्त शिक्षा-स्वास्थ्य, वृद्धावस्था पेंशन और आवास के अधिकार की गारंटी की जा सकती है। लेकिन कॉरपोरेट को लाभ पहुंचाने में लगे प्रधानमंत्री मोदी इसे करने की जगह इस सवाल पर देश को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सोनभद्र जिला देश के सर्वाधिक पिछड़े जिलों में आता है और दूदधी का आदिवासी बाहुल्य इलाका तो और भी पिछड़ेपन का शिकार है। चाहे जिसकी भी सरकार रही हो यह इलाका उपेक्षित ही रहा है। यहां बड़े पैमाने पर पलायन हो रहा है और युवा लड़के ही नहीं बल्कि लड़कियां भी अपनी आजीविका के लिए दूसरे राज्यों में जाकर काम करने के लिए मजबूर हैं। यहां मजदूरों के साथ-साथ बैंकों में जमा लोगों की पूंजी का भी पलायन हो रहा है। इस स्थिति से इस इलाके को बचाया जा सकता है और रोजगार सृजन किया जा सकता है बशर्ते कि सरकार इसे करने की इच्छा शक्ति दिखाए। यहां कृषि की सिंचाई के लिए कनहर परियोजना को पूरा किया जाता, बरसाती नालों पर बांधों का निर्माण किया जाता, नौजवानों के कारोबार के लिए ब्याज मुक्त ऋण, महिला स्वयं सहायता समूह के कुटीर व लघु उद्योग के विस्तार के लिए ब्याज मुक्त कर्ज, थर्मल पावर कारखानों से निकलने वाली फ्लाई ऐश पर आधारित ईंट उद्योग और जैविक अरहर पैदा करने वाले इलाके में इसकी बड़े पैमाने पर खेती कराई जाए , वन विभाग की खाली जमीनों को फलदार वृक्ष लगाने के लिए गांव की सहकारी समितियां को दिया जाए।

ज्ञाना इंटरनेशनल प्ले स्कूल में डॉक्टर रुचि मिश्रा ने किया समर कैंप का उद्घाटन

संवाददाता

जौनपुर, 16 मई (नवसत्ता)। ज्ञाना इंटरनेशनल प्ले स्कूल शाहगंज में पहला समर कैंप का बेहद शानदार तरीके से भव्य उद्घाटन हुआ। इस ग्रीष्मकालीन शिविर का उद्देश्य बच्चों को न केवल सीखने के करीब लाना है बल्कि उनमें आत्मविश्वास भी पैदा करना है। ग्रीष्मकालीन शिविर ने सीखने को मनोरंजन के साथ मिला दिया और छात्रों को अनुभवजन्य साक्ष्य के माध्यम से ज्ञान प्राप्त करने के लिए एक मंच प्रदान किया। समर कैंप के पहले दिन कई छात्र-छात्राओं का नामांकन समर कैंप के लिए हुआ। ज्ञाना ने ढेर सारी गतिविधियों की पेशकश की।

ग्रीष्मकालीन शिविर का उद्देश्य बच्चों को ऐसी गतिविधियों में संलग्न करना है जो उन्हें मनोरंजक और सार्थक दोनों लगती हैं और सभी बच्चों को किसी भी रूप में अपनी रचनात्मकता का पता लगाने और व्यक्त करने के लिए एक समान मंच प्रदान करना है। ग्रीष्मकालीन शिविर की शुरुआत योगाभ्यास से हुई, क्योंकि यह स्वस्थ जीवन के लिए महत्वपूर्ण है, आज के व्यस्त कार्यक्रम में आंतरिक शांति प्राप्त करने के लिए योग ही जीवन में संतुलन लाने का एकमात्र तरीका है। ज्ञाना इंटरनेशनल प्ले स्कूल खेल, संगीत, नृत्य, कला और शिल्प, पेंटिंग, फोटोग्राफी, रोबोटिक्स आदि जैसी मनोरंजक गतिविधियों पर भी ध्यान केंद्रित करता है। बच्चों को शिविर के एक भाग के रूप में गतिविधियों के बीच पौष्टिक भोजन और रसना प्रदान किया जाता है। छात्रों ने बोली जाने वाली अंग्रेजी कक्षाओं में भी भाग लिया,बैलून गेम, फ्रूट गेम कुर्सी गेम सहित विभिन्न गतिविधियों में लगे रहे। यह शिविर यह सीखने में भी मदद करेगा कि अन्य लोगों के साथ कैसे घुलना-मिलना है और बेहतर संचार कौशल विकसित करना है। शिविर का भव्य उद्घाटन सूर्य हॉस्पिटल की मुख्य चिकित्सक डॉक्टर रुचि मिश्रा के द्वारा किया गया । शिविर का संचालन प्रधानाचार्य डॉ. अनामिका मिश्रा के मार्गदर्शन में किया जा रहा है, जिन्होंने गर्मियों के दौरान ऐसे शिविरों के महत्व पर अपने विचार भी व्यक्त किए। उन्होंने सभी का स्वागत भी किया। उन्होंने विभिन्न गतिविधियों के महत्व पर प्रकाश डाला, जो निश्चित रूप से शिविरार्थियों को भविष्य में लाभान्वित करेगा।

देश में इंडिया गठबंधन की सरकार बन रही है: रमेश चेन्निथल्ला

संवाददाता

मुंबई, 16 मई (नवसत्ता)। देश में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने जा रही है, चौथे चरण के मतदान से चुनाव का रुख साफ हो गया है, उन्होंने कहा की पी एम मोदी हमेशा झूठ बोलते हैं ये झूठों की सरकार है। उत्तर मध्य मुंबई से कांग्रेस की उम्मीदवार वर्षा गायकवाड़ के चुनावी घोषणा पत्र न्याय पत्र के प्रकाशन के मौके पर महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस के के प्रभारी रमेश चेन्निथल्ला ने मुंबई कांग्रेस कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में व्यक्त किए , उन्होंने कहा की मोदी के पास अपने 10 साल के कार्यकाल पर जनता को बताने के लिए कुछ नहीं हैं,इसलिए वो सिर्फ कांग्रेस कांग्रेस करते रहते हैं झूठ बोलते रहते हैं ,उन्होंने कहा की पिछली सांसद ने उत्तर मध्य मुंबई की जनता के लिए क्या काम किया आप लोग जानते है वर्षा गायकवाड़ आप लोगों के लिए न्याय पत्र लेकर आई हैं। सचिन सावंत ने घोषणा पत्र के बारे में जानकारी दी और बताया की जनता से सीधे संवाद स्थापित करने के लिए विशेष डिजिटल मंच बनाया जायेगा , तीन महीने में एक बार जन सुनवाई मंच , लोगों की इच्छा के विरुद्ध सरकारी जमीन जो भाजपा के नेताओं या उनकेचहेतो को दी गई है उसे वापस लेना , कुर्ला स्थित मदर डेयरी की जमीन पर नागरिकों के लिए उद्यान बनवाना जैसे अनेक बातों की गारंटी दी गई है। विजय वड़ेत्तिवार ने बताया की शनिवार को इंडिया गठबंधन की सभा बी के सी पर आयोजित की गई है जिसमे इंडिया गठबंधन के सभी सहयोगी शामिल होंगे